



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 9] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 3, 1979 (फाल्गुन 12, 1900)  
No. 9] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 3, 1979 (PHALGUNA 12, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह असंग्रह संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III—खण्ड 1

### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं  
[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

#### संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 17 जनवरी 1979

सं० ए० 12025/1/77-प्रशा० II—अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा मौसम विज्ञान कार्यालय, लोदी रोड, नई दिल्ली के मौसम विज्ञानी II श्री जफर इलाही शेख को 15 जनवरी, 1979 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में वरिष्ठ प्रोग्रामर के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 12025/4/78-प्रशा० II—अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा श्री जे० पी० अग्रवाल को 16-1-79 के अपराह्न से आगामी आदेश तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्रोग्रामर के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त किया जाता है।

एस० बालचन्द्रन  
अवर सचिव  
कृते अध्यक्ष  
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 23 जनवरी 1979

सं० ए० 32014/1/79-प्रशा० III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के निम्नलिखित स्थायी सहायकों राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के मामले दर्शायी गई अवधि के लिए,

—476 GI/78

11675)

अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से, तदर्थ आधार पर, कार्य करने के लिए नियुक्त किया है।

क्रम सं०	नाम	अवधि जिसके लिए अनुभाग अधिकारी नियुक्त किया गया
1.	श्री बी० एल० शर्मा	10-1-79 से 28-2-79 तक की अवधि के लिए
2.	श्री एन० एम० एल० भटनागर	1-1-79 से 2-2-79 तक की अवधि के लिए
3.	श्री के० पी० अय्यर	1-1-79 से 16-2-79 तक की अवधि के लिए

एस० बालाचन्द्रन  
अवर सचिव  
(प्रशासन प्रभारी)  
संघ लोक सेवा आयोग

#### गृह मन्त्रालय

#### केन्द्रीय प्रत्येकण ब्यूरो

केन्द्रीय न्यायवैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला  
नई दिल्ली-110022 दिनांक 7 फरवरी, 1979

सं० 1-20/72-सी० एफ० एस० एल०/886—योजना आयोग, नई दिल्ली में वरिष्ठ अनुसन्धान अधिकारी नियुक्त

होने के परिणामस्वरूप, श्री पी० के० विश्वास को 17 जनवरी, 1979 के अपराह्न से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, नई दिल्ली की केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला के कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी के पद के कार्यभार से मुक्त किया जाता है।

कार्य एवं प्रशासन विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 8 फरवरी 1979

सं० पी-28/65-प्रशासन-2—निवर्तन की आज्ञा प्राप्त कर लेने पर, श्री पी० डी० भाटिया, निजी सहायक (आर्थिकिक ग्रेड-ख) दिनांक 31-1-79 (अपराह्न) से सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

सं० पी० एफ०/के० 120/73-प्रशा०-I—पश्चिम बंगाल राज्य पुलिस में प्रत्यावर्तन हो जाने पर, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पुलिस निरीक्षक के रूप में प्रतिनियुक्त पश्चिम बंगाल राज्य पुलिस के अधिकारी श्री के० सी० मुखर्जी, उप-निरीक्षक को दिनांक 3-1-79 के अपराह्न में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, सामान्य अपराध स्कन्ध, कलकत्ता शाखा में अपने पद के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

जरनेल सिंह  
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 7 फरवरी 1979

सं० ओ० दो-563/69-स्थापना—राष्ट्रपति श्री भजन सिंह को तदर्थ पदोन्नति पर आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में सहायक कमाण्डेंट के पद पर अस्थाई रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री भजन सिंह ने डी० एम० पी०/कम्पनी कमांडर 25 बटालियन भी० आर० पी० एफ० के पद का कार्यभार दिनांक 9 जनवरी 1979 के अपराह्न में छोड़ा तथा सहायक कमाण्डेंट 34 बटालियन सी० आर० पी० एफ० के पद का कार्यभार दिनांक 12 जनवरी 1979 के पूर्वाह्न से संभाला।

दिनांक 9 फरवरी 1979

सं० ओ० दो-10/75-स्थापना—श्री एच० बी० भद्रिया भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी ने कर्नाटक संवर्ग में प्रत्यावर्तन होने के फलस्वरूप, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में महानिरीक्षक सेक्टर-1, हैदराबाद के पद का कार्यभार दिनांक 27-1-79 के अपराह्न से छोड़ दिया।

ए० के० बन्दोपाध्याय,  
सहायक निदेशक, (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-19, दिनांक 9 फरवरी 1979

सं० ई-17017/5/74-कार्मिक—श्री ओ० पी० शर्मा, फायर चीफ, एच० एफ० सी० बरौनी इसी समय से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के सहायक कमांडेंट की पदेन नियुक्ति के रूप में नहीं रहेंगे।

सं० ई-38013(3)/2/78-कार्मिक—नई दिल्ली से स्थानांतरित होने पर, श्री शिवराज सिंह ने, श्री एन० एल० गुप्ता के स्थान पर, 18 जनवरी, 1979 से के० ओ० सु० ब० यूनिट कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया। श्री एन० एल० गुप्ता, सहायक कमांडेंट ने उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई-38013(3)/1/78-कार्मिक (खण्ड-III)—हल्दिया में स्थानांतरित होने पर श्री जेड० एस० सागर ने 20 जनवरी, 1979 के अपराह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट, बी० सी० एल० जरिया के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई-38013(3)/1/78-कार्मिक (खण्ड-III)—झरिया में स्थानांतरित होने पर श्री जेड० एस० सागर ने श्री आर० के० दीक्षित के स्थान पर 24 जनवरी, 1979 के अपराह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट आई० ओ० भी० हल्दिया के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया। श्री आर० के० दीक्षित सहायक कमांडेंट ने उक्त पद का कार्यभार उसी तारीख से छोड़ दिया।

(ह०) अपठनीय

महानिरीक्षक/के० ओ० सु० ब०

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग

कार्यालय महालेखाकार (द्वितीय) सं० प्र०

ग्वालियर, दिनांक 6 फरवरी 1979

पं० स्थापना-ग्यारह/त्रि० ना० च०/348—श्री त्रिभुवननाथ चतुर्वेदी, स्थायी लेखा अधिकारी (स्थायी क्रमांक 01/0065) कार्यालय महालेखाकार II मध्य प्रदेश ग्वालियर, अधिवापिकी-वय प्राप्त होने पर दिनांक 31 जनवरी 1979 अपराह्न से, शासकीय सेवाओं से सेवा निवृत्त हुए।

पी० सी० भागर,  
वरिष्ठ उप महालेखाकार, (प्रशासन)

कार्यालय, महालेखाकार—द्वितीय पश्चिम बंगाल

कलकत्ता-700001, दिनांक 21 दिसम्बर 1978

I

सं० एल० ए०/74 (प्र०)—महालेखाकार द्वितीय पश्चिम बंगाल ने इस कार्यालय में स्थानीय लेखापरीक्षा विभाग के श्री द्वारिका नाथ पाल स्थायी अनुभाग अधिकारी को इसी कार्यालय

में स्थानापन्न महायुक्त परीक्षक स्थानीय लेखा पश्चिम बंगाल के पद पर, वेतनमान 840-40-1000-द० रोज-40-1200 में दिनांक 21 दिसम्बर 1978 (पूर्वाह्न) से अन्यथा आदेश निकलने तक बहाली करने की कृपा की है।

## II

प्रपत्र पदोन्नति के लिए पूर्व निर्णीत मूल नियमावली के नियम 31 (1) "उससे नीचे नियम" में निर्धारित शर्तों को पूरा करने पर इस कार्यालय में स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग के श्री चित्तरंजन गुप्ता शर्मा, स्थायी अनुभाग अधिकारी की भी, जो कि वर्तमान पश्चिम-बंगाल सरकार के शिक्षा विभाग में, प्रतिनियुक्ति पर कार्य कर रहे हैं, सहायक परीक्षक, स्थानीय लेखा पश्चिम बंगाल के पद पर वेतनमान 840-40-1000 द० रोज-40-1200 में अपने मूल कार्यालय में, दिनांक 21 दिसम्बर 1978 (पूर्वाह्न) से अन्यथा आदेश निकलने तक पदोन्नति की जाती है।

ब० न० दत्त चाँधूरी  
परीक्षक स्थानीय लेखा  
पश्चिम बंगाल

## रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 7 फरवरी 1979

सं० 6870/प्रशा० II—58 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर श्री एन० बी० सी० शेकरिया, रक्षा लेखा नियंत्रक दक्षिणी कमान पूना, को 31-8-1979 (अपराह्न) से पेंशन स्थापना को अन्तर्गत कर दिया जाएगा और वे रक्षा लेखा विभाग की नफरी पर नहीं रहेंगे।

दिनांक 8 फरवरी 1979

सं० 29015(2)/78/प्रशा-II—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को उक्त सेवा के वर्गित समयमान (रुपये 1100-50-1600) में स्थानापन्न के रूप में कार्य करने के लिए, उनके नाम के सामने दर्शाई गई तारीख से, आगामी आदेश पर्यन्त, महर्षि नियुक्त करने हैं :—

क्रम सं० अधिकारी का नाम	नियुक्ति की तारीख
1. श्री गुरु प्रसाद मोहन्ती	16-1-79 (पूर्वाह्न)
2. श्री राजेश कुमार मिश्र	5-12-78 (पूर्वाह्न)

आर० एल० वरुणी,  
रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक, (प्रशा०)

नई दिल्ली-110022, दिनांक 9 फरवरी 1979

सं० 40011 (1)/77-प्रशा० ए०—रक्षा लेखा महा नियंत्रक निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों (लेखा) को, स्था-

नापन्न लेखा अधिकारियों के रूप में, आगामी आदेश पर्यन्त, प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख से एतद्वारा नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	नाम	संगठन	तारीख
	महेश्वरी	रक्षा लेखा नियंत्रक	
1.	मनोहर लाल वर्मा	मध्य कमान, मेरठ	1-3-78
2.	रामचन्द्र मलहोत्रा	अन्य रैंक, उत्तर प्रदेश	4-3-78
3.	जे० पी० कौशिक	मध्य कमान, मेरठ	7-3-78
4.	राम कुमार वर्मा	अन्य रैंक, उत्तर, मेरठ	7-7-78
5.	के० लक्ष्मी	अन्य रैंक, दक्षिण, मद्रास	1-3-78
	नारायणन		
6.	सुरिन्द्र नाथ शर्मा	उत्तरी कमान, जम्मू	1-3-78
7.	टी० एम०	दक्षिणी कमान, पूना	1-3-78
	कृष्णामूर्ति		
8.	एन० कृष्ण मूर्थी	वायु सेना, देहरादून	1-3-78
9.	एन० एन० शंकरन	दक्षिणी कमान, पूना	1-3-78
10.	पी० पी०	फैक्टरीज, कलकत्ता	1-3-78
	भट्टाचार्य		
11.	रोशन लाल पुरी	पश्चिमी कमान, मेरठ	1-3-78
12.	एम० भट्टाचार्य	फैक्टरीज, कलकत्ता	6-3-78
13.	विलोक चन्द	पश्चिमी कमान, मेरठ	1-3-78
14.	बी० बी०	दक्षिणी कमान, पूना	1-3-78
	चन्दुरकर		
15.	एस० एन० पाठक	अफसर, पूना	1-3-78
16.	एम० चन्द्र शेखरन	फैक्टरीज, कलकत्ता	18-3-78
17.	राजेंद्र सिंह	पश्चिमी कमान, मेरठ	1-3-78
18.	हिम्मतराय कपूर	मध्य कमान, मेरठ	1-3-78
19.	सत्येन्द्र कुमार	फैक्टरीज, कलकत्ता	14-3-78
	सिन्हा		
20.	डी० के० गोडबोले	अफसर, पूना	1-3-78
21.	बी० के० धवन	अन्य रैंक, उत्तर, मेरठ	6-3-78
22.	के० वर्धाराजन	नौ सेना, बम्बई	1-3-78
23.	वाई० आर०	अन्य रैंक, दक्षिण, मद्रास	1-3-78
	शैलके		
24.	नियोज अहमद	अन्य रैंक, दक्षिण मद्रास	20-3-78
25.	डी० राम स्वामी	दक्षिण कमान, पूना	15-3-78
26.	बी० पी० गुप्ता	अन्य रैंक, उत्तर मेरठ	1-3-78
27.	जी० कन्याण	अन्य रैंक, दक्षिण मद्रास	1-3-78
	मुन्दरम		
28.	एन० बी० वर्षासि	वायु सेना, देहरादून	15-3-78
29.	आम प्रकाश कपूर	उत्तरी कमान, जम्मू	8-3-78
30.	बी० रामचन्द्रन	अन्य रैंक, दक्षिणी, मद्रास	3-4-78
31.	पद्म सैन	वायु सेना, देहरादून	1-3-78
32.	प्राणनाथ शर्मा	पश्चिमी कमान, मेरठ	1-3-78

क्रम सं०	नाम	संगठन	तारीख
	सर्व श्री	रक्षा लेखा नियंत्रक	
33.	सत्येन्द्र लाल वर्मा	मध्य कमान, मेरठ	1-3-78
34.	इन्द्र प्रकाश तादिर	अन्य रैंक, उत्तर, मेरठ	1-3-78
35.	डी०पी० देव	फैक्टरीज, कलकत्ता	13-3-78
36.	के० एम० के० एस० नम्बियार	अन्य रैंक, दक्षिणी, मद्रास	1-3-78
37.	आर० एस० मिह	पेंशन, इलाहाबाद	29-4-78
38.	गोपाल चन्द्र वशिष्ठ	पश्चिमी कमान, मेरठ	1-3-78
39.	आनन्द बर्धन ओबेराय	मध्य कमान, मेरठ	1-3-78
40.	कल्याण कुमार बतर्जी	फैक्टरीज, कलकत्ता	1-3-78
41.	ए० एस० नागराजन	अन्य रैंक, दक्षिण, मद्रास	9-6-78
42.	बी० के० चटर्जी	फैक्टरीज, कलकत्ता	1-3-78
43.	कृष्ण लाल भण्डारी	मध्य कमान, मेरठ	31-3-78
44.	टी० बी० राधा कृष्ण	अन्य रैंक, उत्तर मेरठ	3-4-78
45.	आर० डी० भटनागर	मध्य कमान, मेरठ	10-4-78
46.	जगदीश्वर मुखर्जी	फैक्टरीज, कलकत्ता	1-4-78
47.	गुरु चरन मिह	पेंशन, इलाहाबाद	6-4-78
48.	एच० एल० खरबन्दा	वायु सेना, देहरादून	1-4-78
49.	वी० एस० कुलकर्णी	दक्षिणी कमान, पूना	26-4-78
50.	आर० के० तिवारी	पटना, पटना	5-4-78
51.	टी० मुन्दरा रमन	नौसेना, बम्बई	17-4-78
52.	दास राम गोरवारा	पेंशन, इलाहाबाद	3-4-78
53.	एम० वीर राघवलू	अन्य रैंक, उत्तर, मेरठ	18-5-78
54.	श्याम लाल नारंग	फैक्टरीज, कलकत्ता	9-4-78
55.	राज प्रकाश	पेंशन, इलाहाबाद	28-4-78
56.	सोहन राम	उत्तरी, कमान, जम्मू	4-4-78
57.	ए० पी० हेमचन्द्रन	फैक्टरीज, कलकत्ता	9-4-78
58.	के० आर० के० तादिर	अफसर, पूना	5-4-78
59.	के० बी० माली	नौसेना, बम्बई	3-4-78
60.	मोहन चन्द्र भट्ट	पटना, पटना	13-4-78
61.	योगराज श्रवरोय	मध्य कमान, मेरठ	1-4-78
62.	राज कुमार सूद	पश्चिमी कमान, मेरठ	1-4-78
63.	आर० कृष्णन	फैक्टरीज, कलकत्ता	6-4-78
64.	एस० गोपालन	फैक्टरीज, कलकत्ता	1-4-78
65.	के० के० सचदेवा	वायु सेना, देहरादून	1-4-78

क्रम सं०	नाम	संगठन	तारीख
	सर्व श्री	रक्षा लेखा नियंत्रक	
66.	के० त्यागराजन	दक्षिणी कमान, पूना	5-4-78
67.	आर० बी० कुलकर्णी	अफसर, पूना	3-4-78
68.	रणजीत सिंह	उत्तरी कमान, जम्मू	3-5-78
69.	यू० बी० खट्टर	अन्य रैंक, उत्तर, मेरठ	23-5-78
70.	बी० एम० पाण्डव	दक्षिणी कमान, पूना	4-5-78
71.	एल० आर० राजामणी	वायु सेना, देहरादून	19-5-78
72.	नरेश प्रसाद जैन	रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक (निधि) मेरठ	1-5-78
73.	पी० के० मोहनदास	नौसेना, बम्बई	1-5-78
74.	टी० कोताण्डपाणि	अन्य रैंक, दक्षिणी, मद्रास	1-5-78
75.	ए० नारायणाचार	दक्षिणी कमान, पूना	8-5-78
76.	टेक चन्द्र डाबर	उत्तरी कमान, जम्मू	29-5-78
77.	एम० के० बोखलू	पटना, पटना	10-7-78
78.	ए० बी० चौधरी	फैक्टरीज, कलकत्ता	31-5-78
79.	अनूप सिंह, वर्मा	फैक्टरीज, कलकत्ता	1-5-78
80.	बी० के० रामप्रियन	दक्षिणी कमान, पूना	1-5-78
81.	एम० एल० बिंगरा	वायु सेना, देहरादून	24-5-78
82.	दौलत रामसेठी	पश्चिमी कमान, मेरठ	12-5-78
83.	देव स्वरूपसेठी	नौसेना, बम्बई	17-5-78
84.	आर० एस० बोहरा	पश्चिमी कमान, मेरठ	1-5-78
85.	के० ए० कुमार स्वामी	दक्षिणी कमान, पूना	1-5-78
86.	ओम कुमार	अन्य रैंक, उत्तर, मेरठ	1-6-78
87.	विश्वनाथ राय शर्मा	अन्य रैंक, उत्तर, मेरठ	28-10-78
88.	राजकुमार शर्मा	अन्य रैंक, उत्तर, मेरठ	1-6-78
89.	आर० शंकर नारायणन	वायु सेना, देहरादून	9-8-78
90.	आर० श्रीनिवासन	दक्षिणी कमान, पूना	14-6-78
91.	विश्वनाथ	पेंशन, इलाहाबाद	30-6-78
92.	रघबीर सिंह	पटना, पटना	7-6-78
93.	बी० परमेश्वरन नायर	फैक्टरीज, कलकत्ता	28-6-78
94.	टी० एस० नारायणन	फैक्टरीज, कलकत्ता	29-6-78
95.	बी० एन० जयरामन	अफसर, पूना	1-6-78



क्र.सं.	नाम	संगठन	तारीख
96.	ए० के० दत्ता	पटना, पटना	5-6-78
97.	गोवर्धन लालबाली	पश्चिमी कमान, मेरठ	1-6-78
98.	के० शेषाद्री	अन्य रैंक, दक्षिण, मद्रास	2-6-78
99.	एन० आर० निषकर	अफसर, पूना	5-6-78
100.	सोहन लाल विज	उत्तरी कमान, जम्मू	10-7-78
101.	के० वैकटरामन	नौ सेना, बम्बई	1-7-78
102.	एस० के० दास	गुप्तापेंशन, इलाहाबाद	1-7-78
103.	नवल किशोर	मध्य कमान, मेरठ	11-7-78
104.	विश्व नाथ	फैक्टरीज कलकत्ता	3-7-78
105.	बी० एल० रमडे	अफसर, पूना	26-8-78
106.	कृष्ण लाल	उत्तरी कमान, जम्मू	14-7-78
107.	आर० शान्तन	पटना, पटना	12-7-78
108.	राम प्रकाश	मध्य कमान, मेरठ	13-7-78
109.	बलराज	अन्य रैंक, उत्तर, मेरठ	1-7-78
110.	टी० विट्ठल राव	अन्य रैंक, दक्षिण, मद्रास	3-7-78
111.	के० पी० कन्दूरकर	अन्य रैंक, दक्षिण मद्रास	13-7-78
112.	गोकुल चन्द्र दास	मध्य कमान, मेरठ	1-7-78
113.	के० पी० नायर	नौ सेना, बम्बई	1-8-78
114.	धर्मेश्वर सिंह गर्ग	अन्य रैंक, मेरठ	1-8-78
115.	आर० एस० कौशल	मध्य कमान, मेरठ	16-8-78
116.	मोहिन्द सिंह	अन्य रैंक, उत्तर, मेरठ	1-8-78
117.	सोहन सिंह नन्दा	पश्चिमी कमान, मेरठ	1-8-78
118.	बी० डी० नांगिया	अन्य रैंक, उत्तर, मेरठ	11-9-78
119.	आर० जानकी रामन	दक्षिणी कमान, पूना	1-8-78
120.	एम० राम कृष्ण	अन्य रैंक, दक्षिण मद्रास	10-8-78
121.	एन० के० चिपल	दक्षिणी कमान, पूना	1-8-78
122.	टी० जी० श्रीनिवासन	फैक्टरीज, कलकत्ता	6-8-78
123.	आर० एल० छिन्नर	वायु सेना, देहरादून	23-9-78

क्र.सं.	नाम	संगठन	तारीख
124.	अविनाश चन्द्र खन्ना	उत्तरी कमान, जम्मू	28-9-78
125.	ए० श्रीनिवासन	अफसर, पूना	2-8-78
126.	एम० जी० साठे	दक्षिणी कमान, पूना	1-8-78
127.	सुकुमार गांगुली	अन्य रैंक, उत्तर, मेरठ	1-8-78
128.	टी० वैकटरामन	फैक्टरीज, कलकत्ता	1-8-78
129.	ए० एन० ग्रोवर	प्रशिक्षण, मेरठ	1-9-78
130.	मोहन लाल	वायु सेना, देहरादून	9-10-78
131.	ए० ज्ञान देशीकन	दक्षिणी कमान, पूना	6-9-78
132.	एस० एन० शुक्ल	अन्य रैंक, उत्तर मेरठ	11-9-78
133.	आर० पी० नांगिया	मध्य कमान, मेरठ	27-10-78
134.	एम० थंडोनी	दक्षिणी कमान, पूना	15-9-78
135.	के० वी० कृष्णा मूर्थी	दक्षिणी कमान, पूना	18-9-78
136.	एम० राम मूर्थी	अन्य रैंक, दक्षिण मद्रास	11-9-78
137.	एस० बी० दाम	पटना, पटना	1-9-78
138.	चमन लाल	पश्चिमी कमान, मेरठ	28-10-78
139.	के० एल० भारद्वाज	अन्य रैंक, उत्तर मेरठ	1-9-78
140.	के० राय	वायु सेना, देहरादून	1-9-78
141.	जी० आर० मकूर्यी	अफसर, पूना	28-9-78
142.	मनोहर सिंह	अन्य रैंक, उत्तर मेरठ	28-10-78 (अपराह्न)
143.	रायजादा	मध्य कमान, मेरठ	30-10-78
144.	बालकृष्ण	वायु सेना, देहरादून	3-10-78
145.	के० गोपाल कृष्णन	फैक्टरीज, कलकत्ता	30-11-78
146.	वी० एस० गुप्ता	पटना, पटना	30-10-78
147.	डी० सी० मुखर्जी	पटना, पटना	7-10-78
148.	एम० वैकटरामन	अन्य रैंक, दक्षिण मद्रास	3-10-78
149.	पी० एन० एस० राघवन	दक्षिणी कमान, पूना	3-10-78
150.	ए० एस० देश पाण्डेय	मध्य कमान, मेरठ	9-11-78
151.	सुखदयाल ग्रोवर	फैक्टरीज, कलकत्ता	1-10-78
152.	पी० वेणु गोविन्द	वायु सेना, देहरादून	1-12-78
153.	के० पी० वर्मा	पेंशन, इलाहाबाद	6-12-78
154.	हरदेव सिंह	रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक, (निधि) मेरठ	1-11-78
155.	मोहन लाल बहल	पेंशन, इलाहाबाद	1-12-78

क्रम सं०	नाम	संगठन	तारीख
	सर्वश्री	रक्षा लेखा नियंत्रक	
156.	डी० कृष्णा मूर्थी	अन्य रैंक, दक्षिण मद्रास	18-11-78
157.	अजीत कुमार राय	फैक्टरीज, कलकत्ता	1-11-78
158.	एम० मी० खरबंगा	फैक्टरीज, कलकत्ता	1-11-78
159.	के० डी० सहाय	पटना, पटना	1-11-78
160.	शिव धरत लाल सगेन	वायु सेना, देहरादून	1-11-78
161.	पारस राम लट्टा	अन्य रैंक, उत्तर, मेरठ	18-11-78
162.	जी० ई० कृष्णा-मूर्थी	दक्षिणी कमान, पूना	17-11-78
163.	कैलाश चन्द्र गुप्ता	पटना, पटना	13-11-78
164.	एम० एन० महगल	अन्य रैंक, उत्तर, मेरठ (अपराजित)	18-11-78
165.	श्री राम कटियाल	फैक्टरीज, कलकत्ता	2-11-78
166.	वाई० डब्ल्यू० तारे	अफसर, पूना	1-11-78
167.	एम० एस० प्रभु	दक्षिणी कमान, पूना	10-11-78
168.	विद्या सागर	फैक्टरीज कलकत्ता	3-11-78
169.	बंस राज जैन	अन्य रैंक, उत्तर, मेरठ	12-12-78
170.	विष्णु कुमार श्रीवास्तव	फैक्टरीज, कलकत्ता	1-11-78
171.	अजमतुल्ला खान	पटना, पटना	7-11-78
172.	एम० एन० वैक्केशन	नौ सेना, बम्बई	1-11-78
173.	ए० आर० लाजाराडी	फैक्टरीज, कलकत्ता	3-11-78
174.	टी० के० राजाप्पन नायर	अफसर, पूना	1-12-78
175.	के० सारंग रतिरम	अन्य रैंक, दक्षिण मद्रास	13-12-78
176.	लक्ष्मी नारायण सिंह	अन्य रैंक, उत्तर, मेरठ	27-12-78
177.	सदा मुख बर्मा	पेंशन, इलाहाबाद	1-12-78
178.	टी० आर० सम्पथ	अफसर, पूना	1-12-78
179.	एम० एस० विष्वनाथन	अफसर, पूना	1-12-78
180.	जमरन्त राय	उत्तरी कमान, जम्मू	1-12-78
181.	आर० सुब्रह्मण्यम	अफसर, पूना	1-12-78
182.	एम० पी० गुप्ता	अन्य रैंक, उत्तर, मेरठ	1-12-78
183.	ए० के० चक्रवर्ती	पटना, पटना	1-12-78

क्रम सं०	नाम	संगठन	तारीख
	सर्वश्री	रक्षा लेखा नियंत्रक	
184.	जे० के० शर्मा	वायु सेना, देहरादून	1-12-78
185.	रोशन लाल गुलाटी	वायु सेना, देहरादून	4-12-78
186.	एच० के० प्रहलाद राव	दक्षिणी कमान, पूना	1-12-78
187.	आनन्द स्वरूप पाराशर	पश्चिमी कमान, मेरठ	1-12-78
188.	सोहन लाल कुमार	पटना, पटना	1-1-79
189.	सतपाल सेठी	पेंशन, इलाहाबाद	1-12-78
190.	राम नाथ	फैक्टरीज, कलकत्ता	8-12-78
191.	आर० नटराजन	अन्य रैंक, दक्षिण, मद्रास	2-12-78

एम० एन० अट्टोपाध्याय  
रक्षा लेखा उप महानियंत्रक (कार्मिक)

रक्षा मन्त्रालय

डी० जी० ओ० एफ०

डी० जी० ओ० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा,

दिनांक 12 जनवरी 1979

सं० 2/79/ए/ई/एन० जी०—डी० जी० ओ० एफ०, श्री शंकर लाल मंडल, स्थायी सहायक को सहायक स्टाफ अफसर (ग्रुप 'बी') राजपत्रित के पद पर, दिनांक 27-11-197 से अगामी आदेश न होने तक स्थानापन्न आधार पर विवर्णितता पर प्रभावित हुए, पदोन्नत करते हैं।

डी० पी० चक्रव  
सहायक महानिदेशक/प्रशास  
कृते महानिदेश  
आर्डरनेन्स फैक्टरी

वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता मन्त्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी 1979

आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

सं० 6/1266/78-प्रशासन (राज०)/1326—राष्ट्रपति श्री बी० के० जुल्ही, भारतीय प्रशासकीय सेवा, को जो प्रमुख नियंत्रक, आयात निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में नियुक्त है, उन्हें इसी कार्यालय में 30 नवम्बर, 1978 से अग्रतः आवेष्टित होने तक, निर्यात आयुक्त के वर्तमान कार्य-भार के अतिरिक्त अपर मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात नियुक्त करते हैं।

का० वें० शेषादि  
मुख्य नियंत्रक

## उद्योग मन्त्रालय

## औद्योगिक विकास विभाग

## हथकरघा विकास आयुक्त कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 31 जनवरी 1979

सं० ए-38012/1/78-प्रशासन-II—राष्ट्रपति, बुनकर सेवा केन्द्र, अहमदाबाद में सहायक निदेशक ग्रेड 1 (डिजाइन) श्री टी० जे० रफेई को उनकी सेवा निवृत्त आयु प्राप्त होने पर उनको सरकारी सेवा से 31-1-79 (अपराह्न) से सेवा-निवृत्त होने की सहर्ष अनुमति प्रदान करते हैं।

ओ० एस० कृष्णामनि  
संयुक्त विकास आयुक्त (हथकरघा)

## भारतीय सर्वेक्षण विभाग

## महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 8 फरवरी 1979

सं० सी० 5467/707—निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से भारतीय सर्वेक्षण विभाग में अधिकारी सर्वेक्षक (ग्रुप 'बी' पद) के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 द० के वेतनमान में पूर्णतः तदर्थ आधार पर अनन्तिम रूप में नियुक्त किया जाता है :-

क्रम सं	नाम और पदनाम	यूनिट/कार्यालय	से लागू
1.	श्री गुर देव सिंह	सं० 2 आरेखण कार्यालय	6-1-79
2.	सहायक सर्वेक्षक मिले० ग्रेड	(उ० म०) देहरादून	(पूर्वाह्न)
3.	श्री कुंवर सिंह रावत	सं० 6 आरेखण कार्यालय	6-1-79
4.	डाफ्टसमैन डिबीजन/सिले० ग्रेड	(उ० म०) देहरादून	(पूर्वाह्न)
5.	श्री एन० एन० सेन	सं० 14 आरेखण कार्यालय	10-1-79
6.	डाफ्टसमैन डिबीजन (मिले० ग्रेड)	(पू० स०) कलकत्ता	(पूर्वाह्न)

के० एल० खोसला,  
मेजर जनरल  
भारत के महासर्वेक्षक  
नियुक्ति प्राधिकारी

## राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली-1, दिनांक फरवरी 1979

सं० एफ० 11-9/79-ए-1—अभिलेख निदेशक, भारत सरकार एतद्वारा नीचे दिए गए सहायक अभिलेखाधिकारी (ग्रेड 1) (सामान्य) को नियमित अस्थायी आधार पर 6 फरवरी

1979 से आगामी आदेशों तक अभिलेखाधिकारी (सामान्य) के पद पर नियुक्त करते हैं :-

1. श्री हरदेव सिंह
2. श्री एस० के० धनेवर

भीमसेन कालड़ा,  
कृते अभिलेख निदेशक

## आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी 1979

सं० 10/18/78-स्टाफ-तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री सुरेन्द्र कुमार चौक को दिनांक 27-12-78 से, अगले आदेशों तक, आकाशवाणी, शिलांग में अस्थायी आधार पर, सहायक अभियंता के पद पर, नियुक्त करते हैं।

दिनांक 8 फरवरी 1979

सं० 10/123/77-एम-तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी श्री एस० वेंकटसुब्रह्मणियन सहायक अभियंता, डिब्रूगढ़ का त्याग पत्र दिनांक 15 फरवरी, 1979 (अपराह्न) से स्वीकार करते हैं :-

जनक राज लिखी  
प्रशासन उपनिदेशक,  
कृते महानिदेशक

## स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली-110011 दिनांक 3 फरवरी 1979

सं० ए० 19019/42/77-के० म० स्वा० यो०-I—केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, कानपुर से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, पटना के स्थानान्तरण हो जाने के फलस्वरूप डा० सुदर्शन सिंह ने 18 जनवरी 1979 के अपराह्न को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना कानपुर से होम्पोवैधिक फिजीशियन के पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा 20 जनवरी 1979 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, पटना में उसी पद का कार्यभार संभाल लिया।

एन० एस० भाटिया  
उपनिदेशक प्रशासन (के० स० स्वा० यो०)

## कृषि एवं सिंचाई मन्त्रालय

## ग्रामीण विकास विभाग

## विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 6 फरवरी 1979

सं० ए० 19023/67/78अ० III—श्री टी० पी० जाधव ने उप वरिष्ठ विपणन अधिकारी (वर्ग 1) के पद में पदोन्नत होने

पर दिनांक 22-12-78 (अपराह्न) में नागपुर में विपणन अधिकारी के पद का कार्यभार त्यागा।

बी० एल० मनिहार  
प्रणामन निदेशक  
कृते : कृषि विपणन सलाहकार

भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 17 जनवरी 1979

सं० पी० ए०/79 (26)/78-आर-4—सिविल इंजीनियरी बर्ग, मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना कल्पकम से तबादला होने पर निदेशक भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र इस के द्वारा श्री गनेसन रेघुनाथन को बी० ए० आर० सी० (इस्टेट मनेज-मेंट फेसिलिटी प्रीकरी तारापुर) में 1 जनवरी 1979 के पूर्वाह्न से भ्रगले आदेशों तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एम० बी० नियुक्त करते हैं।

एस० रंगनाथन  
उप स्थापना अधिकारी (आर)

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 2 फरवरी 1979

सं० पी० पी० ई० डी०/3 (240)/77प्रशा०/1442—निम्नलिखित कार्मिक, जो इस समय विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग में कार्य कर रहे हैं 1-1-79 से 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 रुपये के वेतनमान में सहायक कार्मिक अधिकारी के पदों पर मौलिक रूप से नियुक्त किए जाते हैं :-

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	टिप्पणी
1.	श्री जी० एस० खुराना	विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग के पूल के स्थायी प्रवरण कोटि लिपिक
2.	श्री पी० जी० मेनन	विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग के पूल के स्थायी प्रवरण कोटि लिपिक
	एस० आर० श्रीनिवासन	निदेशक

क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400 001, दिनांक 7 फरवरी 1979

सं० डी० पी० एस०/21/1 (2)/78-संस्थान/4918—इस निदेशालय की अधिमूचना संख्या डी० पी० एस०/41/1/77-प्रणामन दिनांक 21-11-78 के उपरांत निदेशक, क्रय एवं भंडार परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय और भंडार निदेशालय के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक (कनिष्ठ क्रय सहायक) तथा स्थानापन्न क्रय सहायक, श्री गोविन्द विष्णु वर्तक को सहायक क्रय अधि-

कारी पद पर रु० 650-30-740-35-810-न० रो० 35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन क्रम में दिनांक 30 दिसम्बर 1978 पूर्वाह्न से 8 जनवरी 79 पूर्वाह्न तक तदर्थ रूप से तथा 8 जनवरी 1979 पूर्वाह्न से अग्रिम आदेशों तक नियमित रूप से डभी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

के० पी० जोसफ  
सहायक कार्मिक अधिकारी

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500 016, दिनांक 6 फरवरी 1979

सं० पखर-1/11/76-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा केन्द्रीय रेलवे नागपुर के अनुभाग अधिकारी (लेखा) श्री सी० बी० सम्पथ को दिनांक 18 जनवरी 1979 को पूर्वाह्न से भ्रगले आदेश तक परमाणु खनिज प्रभाग में प्रतिनियुक्त आधार पर स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

स० य० गोखले  
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 फरवरी 1979

सं० ए० 32013/8/77-ई० I—इस विभाग की दिनांक 5 जून 1978 की अधिसूचना सं० ए० 32013/8/77-ई० 1 के क्रम में महानिदेशक नागर विमानन ने स्थायी लेखापाल श्री एस० आर० भाटिया को नागर विमानन विभाग में 26-11-78 (अपराह्न) से आगे तीन महीने के लिए अथवा पद के नियमित रूप में भरे जाने तक जो भी पहले पड़े तदर्थ आधार पर लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है।

हरबंस लाल कोहली,  
निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 6 फरवरी 1979

सं० ए० 32013/3/78-ई० सी०—राष्ट्रपति ने संचार नियंत्रक, वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई के कार्यालय में वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी श्री एच० बी० सुवर्शन को स्थानान्तरण पर दिनांक 29-12-78 (पूर्वाह्न) से 31-12-78 (अपराह्न) तक तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक संचार के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें महानिदेशक नागर विमानन (मुख्यालय) पूवाह के कार्यालय में तैनात किया है।

सं० ए० 32013/4/78-ई० सी०—राष्ट्रपति श्री एन० बी० माथुर, संचार अधिकारी कार्यालय संचार-नियंत्रक वैमानिक संचार, के स्टेशन बम्बई को तदर्थ आधार पर 27-10-78 (पूर्वाह्न) से छः महीने की अवधि के लिए वरिष्ठ संचार अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त करते हैं और उन्हें कार्यालय क्षेत्रीय संचार-निदेशक कलकत्ता विमानक्षेत्र, कलकत्ता में तैनात करते हैं।

सं० ए० 32014/1/78-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने वैमानिक संचार स्टेशन बम्बई के श्री के० पी० स्वामी, संचार सहायक को दिनांक 11-1-79 (पूर्वाह्न) से श्री आर० आर० जोशी, सहायक संचार अधिकारी के स्थान पर, जिन्हें दिनांक 7-1-79 से 35 दिन की अर्जित छुट्टियां मंजूर की गई हैं, तदर्थ आधार पर सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है।

सं० ए० 39012/1/79-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निदेशक रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली के कार्यालय के श्री वाई० बी० राव, सहायक तकनीकी अधिकारी का दिनांक 18-1-79 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से त्यागपत्र स्वीकार कर लिया है।

सत्य देव शर्मा,  
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी 1979

सं० ए० 39013/9/78-ई० ए०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री यू० बी० थंगादी, सहायक विमानक्षेत्र अधिकारी, बम्बई एयरपोर्ट, बम्बई का दिनांक 14 जनवरी, 1979 अपराह्न से सरकारी सेवा से त्यागपत्र स्वीकार कर लिया है।

सी० के० वत्स,  
सहायक निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय पटना

पटना, दिनांक 12 फरवरी 1979

सं० 11 (7) 2-स्था०/79/1733—केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय, पटना के निम्नलिखित स्थानापन्न सहायक समाहर्ता अपनी सेवा की आयु पूरी कर उनके नाम के सामने दिखाए गए तारीख अनुसार सेवा निवृत्त हुए।

क्रमांक	नाम	पदनाम	सेवा निवृत्ति की तिथि
सर्वश्री			
(1)	जे० के० डे	सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क	30-10-78 (अपराह्न)
(2)	एम० एम० वर्मा	वही	30-10-78 (अपराह्न)
(3)	आर० रमण	वही	30-11-78 (अपराह्न)
(4)	एम० जेड० हसन	वही	31-12-78 (अपराह्न)
(5)	मनन प्रसाद	वही	31-12-78 (अपराह्न)

डी० के० सरकार,  
समाहर्ता

नागपुर, दिनांक 13 फरवरी 1979

सं० 2/79—नागपुर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, समाहर्ताक्षेत्र के (प्रवरण श्रेणी) निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, श्री एस० एच० राजेंद्रकर की अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी "ख" के पद पर पदोन्नति होने पर उन्होंने केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, मुख्यालय नागपुर में अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, श्रेणी "ख" का कार्यभार दिनांक 27-1-79 के पूर्वाह्न से ग्रहण किया।

साधव परलकर  
समाहर्ता

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय

सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नई दिल्ली-1, दिनांक फरवरी 79

सं० 2/79—श्री ए० विजयराघवन ने, जो पहले सीमा शुल्क गृह कलकत्ता में सहायक समाहर्ता सीमा शुल्क के पद पर कार्य कर रहे थे, भारत सरकार, वित्त मन्त्रालय (राजस्व विभाग) के दिनांक 25-4-78 (फा० सं० 22012/13/78-प्रशा-II) के आदेश सं० 61/78 के अनुसार स्थानांतरित होने पर दिनांक 6-7-78 के पूर्वाह्न से, निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के नयी दिल्ली स्थित मुख्यालय में निरीक्षण अधिकारी ग्रुप 'क' के पद का कार्यभार संभाल लिया।

एम० बी० एन० राव  
निरीक्षण निदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 9 फरवरी 1979

सं० ए-19012/723/78-प्रशासन पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री डी० एन० बैरा, अभिकल्प सहायक को अनिश्चित सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के रूप में पूर्णतया तदर्थ आधार पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 20-6-78 की पूर्वाह्न से जब तक यह पद नियमित आधार पर नहीं भरा जाता नियुक्त करते हैं।

(2) श्री डी० एन० बैरा की नियुक्ति पूर्णतया तदर्थ एवं अस्थायी आधार पर है तथा इस प्रकार की गई सेवा के आधार पर वे पदोन्नति अथवा वरिष्ठता के दावेदार नहीं होंगे।

जे० के० साहा,  
अवर सचिव  
केन्द्रीय जल आयोग

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य संचालय  
(कम्पनी कार्य विभाग कम्पनी विधि बोर्ड)

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मेसर्स चरखा सोप्स एण्ड  
केमिकल्स प्राईवेट लिमिटेड (समापन) के विषय में।

बम्बई, दिनांक 2 फरवरी 1979

सं० 9493/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की  
धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा  
सूचना दी जाती है कि मेसर्स चरखा सोप्स एण्ड केमिकल्स  
प्राईवेट लिमिटेड (समापन में) का नाम आज रजिस्ट्रार से काट  
दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

पनी अधिनियम 1956 एवं मेसर्स ओरीयल इन्डस्ट्रीज  
लिमिटेड (समापन में) के विषय में।

बम्बई, दिनांक 2 फरवरी 1979

सं० 4426/560 (5)/समापन में—कम्पनी अधिनियम,  
1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में  
एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स ओरीयल इन्डस्ट्रीज  
लिमिटेड (समापन में) का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया  
है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एल० एम० गुप्ता  
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार  
महाराष्ट्र

कम्पनी अधिनियम, 1956 और दादा रैस, फ्लोर एंड  
आईल मिल्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 9 फरवरी 1979

सं० 1447/560/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की  
धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना

दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधान पर दादा रैस,  
फ्लोर एंड आईल मिल्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल  
कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा  
और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एम० एन० गुहा  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार  
कर्नाटक

कम्पनी अधिनियम 1956 और बिभी फाईनेन्स एंड  
चिट फण्ड स्कीम प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी 1979

सं० जी/स्टेट/560/3044—कम्पनी अधिनियम, 1956  
की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह  
सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधान पर  
बिभी फाईनेन्स एंड चिट फण्ड स्कीम प्राईवेट लिमिटेड का नाम,  
इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया  
जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और के० के० साईकिल्स  
प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी 1979

सं० जी/स्टेट/560/3251/11896—कम्पनी अधिनियम,  
1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में  
एतद्वारा सूचना दी जाती है कि के० के० साईकिल्स प्राईवेट  
लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त  
कम्पनी विघटित हो गई है।

सत्य प्रकाश तायल  
कम्पनी रजिस्ट्रार  
पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं अण्डीगढ़

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 जनवरी 1979

निदेश सं० ए० एस० आर०/78-79/111—यतः, मुझे जी० एल० गारू

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० शाप नं० 1068 है, जो नवा नम्बा 572/2, बजारघंटा घर कटरा अहवालिया, अमृतसर में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर शहर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-6-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (ग) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) राधा कृष्णन मेहरा पुत्र सहजादा नन्द बजार टोंकरया, अमृतसर। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती शशीबाला चड्ढा पत्नी सुभाष कुमार चन्दर, लोहगढ़ गेट, गली बंदरो, अमृतसर। (अन्तरिती)
- (3) जसा कि नं० 2 में है। और कोई किराएदार-हो तो (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधो-हस्ताक्षरी जानता है।)

- (4) यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो तो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संगति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान साढ़े तीन मंजिल नं० 1068 पुराना नया नं० 572/2 कटरा अहवालिया बजार घंटा घर, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 1093 दिनांक 23-6-78 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर में है।

जी० एल० गारू

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख . 29-1-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 जनवरी 1979

निदेश सं० अ० ई०-22/2682-45/जुलाई 1978—

अतः मुझे ज्ही० एस० शेषाद्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 163, एम० एम० नं० 7, सी० टी० एस० नं० ई/162 है तथा जो रवार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-7-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री वसन्त नागयण भागवत और श्रीमती कमल विष्णु बापट (अन्तरक)
- (2) श्री केवल प्रकाश त्रिलोकचन्द (अन्तरिती)
3. श्रीमती एस० बी० उल्लाल (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) श्रीमती मनोरमा बाई एन० भागवत और श्री देवदत्ता एन० भागवत (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

पुर्वोक्ती जमीन या परिसर के उस तमाम टुकड़े या भाग में से 1/2 भाग, उस पर खड़े ढांचे सहित, जो 15वां रास्ता, खार बम्बई में मौजूद पड़ा हुआ है, माप से 749 वर्ग गज यानी 626.23 वर्ग मीटर के बराबर या उसके आसपास है और यह एस० एस० नं० 7 का प्लॉट नं० 163 व सी० टी० एस० नं० ई/162 लिए हुए है तथा बम्बई नगर व उपनगर रजिस्ट्री जिले व उपजिले में है एवं इसकी सीमा इस प्रकार है कि —उत्तर में सी० टी० एस० नं० 167; दक्षिण में सी० टी० एस० नं० 161, पूर्व में 15वां रास्ता और पश्चिम में सी० टी० एस० नं० 163 है।

बी० एस० शेषाद्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 25-1-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 जनवरी, 1979

निदेश सं० अ० ई० 2/2586-5/जुलाई/78—अतः मुझे बी० एस० शेषाद्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एस० नं० 3, त्रि० नं० 2 (अंश), 3 और 1 बी, सी० टी० एस० नं० 139 है तथा जो जुहू विल्हेज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-7-1978 को

पूर्वोक्त, संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-



फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—

- (1) 1. श्री जयंती लाल त्रिभुवन दास शाह, 2. श्रीमती नवलबेन जयंती लाल शाह, 3. श्री महेशकुमार जयंतीलाल शाह, 4. श्री नरेन्द्र जयंती लाल शाह, 5. श्री प्रकाश जयंती लाल शाह।

(अन्तरक)

2. श्री वेजिटेरियन अपार्टमेंट ब्ये-प्राप० हाउ० सो० लिमिटेड

(अन्तरिती)

- (3) सर्वश्री

1. श्रीमती दिमाइबेन टी० शाह
2. श्री जोधालाल मोधजी
- 3ए. श्री महेंद्र जी० शाह
- 3बी. श्रीमती एन० एन० मेन्टे
4. श्रीमती लक्ष्मी बाई तेजशी
5. श्री बाबूलाल आशरचन्द शाह
6. श्री भवानजी कानम्नी,
7. श्री के० एस० देवापुरीया
8. श्री महेश जे० शाह और नरेन्द्र जे० शाह
9. श्री हेमन्त एल० मारु
10. श्री शैलेश एल० मारु
11. श्री बी० बी० दवे
12. श्री मंगनलाल जी० रिवमासिया
13. श्री नरेश जी० पारेख
14. श्रीमती एस० श्रॉफा
15. श्रीमती अन्नजी पी० शाह
16. श्री विरेन्द्र कुमार पी० जैन
17. श्री सुरेश मुलर्जा संपत
18. किरिल सेठ
19. श्री एस० एम० कापडीया
20. श्रीमती रमाबेन आर० ग्राह
21. जूहू जैन सेवा संघ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

- (4) श्री सनतकुमार मनीलाल कापडीया, 2. श्री नरेन्द्रा जयंती लाल शाह (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ता सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग, अन्तराली निकास सड़क सहित, जो जुहू रोड पर जुहू गांव में मौजूद पड़ा हुआ है, जो बम्बई नगर और उपनगर रजिस्ट्री उपजिले और जिले में मौजूद पड़ा हुआ है। प्लॉट एस० नं० 3 हिस्सा नं० 1 व सी० टी० एस० नं० 139 जुहू गांव जुहू रोड का है, माप से 1655 वर्ग गज या 1383.79 वर्ग मीटर या उसके लगभग है, और जो मूलतः दो प्लॉटों (1) माप से 1583 वर्ग गज यानी 1323.59 वर्ग मीटर के लगभग है किन्तु हुको के रिकार्ड में माप से 1558 वर्ग गज यानी 1302.65 वर्ग मीटर के लगभग और सिटी सर्वे रिकार्ड से माप से 1292.98 वर्ग गज या 1081.10 वर्ग मीटर के लगभग दिखाया गया है, (2) माप से 65 वर्ग गज या 54.35 वर्ग मीटर के लगभग किन्तु सिटी सर्वे रिकार्ड में माप से 79.52 वर्ग गज या 6.50 वर्ग मीटर के लगभग दिखाया गया है और उसकी सीमा इस प्रकार है कि उत्तर में आंशिक रूप से एन० एस० सर्वे सं० 3 बी०, एम० नं० 2ए, एच० नं० 17 व एग० सं० 3, हिस्सा नं० 1 ए और सी० टी० एस० नं० 136, 140, 141, 127 व 126 जुहू गांव वाली जमीन दक्षिण में एम० नं० 3, एच० नं० 2, भाग व सी० टी० एस० नं० 125, जुहू गांव वाली जमीन, पूर्व में एस० नं० 3, एच० नं० 2 भाग, व सी० टी० एस० नं० 127, जुहू गांव वाली जमीन, जो वसंत गंगाधर चौधरी की है, और पश्चिम में आंशिक रूप से जुहू रोड व आंशिक रूप से एस० नं० 3, एच० नं० 1ए व एस० नं० 3, एच० नं० 1 बी० व सी०, टी० एस० नं० 140 व 141 जुहू गांव का तथा म्युनिसिपल करो के लिए के वार्ड नं० के 10091 (1 ई) आर/273 बी० ग्रामीण जुहू के अधीन निर्वासित (असेस) होता है और गर कृषि निर्धारण मामलतदार, दक्षिण सालसेट अंधेरी के खाता नं० बी० सी० जुहू, के नं० 160 के अधीन निर्धारित होता है।

वि० एस० शेपाडी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 15-1-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 दिसम्बर, 1978

निर्देश सं० अ० ई०-2/2572-18/जून-78—अतः मुझे,  
एस० जी० बोरघरकर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है और जिसकी सं० सब प्लॉट 'ए' फाइनल प्लॉट नं० 80  
(पार्ट) प्लॉट नं० 81 (पार्ट) टी० पी० एस० नं० VI है  
तथा जो विलेपार्ले (प०) में स्थित है (और इससे उपाध्द  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए पाया गया प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने से अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में;  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्वश्री रामदास चाम्पसी ठक्कर और लक्ष्मण चाम्पसी  
ठक्कर (अन्तरक)
- (2) कस्तूरी विल्डिंग को-ऑपरेटिव हा० सो० लिमिटेड  
(अन्तरिती)
- (3) सर्वश्री
  1. भाल उपाध्याय
  2. के० ज० दोशी
  3. श्रीमती कान्तावन जे० पटेल

4. आर० बी० दलाल और बी० एन० दलाल
5. एन० एच० अम्बानी
6. एन० सी० शाह
7. ए० जे० अडालजा
8. एल० बी० शाह
9. जे० डी० गांधी और श्रीमती जे० डी०  
गांधी
10. एम० जे० दोशी
11. श्रीमती सी० जे० दोशी
12. श्रीमती पी० आर० ठक्कर
13. श्री आर० डी० शाह
14. एम० बी० देलीवाडीया
15. डी० एम० बागय

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन या मैदान का वह तमाम हिस्सा या भाग उस  
पर खड़ी इमारतों व ढांचों सहित जो बम्बई रजिस्ट्री उप-  
जिले और बम्बई उपनगर जिले के विलेपार्ले कस्बे में मौजूद  
पड़ा हुआ है, माप से 966 वर्ग गज यानी 801.30 मीटर्स  
या उसके लगभग है, और विलेपार्ले टाउन प्लानिंग स्कीम  
नं० VI के पुष्पा प्लॉट नं० 80 अंश व प्लॉट नं० 81  
और सब प्लॉट 'ए' है तथा इस प्रकार सीमाबद्ध है कि  
पूर्व में उक्त टी० पी० स्कीम नं० VI के प्लॉट नं० 81  
का सब प्लॉट 'बी' जो ऊपर पहली अनुसूची में बताए  
परिसरों का भाग है, पश्चिम में उक्त स्कीम का प्लॉट नं०  
80 अंश जो पहले कस्तूरवाडी कहलाता था, उत्तर में उक्त  
स्कीम का प्लॉट नं० 80 अंश व प्लॉट नं० 82 दक्षिण में  
उसी स्कीम का प्लॉट नं० 77, और जिसका म्युनिसिपल  
'के' वार्ड नं० 8386 (1) स्ट्रीट नं० 40 इला रोड है।

एस० जी० बोरघरकर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख . 29 दिसम्बर, 1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० अ० ई० 2/2674-35/जून-78—अत. मुझे,  
एस० जी० बोरधरकर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 245, हि० नं० 1 है तथा जो  
पाली हिल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, बान्द्रा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अन्तर्गत, तारीख 5-6-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर्ह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :—

(1) श्री प्रकाणलाल टंडन और श्रीमती सुशील देवी  
टंडन (अन्तरक)

(2) मैसर्स दक्षिण पाली प्रिमायसीस को० प्रा० सो०  
लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो ; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

जमीन या मंदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग उस पर  
खड़ी दक्षिण पाली नामक इमारत सहित जो बम्बई उपनगर  
जिले में बान्द्रा रजिस्ट्री उप-जिले के पाली हिल बान्द्रा  
में मौजूद पड़ी हुई है, माप से 1714.33 वर्ग गज,  
सर्वे नं० 245, हिस्सा नं० 1 है और जिसकी सीमा इस  
प्रकार है, कि उत्तरहमें सर्वे नं० 245/2 ए सी० टी० एस०  
नं० 805 वाली सम्पत्ति और उसके आगे कांटावाड़ी  
रोड, पूर्व में एन० ए० नं० 382 वाली सम्पत्ति, पश्चिम की  
ओर एन० ए० नं० 375, सी० टी० एस० नं० 804 वाली  
सम्पत्ति और ये परिसर म्युनिसिपल वार्ड नं० एच० के०  
अधीन निर्धारित (असेस) होते हैं ।

एस० जी० बोरधरकर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज-2, बम्बई ।

तारीख : 29 दिसम्बर, 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० अ० ई०-2/2668-28/जून-78—अत. मुझे एस० जी० बोरघरकर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० स० नं० 245 हि० नं० 1 (अंश) है तथा जो पाली हिल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बान्द्रा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 5-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शब्दिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किन्हीं प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री विजयम टंडन, स/श्रीमती पुष्पादेवी टंडन, गीता वर्मा, अनुराधा टंडन (अन्तरक)
2. स्वर्ण कुटीर प्रिमायसीम को-आप० मो० लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग, उस पर खड़ी 'रश्मि' नामक इमारत सहित, जो बम्बई उपनगर में बान्द्रा रजिस्ट्री उपजिले में पाली हिल हान्डा, बान्द्रा में मौजूद पड़ा हुआ है, माप से 1593 वर्ग गज या उसके लगभग है और जिसका सर्वे नं० 245 हिस्सा नं० 1 (अंश) व इस प्रकार सीमाबद्ध है :—उत्तर में सर्वे नं० 245, हिस्सा नं० 1, वाली सम्पत्ति, जो पी० एल० टण्डन वगैरह की है, पश्चिम में एन० ए० नं० 375 व सी० टी० एस० नं० 804 वाली सम्पत्ति, पूर्व में एन० ए० नं० 382 वाली सम्पत्ति और इन परिसरों म्युनिसिपल कर म्युनिसिपल एच० वार्ड के अधीन निर्धारित होते हैं।

एस० जी० बोरघरकर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 29 दिसम्बर, 1978

मोहर.

प्रकृप आई० टी० एस० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 दिसम्बर 1978

निर्देश सं० अ० ई०-2/2578-24/जून-78—अतः मुझे,  
एस० जी० बोरघरकर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 998, सं० नं० 24,  
हि० नं० 1/2 प्लॉट नं० 17 (अंश) टी० पी० एस० नं०  
2, एन्ट्री नं० 102 है तथा जो जुहु तारा रोड सांताक्रुज  
(प०) में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 20-6-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैसर्स विजयदीप होटल्स एण्ड इन्व्हेस्टमेंट प्रा०  
लिमिटेड। (अन्तरक)

3-486GI/78

(2) बीच फ्राफ्ट प्रिमायसीस कांफ्राप० सो० लिमिटेड  
(अन्तरिती)

(3) सर्वश्री

1. मानेकजी कुपर एजुकेशन ट्रस्ट स्कूल
2. सी० जी० भट
3. स्टील स्ट्रक्चर कारपोरेशन
4. एच० डी० टांगरी
5. एन० डी० टांगरी
6. जे० डी० टांगरी
7. केकी० डी० पन्नालाल
8. जे० जे० टांगरी
9. धनजीशा एस० भोदनवाला
10. होमी जे० टांगरी

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा या भाग जो माप से  
1521.72 वर्ग मीटर या उसके आसपास (1820 वर्ग  
गज के बराबर) है, जो टाउन प्लानिंग स्कीम, सांताक्रुज  
सं० II के प्लॉट नं० 17 का हिस्सा है, और जिसका सर्वे  
नं० 24, हिस्सा नं० 122 व इन्दराज नं० 102 और  
सी० टी० एस० नं० 998 है, इसके साथ ही इस पर खड़ी  
या पड़ी बहुमंजिली इमारत व ढांचा जिसका म्युनिसिपल  
के वार्ड नं० 9436 (भूमि 2) स्ट्रीट नं० टी०/175 जुहु  
रोड और उक्त परिसर, बम्बई नगर व बम्बई उपनगर के  
रजिस्ट्री उपजिले व जिले के जुहु में जुहु तारा रोड पर  
मौजूद है और उसकी सीमा इस प्रकार है कि पूर्व की ओर  
जुहु तारा रोड, पश्चिम की ओर समुद्र, उत्तर की ओर  
डुमासिया वर्गैरह की सम्पत्ति, दक्षिण की ओर पान्डया लेन  
नामक एक रोड और उसके आगे द्वारकादास कल्याणदास की  
सम्पत्ति है।

एस० जी० बोरघरकर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 29 दिसम्बर, 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 जनवरी, 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एकवी०/भोपाल/78-79/1227—अतः मुझे, बी० एल० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिनकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो विदिशा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विदिशा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 23 जून, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरिकियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती शीला देवी पत्नी श्री राम बाबू खण्डेल-  
वाल, ग्रामजी बाजार, लखर, खालियर।

(अन्तरक)

(2) डा० पद्म चन्द जैन पुत्र श्री लाल जैन निवासी  
विदिशा।

(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 265 का भाग (पहली मंजिल) स्थित  
वाडें नं० 19, माधव गंज, विदिशा।

बी० एल० राव  
सक्षम प्राधिकारी  
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 27-1-1979  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जनवरी 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/78-79/  
1228—अतः मुझे, बी० एल० राव,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 5 ए (भाग) भूमि है, तथा जो इन्दौर में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 15 जून, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति की,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में;  
मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती स्नेहलता पत्नी श्री भूपाल सिंह धारीवाल  
निवासी मनोरमा गंज, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रदीप कुमार पुत्र श्री गया प्रसाद जैन,  
92, जानकी नगर, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लॉट नं० 4 ए क्षेत्रफल 80' 180' स्थित  
21, विकटरी स्टेट कालोनी, रेसीडेन्सी एरिया, इन्दौर।

बी० एल० राव  
सक्षम प्राधिकारी  
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 30-1-1979  
मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जनवरी 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/78-79/1230—अतः मुझे बी० एल० राव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 23/2 है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15 जून, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक का से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भण्ड आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर धारा:—

(1) श्री अन्नत काशीनाथ पत्नी निवासी 27, स्नेहलता गंज स्ट्रीट नं० 3, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रीतमकौर पति श्री अमरीक सिंह निवासी 12, पगनीस पागा, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 23/2, पगनीस पागा, इन्दौर।

बी० एल० राव

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 30 जनवरी 1979

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—  
 आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 जनवरी 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/78-79/  
 1226—अतः मुझे बी० एल० राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
 रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो विदिशा में  
 स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
 वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विदिशा में,  
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
 अधीन, 23-6-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
 पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
 तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
 सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—

(1) श्री राम बाबू पुत्र श्री रघुवर दयाल खण्डेलवाल,  
 कासगी बाजार, लखर, ग्वालियर।

(अन्तरक)

(2) ड० पदम चन्द पुत्र श्री श्री लाल जैन, विदिशा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
 लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया  
 गया है।

### अनुसूची

मकान नं० 265, का भाग (ग्राउन्ड फ्लोर) स्थित  
 बार्ड नं० 19, माधव गंज, विदिशा।

बी० एल० राय

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 27-1-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जनवरी, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/78-79/1229—प्रतः मुझे, बी० एल० राव  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० मकान है, तथा जो ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 8 जून 1978 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्लिखित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दाखिले में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या सम्पत्ति आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री विलबाग सिंह पुत्र श्री सरदार हरनाम सिंह द्वारा पावर आफ एटर्नी श्री मोहिन्दर सिंह पुत्र श्री मेहर सिंह निवासी ई०-2/211, अरेरा कालोनी, भोपाल।

(अन्तरक)

(2) श्री सन्तोख सिंह ग्रेवर पुत्र श्री सरदार सिंह ग्रेवर, निवासी तानसेन नगर, ग्वालियर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दो मंजिला मकान नं० 42, स्थित गांधी नगर कालोनी वाडं नं० 26, ब्लॉक नं० जे०, ग्वालियर।

बी० एल० राव

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 30 जनवरी, 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-16, दिनांक 1 फरवरी, 1979

निर्देश सं० एल० सी० 286/78-79—यतः मुझे, के०

नारायण मेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो कालिकट कारपोरेशन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कालीकट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-6-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती रोहिणी अन्नुतन नायर, तुलसी, वेस्ट हिल, कालीकट।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कामिनी सुकुमारन, 19/599, पुतिया पालन रोड, कालीकट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संरिति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

61½ Cents of land with buildings as per Schedule to document No. 539/78 of SRO, Calicut.

के० नारायण मेनोन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 1-2-1979

मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 जनवरी, 1979

निर्देश सं० 436/एकु० रें०-III/78-79/कल०—अतः

मुझे भास्कर सेन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या 5 बी है तथा जो फार्न रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-9-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

(1) श्रीमती निवेदिता नियोगी, 3ए, डाफ लेन, कलकत्ता-6। (अन्तरक)

(2) श्री जयन्ति रुद्र, 3 ए, ब्रिडन स्क्वेयर, कलकत्ता (टेनान्ट) (अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 1 कट्ठा 9 छटाक जमीन साथ उस पर बनाया तीन तल्ला मकान जो 5 बी, फार्न रोड, कलकत्ता पर अवस्थित है।

भास्कर सेन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख : 3-1-1979  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 28 जनवरी, 1979

निर्देश सं० ए० सी० 40/रेंज-II/कलकत्ता/1978-79—

अतः मुझे एम० जी० यादव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 6 (9) है तथा जो पंचाननतला लेन, वेहाला कलकत्ता-34 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार अलीपुर सदर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-6-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय, आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

4-486GI/78

(1) श्री पंचानन चादाजी

(अन्तरक)

(2) श्री बिमलेन्दु घोष और अमलेन्दु घोष

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्रावण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

6 (ए) पंचाननतला लेन, वेहाला कलकत्ता-34 में 1/3 अंश है, जमीन का परिमाण 2-कटा०-13 छटांक।

एम० सी० यादव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख : 18-1-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 जनवरी, 1979

निर्देश सं० ए० सी० 36 (39)/रेंज-II/कल०/1978-79—यतः मुझे एम० सी० यादव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 6 (9) है तथा जो पंचाननला लेन, वेहाला, कलकत्ता-34 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, सब-रजिस्ट्रार, अलीपुर सदर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-6-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री सनत कुमार चटर्जी

(अन्तरक)

(2) श्री बिमलेन्दु घोष और अमलेन्दु घोष

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

6(9) पंचाननला लेन, वेहाला, कलकत्ता-34 में 1/3 अंश है, जमीन का परिमाण 2 कटा 13 छटाक।

एम० सी० यादव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख : 18-1-1979

मोहर :

प्रकृष घाई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 24 जनवरी 1979

निर्देश सं० 443/एकुटे-III/78-79/कल०—अतः मुझे,  
भास्कर सेन

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिनकी सं० फलट 'सी', 9 तल्लपर है तथा जो 2,  
मन्डेभिला गार्डनस, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
26-6-1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेनोनी ओनारशिप फ़टस स्कीम्स प्रा० लिमिटेड,  
6 हेरिडन स्ट्रीट, कलकत्ता। (अन्तरक)

(2) श्री रजनी एम० पंजाबी, 198, रामबिहारी  
एवेन्यू, कलकत्ता। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

समुचा फ़ैट 'सी' नय तल्ला पर जो 2 मन्डेभिल गार्डनस,  
कलकत्ता में अवस्थित 'जयजयन्ती' नामक मकान में अव-  
स्थित।

भास्कर सेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, 54, रफीअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता

तारीख : 24-1-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 24 जनवरी, 1979

निर्देश सं० 444/एकु० रें०-III/78-79/कल०---अतः  
मुझे मास्कर सेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट 'ए', 9 तल्ला पर है तथा जो 'मन्डे-मिला गार्डेन्स' कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-6-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

(1) सेलोनी ओनारशिप फ्लैट्स स्कीम प्रा० लिमिटेड  
6 हेरिटन स्ट्रीट, कलकत्ता।

(अन्तरक)

(2) श्री टिकमदाम एम० पंजाबी, 198 रासबिहारी  
एवेन्यू, कलकत्ता।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धारणा :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्ता होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रयोद्घातरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

समुचा फ्लैट 'ए'--नव तल्ला पर जो 2 मन्डेमिल गार्डेन्स, कलकत्ता में अवस्थित 'जयजयन्ती' नामक भवन में अवस्थित।

मास्कर सेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, 54, रफीअहमद किदवाई रोड कलकत्ता-16

तारीख : 24-1-1979

मोहर :



प्रकट आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्ज रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी, 1979

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 322/78-79—यतः मुझे,  
के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 316 तीसरी मंजिल में है, जो मागर व्यू,  
हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1978  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय के बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्य में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तिओं को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) स्वस्तिक बुल्डर्स, रजिस्ट्री फर्म, 111 सरोजिनी  
देवी मार्ग, मिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री पालूख गोपाल, श्री सुब्बाराव का बेटा,  
मकान का नं० 5-1-237/1, सुन्दर भवन, जामबाग,  
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दफ्तर का नं० 316, तीसरी मंजिल, मागर व्यू बिल्डिंग  
में नं० 1-2-524/3 दामलगूडा हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज  
सं० 2115/78, उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्ज रंज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-1979

मोहर :

प्रेरूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी, 1979

निदेश सं० आर० ए० सी० नं०-323/78-79—यतः  
मुझे के० एम० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० दफ्तर नं० 306, दोमलगुडा है, जो  
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख जुन, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) स्वस्तिक बुल्डर्स, नं० 1-2-524/3, दोमलगुडा,  
हैदराबाद में। (अन्तरक)

(2) कुमारी मुधा रानी, (मनर) जी० के० राव (वकालत  
और पिता) 119 मारेड पल्ली, (पश्चिम),  
मिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दफ्तर का नं० 306, तीसरी मंजिल, सागर व्यू बिल्डिंग,  
दोमलगुडा, हैदराबाद में, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2116/78,  
उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एम० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1979

सं० आर० ए० सी० नं० 324/78-79—यतः मुझे, के०  
एस० वेंकटरामन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दफ्तर नं० 311, मागर व्यू बिल्डिंग है,  
जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुन, 1978  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ग्रन्थ धास्तियों,  
को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-  
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों :-

(1) स्वस्तिक बुल्डर्स, 1-2-524/3, दोमलगुडा,  
हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्री पी० मुब्बारायुडु, मकान नं० 5-1-237/1,  
सुन्दर भवन, जामभाग, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

सरकारी कारण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

दफ्तर प्रेमिमेज नं० 311, तीसरी मंजिल सागर व्यू  
बिल्डिंग, मकान नं० 1-2-524/3, दोमलगुडा, हैदराबाद,  
रजिस्ट्रीकर्ता दस्तावेज नं० 2117/78, उप रजिस्ट्री  
कार्यालय में।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 325/78-79—यतः  
मुझे के० एम० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नं० आर० सी० 8 और एफ० सी०  
19 है, जो सागर व्यू बिल्डिंग, हैदराबाद में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से ककित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाप या किसी धन या अन्य भास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपावे में सुविधा  
के लिए

यसः धरा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) स्वस्तिक बुन्डर्स, दोमलगूडा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री हरिकृष्ण सोनी, टाक्स वकील, ग्यान भाग  
कालोनी, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन  
की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

नं० आर० सी० 8 और एफ० सी० 19, सागर व्यू बिल्डिंग  
में 1-2-524/3, दोमलगूडा, हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज  
नं० 2117/78, उप रजिस्ट्री कार्यालय में।

के० एम० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-79

मोहर।

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1979

निदेश सं० आर० ए० सी० 326/78-79—यतः मुझे, के० एम० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिनकी सं० नं० 5, मागर व्यू विल्डिंग है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का सम्यक् प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण ने हुई किसी प्राप की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी राय या किसी वा या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकीर्ति—  
5—486 GI/78

(1) स्वस्तिक बुल्डर्स, 1-2-524/3, दोमलगूडा, हैदराबाद। (अन्तरक)

(2) कुमारी कनुमल्लि उम० के० एम० रामाराव (की बेटी) सूर्यराव नेट का निवास, विजयवाड़ा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

बुकान नं० 5 जमीन का मत्ता पर, मागर व्यू विल्डिंग, दोमलगूडा, हैदराबाद, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2119/78 रजिस्ट्री कार्यालय में।

के० एम० वेंकट रामन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 12-2-79

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० 327/78-79—प्रत. मुखे,  
के० एम० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दफ्तर नं० 314, मागर व्यू बिल्डिंग, है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिका-री के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को शायद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, व्यक्तियों :—

(1) स्वस्तिक बुल्डर्म, 1-2-524/3, दोमलगूडा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पी० विद्यादेवी 24/6, काकतीय मेडिकल कॉलेज, बंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते शीघ्र अन्तिम के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

दफ्तर प्रमिसेस नं० 314 तीन वी मंजिल में मागर व्यू बिल्डिंग नं० 1-2-524/3 दोमलगूडा, हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2120/78. उप रजिस्ट्री कार्यालय में हैदराबाद।

के० एम० वेंकटरामन

महाम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 12-2-79

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1979

निर्देश सं० 328/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट  
रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मलगी नं० आर०-14 है, जो मागरु घर  
धर दीमलगुडा में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
क अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्तः—

(1) मैगम स्वायत्तक विन्डर्स, 1-2-524/3, दीमलगुडा,  
हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) उमापति राउ, पत्नी श्री उमापती राउ, 5-9-90  
धापनरोड, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सभ्यता के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिख  
गया है।

अनुसूची

मलगी नं० आर० सी०-14, मागरु घर नं० 1-2-  
524/3 दीमलगुडा, हैदराबाद [रजिस्ट्री दस्तावेज नं०  
2121/78-उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 12-2-1979

मोहर :

प्रारूप धार्मिक टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1979

निर्देश सं० 329/78-79—यन: मुझे के० एम० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269B के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मलगी नं० 16 और 17 है जो मागरवु घर दोमलगुडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एक अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) प्रस्तुत में हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रस्तारक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तर्गत, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात् :—

- (1) मैसर्स स्वास्तिक बुल्डर्स 1-2-524/3, दोमलगुडा, हैदराबाद। (अन्तरक)
- (2) कुमारी मन्तीश देवी 14-1-53 ऊममानगंज हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 16 और 17 सामनेव्य मत्ता मागरवु घर नं० 1-2-524/3 दोमलगुडा हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2154/78, उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एम० वेंकट रामन  
मक्षम अधिकारी  
महायुक्त आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 12-2-79

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1979

निदेश सं० आर०ए०सी० 330/78-79—यतः मुझे के० एम०  
बेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 317 (50 प्रतिशत) है, जो मागर  
व्यू पर दोमलगुडा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) स्वास्तिक बिल्डर्स, 1-2-524/3, दोमलगुडा, हैदरा-  
बाद। (अन्तरक)

(2) श्रीमती बी० सूर्यकुमारी, कल्याणराउ, 1-  
10-38/2 बेगमपेट, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

घर नं० 317 (50 प्रतिशत) III मंजरीला घर  
मागर बिल्डिंग दोमलगुडा, हैदराबाद, रजिस्ट्री दस्तावेज नं०  
2155/78, उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एम० बेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० 331/78-79—यतः मुंज, के०  
एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 317 (50 प्रतिशत) है, जो सागर व्यू  
घर दोमलगुडा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1978  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मैमर्म वुल्डर्म, 1-2-524/3 दोमलगुडा, हैदराबाद।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती डी० नारायानम्मा घर नं० 1-10-38/2  
वेगमपेट, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

## अनुसूची

कार्यालय नं० 317 (50 प्रतिशत) तीसरे मन्जिल  
पर सागर व्यू नं० 1-2-524/3 दोमलगुडा, हैदराबाद रजिस्ट्री  
दस्तावेज नं० 2156/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद  
में।

के० एस० वेंकट रामन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-1979

मोहर :

प्रकृप धार्ई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1979

निदेश सं० 332/78-79—यतः मुझे, के० एम० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मलगी नं० 11 है, जो सागरबु-धर दीमल गुडा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) मैसर्स स्वास्तिक बुल्डर्स, 1-2-524/3 दीमलगुडा हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री जी० एल० महाजन, 10-गमगोपाल पेठ, गिकन्दगाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोदस्ताक्षरी के पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना :—

मलगी नं० 11, जमीन का माला सागरबु-धर-1-2-524/3, दीमल गुडा, हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2157/78, उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एम० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1979

निदेश सं० 333/78-79—यतः मुझे, के० एम० वेंकट  
रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० मलगी न० 12 है, जो मागर व्गु दीमल  
गुडा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त, अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स स्वस्तिक विल्डस, 1-2-524/3, दीमलगुडा  
हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सन्तीश महाजन, 40 रामगोपाल पेट,  
सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सन्ती न० 12, जमीन का सबा पर-ताकरवु-धर न०  
1-2-524/3, दीमलगुडा, हैदराबाद, रजिस्ट्री दस्तावेज न०  
2158/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय, रदगबाद में।

के० एम० वेंकट रामन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1979

निदेश सं० आर० एन० पी० 334/78-79—यतः मुझे, के०  
एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० मलगी नं० 4 है, जो मागरवू घर—  
दीमनगुडा में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1978 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्ति में  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के  
लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6—486GI/P8

(1) मैसर्स स्वस्तिक बुल्डर्स 1-2-524/3 दीमनगुडा,  
हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) कुमारी कनुमीली उमा पिता श्री के० एम० रामा राव  
सयारावपेटे, विजयवाड़ा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 4, जमीन का सत्ता पर, मागरवू का घर  
नं० 1-2-524/3, दीमनगुडा, हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज  
नं० 2159/78, उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-1979

मोहर :

प्रश्न आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० 335/78-79—यतः सुखे,  
के० एम० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० दफ्तर नं० 315 है, जो मागरव्यू बिल्डिंग  
दोमलगुडा में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन जून 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए, अन्तरित की गई है और सुखे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) आर.एन. मुन्दर् 1-2-524/3 दोमलगुडा, हैदरा-  
बाद। (अन्तरक)

(2) श्रीमती पी० विद्यादेवी मकान नं० 24/6, काक-  
तीय मेडिकल कालेज बरंगल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

दफ्तर प्रमिसेम नं० 315, तीसरी मंजिल में, मागरव्यू  
बिल्डिंग, मकान नं० 1-2-524/3, दोमलगुडा में रजिस्ट्री  
दस्तावेज नं० 2160/78, उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद  
में।

के० एम० वेंकट रामन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1979

निर्देश सं० आ० ए० सी० नं० 336/78-79—यतः  
मुख्य के० ए० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० दफ्तर नं० 210 है जो सागर व्यू बिल्डिंग्स  
दोमलगुडा हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
जून, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
त्रय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—

(1) स्वस्तिक बुन्डर्स, मकान नं० 1-2-524/3,  
दोमलगुडा, हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्री किरण प्रकाश, मकान नं० 6-3-628/1,  
रवीन्द्र नगर, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

संशुद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

दफ्तर प्रेमिमेज नं० 210, दूसरी मंजिल, सागर व्यू  
बिल्डिंग्स, मकान नं० 1-2-524/3, दोमलगुडा, हैदराबाद  
रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 2161/78, उपरजिस्ट्री कार्यालय  
हैदराबाद में।

के० ए० वेंकट रामन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-1979  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एन०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी, 1979

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 337/78-79—अतः

मुझे के० एम० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दफ्तर नं० 203, है जो सागरब्यू बिल्डिंग्स,  
दोमलगुडा, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1978  
को पूर्वोक्त संगति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐस अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तबिक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्ति या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ख की उपधारा (1) के अधीन;  
निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्चा :—

(1) स्वस्तिक बुल्डर्स, नं० 1-2-524/3, दोमलगुडा,  
हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री के० राम प्रकाश, नं० 7-2-206, गोशा  
मंडी, सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अज्ञोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त सब्बों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

## अनुसूची

दफ्तर नं० 203 दूसरी मंजिल, सागर ब्यू बिल्डिंग,  
दोमल गुडा, मकान नं० 1-2-524/3, हैदराबाद रजिस्ट्री  
दस्तावेज नं० 2163/78, उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद  
में।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-1979

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी, 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 338/78-79—यतः

मुझे के० एम० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसको सं० दुकान नं० 8 है, जो सागर व्यू बिल्डिंग, दोमलगूडा, हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

(1) स्वस्तिक बुल्डर्स, मकान नं० 1-2-524/3 दोमलगूडा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० विजयकुमार, मकान नं० 21-2-4892, (492) चार कमरा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 8, जमीन सत्ता, सागर व्यू बिल्डिंग, हैदराबाद, मुल्ला नं० 1-2-524/3, दोमलगूडा, हैदराबाद, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2321/78, उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एम० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1979

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 339/78-79—यतः, मुझे, के० एस० वेंकट रामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दफ्तर नं० 211 है, जो सागर व्यू बिल्डिंग बोमलगुडा, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) स्वस्तिक बुल्डर्स, दोमलगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री ई० विजयकुमार, मकान नं० 1569/51, रंगमपेट, वरंगल,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क, में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दफ्तर नं० 211, दूसरी मंजिल, सागर व्यू नं० 1-2-524/3 बोमलगुडा, हैदराबाद, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1322/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

अ.स.स. अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1979

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 340/78-69—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दफ्तर नं० 312, है, जो सागर व्यू बिल्डिंग, दोमलगुडा, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त :—

(1) स्वस्तिक बिल्डर्स, मकान नं० 1-2-524/3, दोमलगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० मधुसूदन राव, मकान नं० 5-1-237/1, सुन्दरबाग, हैदराबाद (जामबाग)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दफ्तर नं० 312, तीसरी मंजिल में, सागर व्यू बिल्डिंग, मुल्गी नं० 1-2-524/3, दोमलगुडा, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2323/78, रजिस्ट्री (उप) कार्यालय, हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-1979

मोहर :

परूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1979

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 341/78-79—यतः

मुझे के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दफ्तर नं० 310 है, जो सागर व्यू बिल्डिंग दोमलगुडा, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) स्वस्तिक बिल्डर्स, नं० 1-2-524/3, दोमलगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० प्रभाकर, भूकान नं० 5-1-238/1, सुन्दर भवन, जामभाग, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दफ्तर नं० 310, तीसरी मंजिल में, सागर व्यू बिल्डिंग, दोमलगुडा, मुल्गि नं० 1-2-524/3, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2324/78, उपरजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 342/78-79—यतः,  
मुझे, के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० 10-2-317/18 है, जो विजयनगर कालोनी,  
हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1978 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती-  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

7—486 G1/78

(1) श्री शिवाजी चौधरी, श्री मादवराव डी० ए०  
जी० (का पुत्र), एस० आर० पी० एफ०, कोप, पूना-22।  
(अन्तरक)

(2) श्री मीर्जा दिलावर बँग, मकान नं० 10-2-317/18,  
विजयनगर कालोनी, हैदराबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्समर्थी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

मकान नं० 10-2-317/18, विजय नगर कालोनी,  
हैदराबाद में, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1722/78, उप रजिस्ट्री  
कार्यालय खैरताबाद, हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी, 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 343/78-79—यतः  
मुझे के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है,

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 4-1-938/आर०-9, बी०-10,  
आर०-11 है, जो तिलक रास्ता, हैदराबाद में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख जून 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के नियेतय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में दास्तबिब रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या।

(ख) ऐसी किमा भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
निम्नलिखित व्यक्तिओं, जर्नात् :—

(1) श्री कृष्ण कन्स्ट्रक्शन कम्पनी, नं० 5-8-612,  
अविद रोड, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक मोहनलाल, सूरज मोहनलाल का  
पुत्र), 23-1-74, चारमीनार (पूरब), हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट के साथ प्रेमिसेस नं० 4-1-938/आर०-9, 10  
और 11, पांचवीं मंजिल में तिलक रोड, हैदराबाद, रजिस्ट्री  
दस्तावेज नं० 2377/78, उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद  
में।

के० एस० वेंकट रामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) मैसर्स श्री कृष्ण कन्स्ट्रक्शन कम्पनी, 5-8-612  
आवीद रास्ता, हैदराबाद।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्री विनोद कुमार पिता रंगा परशनाद, 213,  
अमीरपेट, हैदराबाद।

269B (1) के अधीन सूचना

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी, 1979

निर्देश सं० 344/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 12, 13, 11, घर नं०  
4-1-938 है, जो तिलक रास्ता, हैदराबाद में स्थित है  
(और इसमें उल्लेख अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख जून, 1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-  
रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में  
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण व हुई कियों प्राय का बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी कियों प्राय या कियों घन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
या, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख के अनुसरण में,  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताधरो के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

रूम नं० 12 और 13, 5 सतापर और रूम नं०  
11-6-सतापर इस घर का नं० 4-1-938 का भाग है,  
तिलक रास्ता हैदराबाद, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2378/78  
उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-2-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 फरवरी, 1979

निदेश सं० 345/78-79—यतः मुझे के० एम्०

बकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 14-4, 371, 376, 377 है, जो बेगम बाजार, हैदराबाद में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हुदबौली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1978 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती पुतली बार्दे पति स्व० अहमद इसमाईल  
(2) अहमद युसूफ, (3) अहमद जहानगीर,  
14-4-153, बेगम बाजार, हैदराबाद।  
(अन्तरक)

(2) नेणतल मरकजी जेमतुल कुरेण, जिसका अधीपति हाजी अहमद सदार, 21-3-630, धेला-पुरा, हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 14-4-371, 376 और 377 बेगम बाजार, हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तवेज नं० 617/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय, हुदबौली में।

के० एम्० बंकट रामन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 12-2-1979  
मोहर:



प्रमाण आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 फरवरी, 1979

निर्देश सं- ऐ० पी० नं० 1867—यतः मुझे थी० एम०

दहिवा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० जमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो माडल टाऊन, मार्केट, में स्थित है (और हमने उपायद्वय अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अथवा अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा, 269 ग के अनुमरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1), के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कृपाल सिंह पुत्र अर्जन सिंह  
बी-9, माडल टाऊन, जालन्धर ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती गियान कौर पत्नी बीर सिंह,  
बीर सिंह, पुत्र बन्नावा सिंह, भिडापुर,  
जालन्धर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अभिलेख में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोद-  
स्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-  
वद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ति --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दूकान जो माडल टाऊन मार्केट, जालन्धर में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 1664 जून, 1978 को रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एम० दहिवा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 8-2-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 फरवरी, 1979

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1868—यतः मुझे बी० एम०  
दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
बस्ती दानिश मंदा, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्धित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मंगल सैन कुमार पुत्र लखमीदास मुख्तियार सिंह  
नारिन्दर कौर शेप इन्द्रजीत सिंह, अमृतसर ।  
(अन्तरक)

2. (1) कुंदन लाल पुत्र आत्मा राम  
वाडे -157, बस्ती दानिश मंदा, जालन्धर ।  
(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर नं० 2 में है ।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है ।  
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधिहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )

को यह सूचना द्वारा करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करना हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम  
के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ  
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट जो तजामत नगर, जालन्धर में स्थित है जैसा कि  
विलेख नं० 2004 जून, 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
जालन्धर में लिखा है ।

बी० एम० दहिया,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रंज, जालन्धर,

तारीख : 8-2-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 फरवरी 1979

निदेश सं० ऐ० पी० सं० 1869—यतः सुधे श्री० एम० दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो न्यू रेलवे रोड, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविकरूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गोविन्द सिंह

मकान नं० एन० एल० 362, गोपाल नगर, जालन्धर।  
(अन्तरक)

2. मलहोत्रा बुक

डिबू, अड्डा हुणियारपुर (जालन्धर)।

(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी- VII 549, जैसा कि विलेख नं० 2682 जून, 1978 के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर के कार्यालय में लिखा है।

बी० एम० दहिया

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 8-2-1979

मोहर :

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 फरवरी, 1979

निर्देश सं० ऐ० पी० नं० 1870—यतः मुझे बी० एस० दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैमा की अनुसूची में है तथा जो राजा हस्पताल के नजदीक में स्थित है (और इसमें उपबाद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री देवराज उमर पुत्र श्री नारायण चन्द  
राजाराम गली, फिरोजपुर।

(अन्तरक)

2. श्री बलविन्दर सिंह और जतिन्दर कृष्ण पुत्र बलवंत राय  
21-विजय नगर, जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके धार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में नोटिस जारी है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

आधा हिस्सा प्लॉट जैसा कि विवेख नं० 2734 जुलाई, 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर के कार्यालय में लिखा है।

बी० एस० दहिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

तारीख : 8-2-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 फरवरी, 1979

निदेश सं. ए० पी० नं० 1871—यतः मुझे बी० एस०  
दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो मोता सिंह नगर,  
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रोजेनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

8—486GI/78

1. श्रीमती महिन्द्र कौर बेवा सर्वन सिंह, सरबजीत सिंह  
पुत्र सर्वर्ण सिंह, जी० टी० आर० पुरेवाल, हाऊस,  
जालन्धर ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती निहाल कौर पत्नी प्रेम सिंह  
गांव परजीया, तहसील, नकोदर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है ।

### अनुसूची

प्लॉट नं० 774 जो मोता सिंह नगर, जालन्धर में स्थित है  
जैसा कि विलेख नं० 2704, जून, 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय में लिखा है ।

बी० ए० एस० दहिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 8-2-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 फरवरी, 1979

निर्देश सं० ऐ० पी० नं० 1872—यतः मुझे बी० एस०  
दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के तहत नया अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो बस्ती शेख  
रोड, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
जुलाई, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकर के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकर से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकर का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
नया प्राप्ता प्रतिकर, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में प्रस्तुत रूप में नहीं किया गया है:—

(ग) अन्तरण के हुई किसी प्राप्ति को बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वापिस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्ति या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निर्माणित व्यक्ति, प्रार्थना:—

1. श्री चरन सिंह, पुत्र राजा सिंह  
डब्ल्यू० एस० नं० 62, बस्ती शेख रोड, जालन्धर।  
(अन्तरक)

2. श्री हरभजन सिंह पुत्र नथा सिंह  
डब्ल्यू० एस० नं० बस्ती शेख रोड, जालन्धर।  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्रारोप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्या:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
है वही प्रयुक्त होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

तीन दुकानें, जो बस्ती शेख रोड, जालन्धर में स्थित हैं जैसा  
कि विलेख नं० 3220, जुलाई, 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

तारीख 8-2-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 फरवरी 1979

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 1873—यतः मुझे बी० एस०  
दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो बाई पास  
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन जुलाई, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का  
तद्वद् प्रतिशन से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती सुषमारानी सहगल पत्नी बलदेव राय सहगल  
53, शहीद उधम सिंह नगर, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. (1) रमनकान्त शर्मा पुत्र कर्ता कृष्ण शर्मा  
(2) संतोष शर्मा पत्नी रमनकान्त शर्मा

एन० एन० 25, गोपाल नगर, जालन्धर

(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फैक्टरी जो बाई पास पर स्थित है। जैसा कि बिलेख नं०  
3122, जुलाई, 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया  
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 8-2-1979

मोहर:

प्रारूप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 फरवरी, 1979

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 1874—यतः मुझे बी० एस०  
दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन नक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में तथा जो बस्ती पीरवादा  
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय  
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन नवम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान  
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का बन्दूह  
प्रतिफल से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री संवीप कुमार पुत्र मुख राज
- (2) भगवान दास पुत्र हंसराज
- फाजिल्का जिला फिरोजपुर।

(अन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार मित्तल, मुकेश मित्तल, पुत्र इलम चन्द
- 277, आदर्श नगर, जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्रवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के तय  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट जो बस्ती पीरवादा में स्थित है। जैसा कि विलेख  
नं० 5749, नवम्बर 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 8-2-1979

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी, 1979

निदेश सं० ए० पी० नं० 1875—यतः मुझे बी० एम०  
वहियां

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो गांव घनाल में  
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
जून, 1978को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—1. श्री हरबंसलाल पुत्र मनेश दास,  
गांव, घनाल, तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री कर्म सिंह अवतार सिंह, पुत्र राम सिंह  
गांव घनाल, तहसील जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर नं० 2 में लिखा है

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्न के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन जैसा कि विलेख नं० 2147 जून, 1978 को रजिस्ट्रीय  
कर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० वहिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जालन्धर

तारीख: 9-2-1979

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एम० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी 1979

निदेश नं० ए० पी० नं० 1876—यतः सु० बी० एम०  
दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसका पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो गांव जमालपुर  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्राप्तिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में गान्तरिक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बावत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी वन या अन्य भास्तिवों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री करम सिंह पुत्र हरनाम सिंह  
गांव जमालपुर। (अन्तरक)

2. श्री दीवान चन्द पुत्र गुरदित्त मल पुत्र अमीर चन्द  
मोगपुर। (अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर नं० 2 में है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि विलेख नं० 2555, जून, 1978 को  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एम० दहिया  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, जालन्धर

तारीख : 9-2-1979  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रमुख (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी 1979

निदेश सं० ए० पी० नं० 1877—यतः मुझे बी० एम०  
दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सभ्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है  
कि स्वाधर सन्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिनकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव  
इतनबधी, में स्थित है (और इनमें उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन जून, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सरदार सिंह, पुन नठमा सिंह  
गांव इतनबधी, तहसील जालन्धर (अन्तरक)

2. (1) श्री धर्म सिंह पुन तेजा सिंह  
(2) अजीत सिंह  
(3) सूरत सिंह पुन धर्म सिंह  
गांव इतनबधी, तहसील जालन्धर । (अन्तरिणी)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है ।  
(वह व्यक्ति जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है ।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्वाधर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

प्रमुखी

जमीन जैसा कि विनियम नं० 1595 जून, 1978 में रजि-  
स्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

बी० एस० दहिया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 9-2-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी 1979

निदेश सं० ए० पी० 1878—यतः मुझे बी० एम०  
दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,  
और जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में है तथा जो गांव इतनबधी  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 को (1908 का 16) के  
अधीन तारीख जून, 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिये ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,  
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा, (1)

1. श्री मरदारा सिंह पुत्र लक्ष्मण सिंह  
गांव इतनबधी, लतसील जालन्धर ।

(अन्तरक)

2. (1) धर्म सिंह पुत्र तेजापिह

(2) अजीत सिंह

(3) सूरन सिंह पुत्र धर्म सिंह

गांव इतनबधी, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

3. जैमा कि ऊपर नं० 2 में है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

जमीन जैमा कि विज्ञेय नं० 1596, जून, 1978 को  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

बी० एस० दहिया  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 9-2-1979

माहुर:

प्रकृमाई०टी०एन०एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 फरवरी 1979

निदेश सं० 1879-यतः- मुझे बी० एस० दहिया, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो हकीकत रोड, जालन्धर छावनी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1808 का 16) के अधीन जून, 1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  
9-486GI/78

1. श्रीमती सुरिन्द्र कौर पत्नी चरनजीत सिंह  
जालन्धर छावनी ।

2. कैप्टन नरिन्द्र जीत सिंह पुत्र सोहन सिंह  
कोठी नं० 38, हकीकत रोड, जालन्धर छावनी ।

(अन्तरिती)

3. जैसा ऊपर 2 में है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कोठी जैसा कि विलेख नं० 2475, जून, 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

बी० एस० दहिया,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 13-2-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269ब(1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 30 जनवरी 1979

सं० 872—यतः मुझे, बि० वि० सुब्बाराव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख  
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
 रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 27-23-274 है, तथा जो विजयवाड़ा में  
 स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
 वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में  
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
 26-6-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
 तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
 सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
 अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा:—

1. (1) जि० रामाराव  
 (2) टि० रामाकृष्णी  
 (3) टि० कनकादुर्ग  
 (4) टि० निरमल नरसारावपेटा (अन्तरक)
2. श्रीमती सी० एच० श्रीरंगनाथकमा विजयवाड़ा
3. (1) कक्षी देव वरकस  
 (2) एम० वेंकटेश्वर्लु  
 (3) के० श्रीरामामूर्ती  
 विजयवाड़ा । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
 गया है ।

### अनुसूची

विजयवाड़ा, रजिस्ट्री अधिकारी से पांक्षिक अंत 30-6-78  
 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2930/78 में निगमित अनुसूची  
 सम्पत्ति ।

बि० वि० सुब्बाराव  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 30-1-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 30 जनवरी 1979

मं० 873—यतः मुझे, वि० वि० सुब्बाराव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी मं० 27-37-21 है तथा जो विजयवाड़ा में  
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
24-6-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(ग) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(घ) ऐसे किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) जि० रामाराव  
(2) टि० रामा लक्ष्मी  
(3) टि० कनकादुर्ग  
(4) टि० निरमला नरसारावपेटा (अन्तरक)

2. श्री मल्लवोलू वेंकटासत्यरंगनाथ  
विजयवाड़ा। (अन्तरिती)

3. (1) पि० वि० एम० आनजनेयालू  
(2) विगनेस्वरराव  
(3) जि० वि० कृष्णराव  
(4) महमद उमरखान,  
(5) महमद याकूब खान  
विजयवाड़ा।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना तारी करके उक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा, रजिस्ट्री अधिकारी से पौक्षिक अंत 30-6-78  
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2922/78 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

वि० वि० सुब्बाराव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 30-1-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 जनवरी 1979

निदेश सं० 50/जुलाई/78—यतः मुझे, श्री० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 26ए, है जो कनकरस्ट्रीट, सेलम-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर० श्री-I, सेलम (डाक० सं० 2411/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-7-1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री के० रामसुब्रमण्य मूदलीयार (अन्तरक)

2. श्री एस० पी० मूलुरामन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचा

भूमि और घर, 26ए, कनकर स्ट्रीट, सेलम-1 में।

श्री० आनन्दराम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 19-1-1979  
मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमती विजयलक्ष्मी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री बालकृष्णन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 जनवरी 1979

निदेश सं० 40/अन/78—यतः मुझे श्री० आनन्दराम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट 43 एण्ड 44 है, जो वीरुवल्लूर टी० पी० स्कीम, स्पेन्सरस कॉम्प्लून्ड, डिन्डूगल में स्थित है (और इसमें उदावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नागलनायकन पट्टी (डाक० सं० 872/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-6-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहां अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि और घर, प्लॉट सं० 43 एण्ड 44, वीरुवल्लूर टी० पी० स्कीम, स्पेन्सरस कॉम्प्लून्ड, डिन्डूगल।

श्री० आनन्दराम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 19-1-1979

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 जनवरी 1979

निर्देश सं० 106/जून/78—यन: मुझे श्री० आनन्दराम प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 15 है जो वेस्ट मासी स्ट्रीट, मद्रुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जवाँइट एम०आर० ओ०आई० मद्रुरै (डाक० सं० 2065/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-6-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकर के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकर से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकर का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकर निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तु:—

1. श्रीमती पील्चै अम्माल और दो

(अन्तरक)

2. श्री कृष्णमामी जेट्टियार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर (लाजिंग हबूम) सं० 15 वेस्ट मासी स्ट्रीट मद्रुरै में।

श्री० आनन्दराम

सक्षम प्राधिकारी,

महायुक्त प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 19-1-1979

मोहर :

प्ररूप धार्ई० टी० एन० एस०—

1. श्री अलबूनधेरख

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

2. श्रीमती कमला मनोरहरन

(अन्तरिती)

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन रेंज-1, मद्रास

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :-

मद्रास, दिनांक 19 जनवरी 1979

निर्देश सं० 75/जून/78—यतः मुझे श्री० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० 18 है जो वीक्टोरिया क्रुसेंट रोड, मद्रास-8 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० श्री० पेरीयमेट (डाक० सं० 631/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-6-78 पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्ष प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से रुपित नहीं किया गया है:—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के धार्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस धार्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कम करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

अनुसूची

प्लॉट सं० 18 वीक्टोरिया क्रुसेंट रोड यगमूर मद्रास-8।

श्री० आनन्दराम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास।

तारीख: 19-1-1979

मोहर:

प्रकृप माई टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

[कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)]

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास दिनांक 20 जनवरी 1979

निदेश सं० 46/जून/78:—यतः मुझे श्री० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नया 3 है जो पेरीय उतांडी स्ट्रीट मद्रास-I में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सौकारपेट (डाक सं० सं० 251/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-6-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कायित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या सम्पत्ति आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नारायणसामी और तीन

(अन्तरक)

(2) 2. श्री लीगय्या नायडू

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर नया डोर सं० 3 पेरीय उतांडी स्ट्रीट  
जीयजी टनून मद्रास-1 में।

श्री० आनन्दराम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज मद्रास

तारीख 20-1-1979  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जनवरी 1979

निर्देश सं० 49/जून/78:—यतः मुझे श्री० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो कस्तूरीपट्टी गांव संकरी तालूका में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय संकरी (डाक्यूमेंट सं० 440/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

10—486GI/78

1. श्री पी० नल्लमूतु और अदरम।

(अन्तरक)

2. श्री के० पत्तनीयप्पन और अदरम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

13.55 एकड़म एग्रीकल्चरल भूमि कस्तूरीपट्टी गांव संकरी तालूका में।

श्री० आनन्दराम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास।

तारीख : 20-1-79

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्ज रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जनवरी 1979

निर्देश सं० 79/जून/78—मतः, मुझे श्री० आनन्दराम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० काली भूमि है, जो क्रास स्ट्रील वेस्ट सेनाय नगर, मद्रास-30 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पेरीयमेट (आक सं० 674/78 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए खय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मादि:—

(1) श्री वरदप्पानायडू और आन्डाल (अन्तरक)

(2) श्री जायजी तोप्पील (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्या:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

काली भूमि और घर IV क्रास स्ट्रील, वेस्ट सेनाय नगर, मद्रास-30 में।

श्री० आनन्दराम  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्ज रेंज-1, मद्रास

तारीख : 20-1-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री रायफा (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्री डी० पट्टसामी (अन्तरिती)

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जनवरी 1979

निर्देश सं० 121/जून/78—यतः, मुझे ओ० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० रायफा एस्टेट है, जो अस्तीयंदल गाँव तिरुवन्नामलै में स्थित है (और इससे उबावद्ध और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० II, मद्रास (डाक सं० 657/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-6-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन सिग्नेचरलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और बंगला, रायफा एस्टेट, अस्तीयंदल गाँव, तिरुवन्नामलै में।

ओ० आनन्दराम  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 20-1-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जनवरी 1979

निदेश सं० 92/जून/78—यतः, मुझे, श्री० आनन्दराम,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 163 है, जो सवृत मामी स्ट्रीट, मद्रुरै में स्थित है  
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्री-कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, डी० आर०, मद्रुरै (डाक सं०  
1866/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16 के अधीन तारीख 13-6-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिती)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आयकर  
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर  
देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे  
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य वास्तवियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती अलगम्मै आच्छी (अन्तरक)

(2) श्री वासुदेवन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

सपष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

#### अनुसूची

भूमि और घर, सं० 163, सवृत मामी स्ट्रीट, मद्रुरै में।

श्री० आनन्दराम,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 20-1-79

मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 25 जनवरी 1979

निर्देश सं० 4709—यन, मुले, टी० बी० जी० कृष्णमूर्ति  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, गढ़ विश्वास करने का कारण है  
कि स्यावर सम्पत्ति, त्रिमका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० एम० एफ० सं० 34 है, जो तोंघुट्टीपालयम,  
पल्लठम तालुका में स्थित है (और इसमें उजाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
तिरुपुर (डाकुमेंट सं० 891/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
को पूर्वांकन सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चद्व प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तब पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी धाव की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्तर-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री राम बालसुब्रमनीयम (अन्तरक)

(2) श्री चिन्नस्वामी चोडर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकन सम्पत्ति के प्रजन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के पञ्चम्य में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

अग्नीकलचुरल भूमि एस० एफ० सं० 34, तोंघुट्टीपालयम,  
पल्लठम तालुका (डाकुमेंट सं० 891/78)

टी० बी० जी० कृष्णमूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रंज-I, मद्रास

तारीख 25-1-79  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 25 जनवरी 1970

निदेश सं० 4752—यतः, मुझे, टी० बी० जी० कृष्णमूर्ति, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एन० सं० 10/1052, 10/1053 (पारट) एम० एफ० 600, है जो बालसुन्दरम चेट्टियार रोड, पी० एन० पालयम, कोयम्बटूर में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं० 1771/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

(1) श्रीमती डी० अनुरादा (अन्तरक)

(2) श्री डी० दनडपानी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण टी० एन० सं० 10/1052, 10/1053 (पारट) बालसुन्दरम चेट्टियार रोड पी० एन० पालयम कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं० 1771/78)

टी० बी० जी० कृष्णमूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख 25 जनवरी 1979  
मोहर :

प्रकरण भाई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 25 जनवरी 1979

निर्देश सं० 4754—यतः, मुझे, टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० 380, 381, राजा स्ट्रीट है, जो कोयम्बटूर  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं०  
1616/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 16 तारीख

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तविक उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी वन या अन्य वास्तविकों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) के० राम बेबी अम्माल (अन्तरक)

(2) श्री के० टी० अन्तोनी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्तावरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 380 और 381, राजा स्ट्रीट कोयम्बटूर  
(डाकूमेंट सं० 1616/78)

टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, मद्रास

तारीख : 25-1-1979

मोहर :

प्रकाश प्रार्थी० श्री० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 जनवरी 1979

निर्देश सं० 54/जून/1978—यतः, मुझे, श्री० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० 24 है, जो नार्तचीनै स्ट्रीट, मदुरै में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एम० आर० ओ०, पुदुमोडम (डाक सं० 939/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-6-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती वल्लीवम्माल और अदरम (अन्तरक)

(2) श्री रामकृष्णन और अदरम (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि और घर, 1/3 शेर, 24, नार्त चीनै स्ट्रीट, मदुरै में ।

श्री० आनन्दराम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 29-1-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 जनवरी 1979

निर्देश सं० 118 और 119/ जून/78—यनः, मुझे ओ०  
आनन्दराम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एम० 20/1, 2, 3, 4 और 20/18 है,  
जो आरपालयम, मदुरै में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्न अधिकारी के कार्यालय  
जे० एस० आर० ओ०/मदुरै (आक सं० 527 और 528/78)  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन जून 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किन्ही आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों के अर्थातः—

11—486GI/78

(1) श्री एम० एम० राजा दोरैसामी और अररस  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती के० सीनीथम्माल और अररस (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

74 सेन्टल भूमि, आरपालयम, मदुरै में। (आर० एम०  
सं० 20/1, 20/2, 20/3, 20/4, 20/18)।

ओ० आनन्दराम  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 29-1-79

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

(1) श्री कृष्णमामी मूदलीयार (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती बागगीयम (अन्तरिनी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन रेंज-I, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रयः—

मद्रास, दिनांक 30 जनवरी 1979

निर्देश सं० 64/जून/1978—यतः, मुझे श्री० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 5 है, जो बै पाम रोड) वेलूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डि० आर० वेलूर (डाक सं० 2027/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर, सं० 5, बै पाम रोड, वेलूर में।

श्री० आनन्दराम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक 30 जनवरी 1979  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 जनवरी 1979

निर्देश सं० 42/जून/1978—यसः, मुझे, श्री० आनन्दराम  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 2-1/5 है, जो लक्ष्मीपुरम ऊटनी, वीलकरै स्ट्रीट  
रामनादपुरम में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
एम्० आर० ओ० वेन्नीपट्टनम (डाक सं० 841/78) में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
9-6-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भग्न्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यसः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्त-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री टी० चीदम्बरम चेटीयार (अन्तरक)

(2) श्री के० बालसूब्रह्मणीयम चेटीयार और अवरम  
(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन 5 नवम्बर में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामिल में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अध्याहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं  
उनी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर (रैंग मील), सं० 2-1/5, लक्ष्मीपुरम  
ऊटनी, वीलकरै स्ट्रीट, रामनादपुरम में।

श्री० आनन्दराम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 30-1-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II

मद्रास, दिनांक 27 जनवरी 1979

निर्देश सं० 4777—यस: मुझे टी० वी० जी० कुलमूर्ति आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एम० एफ सं० 498 (सैट सं० 35, 8, 12, 15, 38 और 42) है जो वेलनकुरीली ग्राम कोयमबटूर टालुका में स्थित है (और इससे उद्भावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधीपुरम कोयमबटूर (ठाकूमंड सं० 1363/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

यस: धब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में; ने, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रार्थना :—

(1) सर्वश्री जे० वनजाकपी जे० सततकुमार और जे० बालधागल (अन्तरक)

(2) पी० रामस्वामी के० एम० वी० सुब्रमनीयम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि अट वेलनकुरीली ग्राम (एस एफ० सं० 498) (सपीड सं० 3, 5, 8, 12, 15, 38 और 42) कोयमबटूर टालुका (ठाकूमंड सं० 1363/78)

टी० वी० जी० कुलमूर्ति  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख 27-1-79  
मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II

मद्रास, दिनांक 31 जनवरी 1979

निर्देश सं० 8264—यतः मुझे टी० बी० जी० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिनकी सं० एम० सं० 254/2 254/5 254/7 आलमपाखम ग्राम है जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्त्ता प्राधिकारी के कार्यालय आलमदूर मद्रास (ठाकूमंड सं० 631/78 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री रा० बी० रामकृष्ण रेड्डी (अन्तरक)
- (2) रायपुरम डिविजनल रेलवे स्टाफ कोआपरेटिव बिलडन सोसैटी (अन्तरिती)
- (4) श्री ए० बी० बालकृष्णन (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

**व्याख्याकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अग्रीकलबुरल भूमि—एम० सं० 254/2 254/5 और 254/7 आलमपाखम ग्राम मद्रास (ठाकूमंड सं० 631/78)

टी० बी० जी० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख 20-1-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री अबदुल रहमान (अन्तरक)

(2) श्री आर० समबनदन (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास दिनांक 31 जनवरी 1979

निर्देश सं० 8225---यत. मुझे टी० बी० जी० कृष्णमूर्ति  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 21 पेट्टे मानयकार चेट्टी स्ट्रीट है जो कुम्बकोनम में  
स्थित है (और इसमें उदाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कुम्बकोनम (डाकूमेंट  
सं० 855/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
वर्षापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थी:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर 21 पेट्टे मानयकार चेट्टी स्ट्रीट कुम्बकोनम  
(डाकूमेंट सं० 855/78)

टी० बी० जी० कृष्णमूर्ति  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 31-1-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास दिनांक 30 जनवरी 1979

निर्देश सं० 824 0 दिनांक यन: मुंबे टी० बी० जी०  
कृष्णामूर्ति,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० 4 है जो राखेट कोर्ट लेन ट्रिचिरापल्ली-1  
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डिच्ची (डाकूमंड सं०  
2553/78 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या भग्न भास्तिनों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाता था/हिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एन० एम० ए० मोहम्मद हनीफा (वरमकान)  
आर० चेल्लपल्लट (अन्तरक)

(2) श्री एम चेल्लमन्नु मौन्वरम मुत्तैया तिरिपरमुन्दरी  
राजघापालन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निरमान सं० 1 राखेट कोर्ट लेन ट्रिचिरापल्ली-1  
(डाकूमंड 2553/78)।

टी० बी० जी० कृष्णामूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख : 30-1-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्रीमती राजेस्वरी अम्माल (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) मैसर्स वनिग व्यामया इसपूर्वमेंड मोसाईटी (अन्तरिती)

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

अर्जन रेंज-II मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

मद्रास, दिनांक 30 जनवरी 1979

निर्देश सं० 6488—यतः मुझे टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 10 (नया सं० 18) है जो मिल्लरस रोड मद्रास 10 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) (रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पुरसवाक्कम मद्रास (डाकूमेंट सं० 659/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर 10 (नया सं० 18) मिल्लरस रोड मद्रास 10, (डाकूमेंट सं० 659/78)।

टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख : 30-1-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

(1) श्री आर० नरसिमहम् आर० जयशङ्कर (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

(2) श्री के० एन० मुलैया (अन्तर्गती)

भारत सरकार

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 जनवरी 1979

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

निर्देश सं० 6335—यन०, मुझे, टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० 52, है, जो तालांगन पेरुमाल कोयिल स्ट्रीट  
मद्रास-5 में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ट्रिपलिकेन,  
मद्रास (डाकुमेंट सं० 383/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) को

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम  
निर्दिष्ट में किए जा सकेंगे।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

भूमि और घर-52, तालांगन पेरुमाल कोयिल स्ट्रीट,  
मद्रास-5 (डाकुमेंट सं० 383/78)

टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रांत :—

तारीख : 30-1-1979  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास-दिनांक 30 जनवरी 1979

निर्देश सं० 6371—यन०, मुझे, टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 14 (नया सं० 5) है, जो पैकाफटन घाटन रोड, मद्रास-6 में स्थित है (और इसके उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, मद्रास-6 (डाकुमेंट सं० 612/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन) को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का उचित प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वस्तुओं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती के० पलट कालायानी अम्माल (अन्तरक)

(2) सर्वश्री विष्णु टेव और जी० श्रीराम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्रोप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर सं० 14 (नया सं० 5) पैकाफटन घाटन रोड, मद्रास-6 (डाकुमेंट सं० 612/78)

टी० वी० जी० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II

तारीख : 30-1-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II

मद्रास, दिनांक 30 जनवरी 1979

निर्देश सं० 6215—यनः, मुझे, टी० बी० जी० कृष्णमूर्ति  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं० 3, है, जो जमबुलिनग नायकन स्ट्रीट मद्रास  
-34 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास सौत  
(डाकुमेंट सं० 505/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल  
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम बी० मुदन्म, एम० बी० विजयराकन  
एम० बी० श्री प्रकाश (अन्तरक)

(2) सर्वश्री टी० पी० एम० एल० अनामनी और  
टी० पी० एम० एल० मनोहरन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

इस पत्र के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

परामर्शः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्री और निर्माण 3, जमबुलिनग नायकन स्ट्रीट, मद्रास-34  
(डाकुमेंट सं० 505/78)।

टी० बी० जी० कृष्णमूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);  
अर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख 30-1-1979  
मोहरः

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 जनवरी 1979

निर्देश सं० 8292---यतः, मुझे, टी० बी० जी० कृष्णमूर्ति  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिनकी सं० 28, है, जो मारियम्मत कोयिल स्ट्रीट कोरैकुल  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कारैकुल (डाकुमेंट सं०  
443/78) में भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 16 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों  
को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
धस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धाय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1): श्रीमती अनन्तुवानेतु जोमर्फीन अनन्तुवान । (अन्तरक)

(2): श्रीमती हानिजा नार्दियाल । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि और घर 28, मारियम्मत कोयिल स्ट्रीट, कारैकुल  
(डाकुमेंट सं० 443/78) ।

टी० बी० जी० कृष्णमूर्ति  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख : 30-1-1979

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस्०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 जनवरी 1979

निर्देश सं० 6547—यतः, मुसं टी० बी० कृष्णमूर्ति आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिनकी सं० 3 है, जो वॉट बेटल स्ट्रीट ट्विची-8 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (डाकुमेंट सं० 677-78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सर्व श्री ई० ए० स्वामी, ई० ए० कन्नन श्री आर० मिवागमी (अन्तरक)

(2) सर्व श्री जे० बद्रीनारायणन और जे० रामनारायण (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—3 वॉट बेटल स्ट्रीट, ट्विची-8 (डाकुमेंट सं० 677/78)।

टी० बी० जी० कृष्णमूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख : 31-1-1969

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज नागपुर

नागपुर, दिनांक 31 जनवरी 1979

निदेश सं० आय० ए० सी०/एक्यु०/88/78-79—यतः  
मुझे एम० व्ही० आर० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी गट सं० 77 82 है तथा जो खंडाला खुर्द में  
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजि-  
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 15-6-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री नटवर नंदकिशोर नविरा, पिताबडी, नागपुर  
(अन्तरक)

2. एम० चित्तब्या पिता निकल्लया, खंडाला खुर्द, ता०  
रामटेक, जि० नागपुर, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि योग्य भूमि जिसका क्षेत्रफल 31.06 एकड़ तथा  
गट सं० 77 और 82 तथा, पी० सी० ए० 41, है। और जो  
मौजा खंडाला खुर्द, ता० रामटेक, जि० नागपुर में स्थित है।

एम० वि० आर प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख 31-1-1979  
मोहर :

प्रकाश भाई० टो० ए० एस०-----  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा  
 269-ब (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 31 जनवरी 1979

निर्देश सं० आर० ए० सी०/ग. क्यू०/87/78-79- यतः  
 मु०, एम० व्ही० आर० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
 स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
 से अधिक है

और जिसकी सं० गट संख्या 50 ए, 50 बी, 50 सी और  
 50 डी है, तथा जो मीजा खंडाला खुर्द में स्थित है (और इसमें  
 उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
 अधिकारी के कार्यालय नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-6-1978 को  
 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
 पन्नाह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
 गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
 वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
 में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
 में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
 के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कु० वसन्तीबा चिनया सबनेनी, मु० खंडाला खुर्द,  
 ता० रामटेक, जि० नागपुर, (अन्तरक)

2. श्री नटवर नंदकिशोर नर्बांग, मिनबर्डी, नागपुर,  
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
 लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, बखोहस्ताक्षरी के पाग  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-  
 भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
 में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि योग्य भूमि जिसका गट नं० 50 ए, 50 बी, 50 सी  
 और 50 डी है तथा क्षेत्रफल 26.84 एकड़ है। पी० सी० नं०  
 41 है, और जो मीजा खंडाला खुर्द ता० रामटेक तथा जि० नागपुर  
 में स्थित है।

स० वि० आर० प्रसाद,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, नागपुर

तारीख 31-1-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 15 जनवरी 1979

निर्देश सं० III-300/अर्जन/78-79—अतः मुझे  
ज्योतीन्द्र नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० डी० नं० 3432 है हो होलडिंग नं० 60/59 है तथा जो सर्किल नम्बर 15 वार्ड नम्बर 16 पटना म्यूनिसिपल कार्पोरेशन सबजीबाग थाना पीरवहौर पटना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-6-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती वीवी रनिया खालुन पत्नी स्वर्गीय मिस्टर गणेशन नारीण पुत्रजीणन गौर पटना (प्रिजय बैंक के तजदीक) के निवामी (अन्तरक)

(2) श्रीमती वीवी सवनम अग पत्नी श्री बुलन्द अखतर दरीयापुर पटना (अन्तरिती)

(3) पूरा मकान हमदर्द दवाखाना के कर्म चारी के दखल में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में तथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान जिसका रकबा 3 1/2 कट्टा जमीन जो होलडिंग नम्बर 60/59 सर्किल नम्बर 15 वार्ड नं० 16 जो मोहल्ला सबजीबाग थाना पीरव और जिला पटना तथा पटना म्यूनिसिपल कारपोरेशन के अन्तर्गत है जो पूर्णरूप से दस्तावेज संख्या 3432 दिनांक 4-6-78 में वर्णित है और जो जिला अवर निबन्धन पदाधिकारी पटना के द्वारा पंजीकृत है।

ज्योतीन्द्र नाथ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, पटना बिहार

तारीख : 22-1-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ख(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 29 जनवरी 1979

निर्देश सं० 111-303/अर्ज /68-79—अतः मुझे ज्योतीन्द्र नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मु० होल्डिंग नं० 114, खेसरा दं० 18157 एवं 18160 तथा वार्ड नं० 18 (पुराना) एवं 16 (नया) है तथा जो मोहल्ला मखदुम गंज, किला घाट दरभंगा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

13-486 GI/78

(1) श्रीमती सीता देवी गौजे श्री वैद्यनाथ प्र० अप्पल ना० ममरफ बाजार मखदुम गंज किलाघाट जिला दरभंगा

(अन्तरक)

(2) श्री ग्राम मुन्दर पंसारी, गुरुवांनम प्र० पंसारी वन्द स्व० धन्वी लाल पंसारी, श्री राज कुमार पंसारी वन्द श्रीकारमल पंसारी और श्रीमति ज्योति देवी गौजे, श्री मोहनलाल पंसारी सा० घोवरडीहा जिला मधुबनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पत्राक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्न एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रकबा 5 कट्ठा 16 धूर मय एक मंजिला पोखता मकान बगैरह है, जो मोहल्ला मखदुमगंज किला घाट जिला दरभंगा में स्थित है, जिसका होल्डिंग नं० 114, खेसरा नं० 18157 एवं 18160 तथा वार्ड नं० 18 (पुराना) एवं 16 (नया) है। जिसका पूर्ण विवरण दस्तावेज सं० 10753 दिनांक 3-6-1978 में वर्णित है, इसका निबन्धन जिला अवरो निबन्धक दरभंगा में हुआ है।

ज्योतीन्द्र नाथ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना

दिनांक : 29 जनवरी 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 29 जनवरी 1979

निर्देश सं० III-302/अर्जन/78-79—अतः मुझे जे०

नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी

चाम सं० 30, खाता नम्बर 177, 88, 69 प्लॉट-नम्बर 7241, 7242, 7243, 7244, 7238, 7239, 7240, 7236, 7246, है तथा जो चाम धनबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय धनबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8-6-78 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करते या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त:—

(1) (i) श्री बट्टी प्रसाद अग्रवाला पुत्र श्री महादेव प्रसाद अग्रवाला

(ii) विश्वनाथ अग्रवाला पुत्र श्री बनारसी लाल अग्रवाला चाम जिला धनबाद (अन्तरक)

(2) श्री विनोद कुमार अग्रवाल (नाबालिग) पुत्र राम लाल अग्रवाल रीप्रेजेन्टेटिव गारजीयन मदर श्रीमती सरला देवी अरीया जिला धनबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन का रकबा 54 3/4 बीघमल जिसका खाता नम्बर 177, 88, 69 प्लॉट नम्बर 7241, 7242, 7243, 7244, 7238, 7239, 7240, 7236, 7246 जो चाम नम्बर 30 जिला धनबाद के अन्तर्गत है जो पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 4078 दिनांक 8-6-78 में वर्णित है और जो जिला निबंधन पदाधिकारी धनबाद के द्वारा पंजीकृत है।

ज्योतीन्द्र नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख : 29-1-1979

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 29 जनवरी 1979

निर्देश सं० III-301/अर्जन /78-79—अतः मुझे जे० नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मौजा चाम सं० 30 है, खात नम्बर 177 88, 69, प्लॉट नम्बर 7241, 7242, 4273, 7244, 7239, 7240 7236, 7246 है तथा जो चाम धनबाद में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय धनबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 6) के अधीन तारीख 8-6-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री (1) बद्रीप्रसाद अग्रवाल पुत्र महादेव प्रसाद अग्रवाल

(2) विश्वनाथ अग्रवाल पुत्र बनारसी अग्रवाल चाम जिला धनबाद (अन्तरक)

2. राजेश कुमार अग्रवाल (नावालिंक) पुत्र रंज अग्रवाल रोप्रजेटीम गार्जियन पठरर राज कुमारी देवी जरीपा जिना धनबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

संशुद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंक्तियों का, जो उक्त अधिनियम के ध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 54 3/4 डीसमल जिसका खाता 177, 88,69, प्लॉट नम्बर 7241, 7242, 7243, 7244, 7238, 7239, 6250, 7236, 7246 जो चाम नम्बर 30 जिला धनबाद के अन्तर्गत है जो पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 4077 दिनांक 8-6-68 में वर्णित है और जो जिला अवर निबन्धन पदाधिकारी धनबाद के द्वारा पंजीकृत है।

ज्योतीन्द्र नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 29-1-1979  
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र बिहार, पटना

पटना, दिनांक 1 फरवरी 1979

निर्देश सं० III-304 अर्जन/78-79—यतः मुझे,  
ज्योतीन्द्र नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख  
के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 173 है, तथा जो बून्दावनपुर जिला  
धनबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
धनबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 20-6-1978 का

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए ;

मन. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बिहार कोक ओवन, मुगमा अपने पार्टनरों  
द्वारा प्रतिनिधि (Represented by its partners)  
प्रदीप कुमार तिवारी कुमारबुद्धी थाना चीरकुण्डा जिला धनबाद  
(अन्तरक)

(2) (i) श्री जगदीश प्रसाद अग्रवाल पुत्र बनबारी अग्रवाल  
(ii) गोविन्दर कुमार, (iii) एम० सी० अग्रवाल (iv) ललिता  
देवी (v) सुवाम चन्द्र अग्रवाल चीरकुण्डा जिला धनबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करखाना चार चीमनी, कसर हौलेज इत्यादि के साथ प्लॉट  
नम्बर 173 मांजा बून्दावन पुर जिला धनबाद के अन्तर्गत है  
जो पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 4475 दिनांक 20-6-78  
में वर्णित है और जो जिला अवर निबन्धन पदाधिकारी धनबाद  
के द्वारा पंजीकृत है।

ज्योतीन्द्र नाथ  
मक्षम प्राधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख : 1-2-1979  
मोहर :



## प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, मोनीपत रोड रोहतक  
रोहतक, दिनांक 20 जनवरी 1979

निर्देश सं० के० टी० एल०/2/78-79—यतः मुझे रवीन्द्र, कुमार पटानिया, निरीक्षक सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जिसका रकबा 89 कनाल 6 सरले है तथा जो पट्टी गद्दर, कैथल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैथल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री विजय कुमार पुत्र श्री हरि किशन विसवेदार पट्टी गद्दर, कैथल (अन्तरक)

2. (1) श्री हुकम चन्द पुत्र श्री जवाला दास मार्फत हुकम चन्द दीपक कुमार, नई मंडी, कैथल

(2) श्री सुरिन्द्र सिंह पुत्र राव नरसिंह दास, जमींदार कैथल

(3) मलिक रोशन लाल पुत्र श्री गणेश दास जमींदार पुरानी सञ्जी मंडी, कैथल

(4) श्री ओउम प्रकाश तिवाड़ी, वकील, कैथल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वित्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि जिसका रकबा 80 कनाल 6 सरले खेवट नं० 162/310, पट्टी, गद्दर कैथल (सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता कैथल के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 875 मास जून, 1978 पर अंकित है।

रवीन्द्र कुमार पटानिया,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, रोहतक

तारीख : 20-1-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 20 जनवरी 1979

निर्देश सं० के० टी० एल० 2/1/78-79—अतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया, निरीक्षक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि जिसका रकबा 80 कनाल 6 मरले है तथा जो पट्टी गढ़र, कैथल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय, में कैथल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून 1978 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम; के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना :—

1. श्री विजय कुमार पुत्र श्री हरि किशन विसवेदार पट्टी गढ़र, कैथल (अन्तरक)

2. (1) श्री हुकम चन्द पुत्र श्री जवाला दास मार्फत हुकम चन्द दीपक कुमार, नई मंडी, कैथल

(2) श्री मुरिन्द्र सिंह पुत्र राव नरसिंह दास, कैथल

(3) मलिक रोशन लाल पुत्र श्री गणेश दास थतमीदार पुरानी मन्जी मंडी, कैथल

(4) श्री ओउम प्रकाश तिवाड़ी, वकील कैथल (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जिसका रकबा 80 कनाल 6 मरले, खेवट सं० 161-304 पट्टी गढ़र कैथल

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय कैथल के रजिस्ट्री क्रमांक 874, जून 1978 पर दर्ज है।

रवीन्द्र कुमार पठानिया,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 20 जनवरी 1979

मोहर :

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 17th January 1979

No. A. 12025/1/77-Admn. II.—The Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints Shri Zafar Hoshi Shaikh a Meteorologist II of the Meteorological Office, Lodhi Road, New Delhi to the post of Senior Programmer in the office of Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 15th January, 1979, until further orders.

No. A. 12025/4/78-Admn. II.—The Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints Shri J. P. Agarwal to the post of Programmer in the office of Union Public Service Commission in a temporary capacity with effect from the afternoon of 16-1-1979 until further orders.

S. BALACHANDRAN  
Under Secy.

for Chairman  
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 23rd January 1979

No. A. 32014/1/79-Admn. III (I).—The president is pleased to appoint the following permanent Assistants of the C. S. S. cadre of Union Public Service Commission to officiate as Section Officer, on adhoc basis, for the periods indicated against each or until further orders, whichever is earlier:—

S. No.	Name	Period for which promoted as Section Officer	Remark
1.	Shri B. L. Sharma	for a period from 10.1.79 to 28-2-79	—
2.	Shri N. M. L. Bhat-nagar	for a further period from 1-1-79 to 2-2-79	—
3.	Shri K. P. Iyer	for a period from 1-1-79 to 16-2-79	—

S. BALACHANDRAN  
Under Secy.

Incharge of Administration  
Union Public Service Commission

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

## DEPTT. OF PERSONNEL &amp; ADMINISTRATIVE REFORM

## CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

## CENTRAL FORENSIC SCIENCE LABORATORY

New Delhi-110022, the 7th February 1979

No. 1-20/72-CFSL/887.—Consequent on his appointment as Senior Research Officer, Planning Commission, New Delhi, Shri P. K. Biswas has been relieved of the office of Jr. Scientific Officer (Biology), Central Forensic Science Laboratory, C.B.I., New Delhi on the afternoon of 17th January, 1979.

The 8th February 1979

No. P/28/65-Ad. II.—On attaining the age of superannuation Shri P. D. Bhatia, Senior P.A. (Stenographer Grade 'B') has retired from service w.e.f. 31-1-1979 (A.N.).

No. PF/K-120/73-Ad. I.—Shri K. C. Mukherjee, SI an officer of West Bengal State Police on deputation to CBI as Inspector of Police, has been relieved of his duties in the CBI GOW Calcutta Branch on the afternoon of 3-1-1979 on repatriation to the West Bengal State Police.

JARNAIL SINGH  
Administrative Officer (F)  
CBI

## DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi, the 7th February 1979

No. O. II-563/69-Estt.—The President is pleased to appoint on promotion on *ad hoc* basis Shri Bhajan Singh

as Assistant Commandant in the CRPF in a temporary capacity until further orders.

2. Shri Bhajan Singh handed over charge of the post of Dy. S.P./Coy. Commander 25th Bn. CRPF on the afternoon of 9th January, 1979 and took over charge of the post of Assistant Commandant 34th Bn., CRPF on the forenoon of 12th January, 1979.

The 9th February 1979

No. O. I-10/75-Estt.—Consequent on his repatriation to his parent state of Karnataka, Shri H. Veerabhadraiah, IPS relinquished charge of the post of IGP Sector-I, CRPF Hyderabad on the afternoon of 27th January, 1979.

A. K. BANDYOPADHYAY  
Assistant Director (Admn)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-19, the 9th February 1979

No. E-17017/5/74-Pers.—Shri O. P. Sharma, Fire Chief, HFC Barauni, will cease to hold the ex-officio appointment of Asstt. Commandant, Central Industrial Security Force, with immediate effect.

No. E-38013(3)/2/78-Pers.—On transfer from New Delhi, Shri Sheoraj Singh Assumed the charge of the post of Asstt. Comdt., CISF Unit, Calcutta Port Trust, on 18th Jan, 1979 *vice* Shri N. L. Gupta, A. C., who relinquished the charge of the said post with effect from the same date.

No. E-38013(3)/78-Pers (Vol III).—On transfer to Haldia Shri Z. S. Sagar, relinquished the charge of the post of Asstt. Commandant, CISF Unit, BCCL Jharia w.e.f. the afternoon of 20th Jan. 1979.

No. E-38013(3)/1/78-Pers (Vol-III).—On transfer from Jharia Shri Z. S. Sagar assumed the charge of the post of Asstt. Commandant, CISF Unit, IOC Haldia w.e.f. the afternoon of 24th Jan. 1979 *vice* Shri R. K. Dixit, Asstt. Commandant, who relinquished the charge of the said post w.e.f. the same date.

NARENDRA PRASAD  
Asstt. Inspector General (Pers)  
CISF HQrs.

## INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-II  
MADHYA PRADESH

Gwalior, the 6th February 1979

No. OF XI-PF-TNC/348.—Shri Tribhuvan Nath Chaturvedi a permanent Accounts Officer (Permanent No. 01/0065) in the office of the Accountant General-II, Madhya Pradesh, Gwalior retired from Government service, on attaining the age of superannuation with effect from 31st January, 1979 (A.N.).

P. S. BHAGAR  
Senior Deputy Accountant General/Admn.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (II)  
WEST BENGAL

Calcutta-700001, the 21st December 1978

I

No. L.A./74.—The Accountant General (II), West Bengal, is pleased to appoint Shri Dwarika Nath Paul, a Permanent Section Officer of Local Audit Department, of this office, to officiate as an Assistant Examiner of Local Accounts, West Bengal, in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200/- in the same office with effect from the forenoon of the 21st December, 1978, until further orders.

II

The conditions precedent to the grant of proforma promotion under 'Next below Rule' below P.R. 31(1) having been fulfilled Shri Chitta Ranjan Gupta Sarma, a permanent Section Officer of Local Audit Department of this office, now on deputation with the Govt. of West Bengal in the Education

Department has also been granted proforma promotion as an officiating Assistant Examiner of Local Accounts, West Bengal, in the scale of Rs. 810—40—1000—EB—40—1200/- in his parent office with effect from the same date, i.e. 21st December, 1978 until further orders.

(Sd.) ILLEGIBLE  
Examiner of Local Accounts,  
West Bengal

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF  
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 7th February 1979

No. 6870/AN-II.—On attaining the age of 58 years, Shri N. V. C. Sekariah, Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona will be transferred to the Pension Establishment and struck off strength of the Defence Accounts Department with effect from 31-8-79 (AN).

The 8th February, 1979

No. 29015(2)/78-AN-II:—The president is pleased to appoint the following officers of the Indian Defence Accounts Service to officiate in the Senior Time Scale of that Service (Rs. 1100-50-1600) With effect from the dates shown against them until further orders:

Sl. No.	Name of the Officer	Date from which appointed
1.	Shri Guru Prasad Mohanty	16-1-79 (FN)
2.	Shri Rajesh Kumar Singhal.	5-12-1978 (FN)

R. L. BAKSHI  
Add. Controller General of Defence (AN)

New Delhi-110022, the 9th February 1979

No. 40011(1)/77/AN-A1—The Controller General of Defence Accounts hereby appoints the under mentioned Permanent Section Officers (Accounts) as Accounts Officers in an Officiating Capacity with effect from the date noted against each until further order

Sl. No.	Name	Organisation	Date
	S/Shri	Controller of Defence Accounts	
1.	Manohar Lal Verma	Central Command, Meerut	1-3-78
2.	Ram Chand Malhotra	Other Ranks, North, Meerut	4-3-78
3.	J. P. Kaushik	Central Command, Meerut	7-3-78
4.	Ran Kumar Verma	Other Ranks, North Meerut	7-7-78
5.	K. Lakshminarayanan	Other Ranks, South Madras	1-3-78
6.	Surinder Nath Sharma	Northern Command, Jammu	1-3-78
7.	T. S. Krishnamurthy	Southern Command, Poona	1-3-78
8.	N. Krishnamurthy	Air Force, Dehra Dun	1-3-78
9.	N. N. Sankaran	Southern Command, Poona	1-3-78
10.	B. P. Bhattacharyya	Factories, Calcutta	1-3-78
11.	Roshan Lal Puri	Western Command, Meerut	1-3-78
12.	S. Bhattacharjee	Factories, Calcutta.	6-3-78
13.	Trilok Chand	Western Command, Meerut	1-3-78
14.	V. V. Chandorkar	Southern Command, Poona	1-3-78
15.	S. N. Phathak	Officers, Poona	1-3-78
16.	M. ChandraSekharan	Factories, Calcutta.	18-3-78
17.	Rajendra Singh	Western Command, Meerut	1-3-78
18.	Himrat Rai Kapur	Central Command, Meerut	1-3-78
19.	Satendr Kumar Mitra	Factories, Calcutta	14-3-78
20.	E. K. Godbole	Officers, Poona	1-3-78
21.	B. K. Dhawan	Other Ranks, North, Meerut	6-3-78
22.	K. Varadarajan	Navy, Bombay	1-3-78
23.	Y. R. Shelke	Other Ranks, South Madras	1-3-78
24.	Niaz Ahmed	Other Ranks, South Madras.	20-3-78
25.	D. Ramaswamy	Southern Command, Poona	15-3-78
26.	V. P. Gupta	Other Ranks, North Meerut	1-3-78
27.	G. Kalyanasundaram	Other Ranks, South Madras	1-3-78
28.	L. V. Varghese	Air Force, Dehra Dun	15-3-78
29.	Om Parkash Kapoor	Northern Command, Jammu	8-3-78
30.	V. Ramachandran	Other Ranks, South Madras	3-4-78
31.	Padam Sain	Air Force, Dehra Dun	1-3-78
32.	Pran Nath Sharma	Western Command, Meerut	1-3-78
33.	Satendra Lal Verma	Central Command, Meerut	1-3-78
34.	Inder Prakash Nadir	Other Ranks, North Meerut	1-3-78
35.	D. P. Deo	Factories, Calcutta	13-3-78
36.	K. M. K. S. Nambiar	Other Ranks, South Madras	1-3-78
37.	R. S. Singh	Pension, Allahabad	29-4-78
38.	Gopal Chand Vashist	Western Command, Meerut	1-3-78

No.	Name	Organisation	Date
S/Shri			
39.	Anand Wurdhan Oberoi	Central Command, Meerut	1-3-78
40.	Kalyan Kumar Banerjee	Factories, Calcutta	1-3-78
41.	A. S. Nagarajan	Other Ranks, South Madras	9-6-78
42.	B. K. Chatterjee	Factories, Calcutta	1-3-78
43.	Krishan Lal Bhandari	Central Command, Meerut	31-3-78
44.	T. V. Radhakrishnan	Other Ranks, North Meerut	3-4-78
45.	R. D. Bhatnagar	Central Command, Meerut	10-4-78
46.	Jagdishwar Mukherjee	Factories, Calcutta	1-4-78
47.	Gurcharan Singh	Pensions, Allahabad	6-4-78
48.	H. L. Kharbanda	Air Force, Dehra Dun	1-4-78
49.	V. S. Kulkarni	Southern Command, Poona	26-4-78
50.	R. K. Tewari	Patna, Patna	5-4-78
51.	T. Sundera Raman	Navy, Bombay	17-4-78
52.	Dasu Ram Gorawara	Pensions, Allahabad	3-4-78
53.	M. Vecraraghavulu	Other Ranks, North, Meerut	18-5-78
54.	Sham Lal Narang	Factories, Calcutta	9-4-78
55.	Ram Prakash	Pensions, Allahabad	28-4-78
56.	Sohan Ram	Northern Command, Jammu	4-4-78
57.	A. P. Hamchandran	Factories, Calcutta	9-4-78
58.	K. R. K. Naidu	Officers, Poona	5-4-78
59.	K. V. Mali	Navy, Bombay	3-4-78
60.	Mohan Chandra Bhatt	Patna, Patna	13-4-78
61.	Yog Raj Uberoi	Central Command, Meerut	1-4-78
62.	Raj Kumar Sud	Western Command, Meerut	1-4-78
63.	R. Krishnan	Factories, Calcutta	6-4-78
64.	S. Gopalan	Factories, Calcutta	1-4-78
65.	K. K. Sachdeva	Air Force, Dehra Dun	1-4-78
66.	K. Thygarajam	Southern Command, Poona	5-4-78
67.	R. B. Kulkarni	Officers, Poona	3-4-78
68.	Ranjit Singh	Northern Command, Jammu	3-5-78
69.	U. B. Khattar	Other Ranks, North, Meerut	23-5-78
70.	V. M. Pandav	Southern Command, Poona	4-5-78
71.	L. R. Rajamani	Air Force, Dehra Dun	19-5-78
72.	Nareesh Prasad Jain	Joint C. D. A. (Funds), Meerut	1-5-78
73.	P. K. Mohan Das	Navy, Bombay	1-5-78
74.	T. Kothandapani	Other ranks, South Madras	1-5-78
75.	A. Narayana Char	Southern Command, Poona	8-5-78
76.	Tek Chand Dawar	Northern Command, Jammu	29-5-78
77.	M. K. Wokhulu	Patna, Patna	10-7-78
78.	A. B. Choudhry	Factories, Calcutta	31-5-78
79.	Anoop Singh Verma	Factories, Calcutta	1-5-78
80.	V. K. Ramapriyan	Southern Command, Poona	1-5-78
81.	M. L. Dhingra	Air Force, Dehra Dun	24-5-78
82.	Daulat Ram Sethi	Western Command, Meerut	12-5-78
83.	Deu Sarup Sethi	Navy, Bombay	17-5-78
84.	R. S. Vohra	Western Command, Meerut	1-5-78
85.	K. A. Kumarswamy	Southern Command, Poona	1-5-78
86.	Om Kumar	Other Ranks, North, Meerut	1-6-78
87.	Shiv Nath Rai Sharma	Other Ranks, North, Meerut	28-10-78
88.	Raj Kumar Sharma	Other Ranks, North, Meerut	1-6-78
89.	R. Sankaranarayanan	Air Force, Dehra Dun	9-8-78
90.	R. Srinivasan	Southern Command, Poona	14-6-78
91.	Vishwanath	Pensions, Allahabad	30-6-78
92.	Raghubir Singh	Patna, Patna	7-6-78
93.	V. Parameshwaran Nair	Factories, Calcutta	28-6-78
94.	T. S. Narayanan	Factories, Calcutta	29-6-78
95.	V. N. Jayaraman	Officers, Poona	1-6-78
96.	A. K. Dutta	Patna, Patna	5-6-78
97.	Goverdhan Lal Bali	Western Command, Meerut	1-6-78
98.	K. Seshadri	Other Ranks, South, Madras	2-6-78
99.	N. R. Nimkar	Officers, Poona	5-6-78
100.	Sohan Lal Vig	Northern Command, Jammu	10-7-78
101.	K. Venkataraman	Navy, Bombay	1-7-78
102.	S. K. Das Gupta	Pensions, Allahabad	1-7-78
103.	Nawal Kishore Aggarwal	Central Command, Meerut	11-7-78

S. No.	Name	Organisation	Date
	S/Shri		
104.	Vishwanath Banerjee	Factories, Calcutta	3-7-78
105.	B. L. Rumde	Officers, Poona	26-8-78
106.	Kishan Lal Chhibber	Northern Command, Jammu	14-7-78
107.	R. Santhana Krishnan	Patna, Patna	12-7-78
108.	Ram Prakash Anand	Central Command, Meerut	13-7-78
109.	Balraj	Other Ranks, North, Meerut	1-7-78
110.	T. Vithal Rao	Other Ranks, South, Madras	3-7-78
111.	K. P. Kandurkar	Other Ranks South, Madras	13-7-78
112.	Gokul Chandra Das	Central Command, Meerut	1-7-78
113.	K. P. Nair	Navy, Bombay.	1-8-78
114.	Dharmendra Singh Garg.	Other Ranks, North, Meerut	1-8-78
115.	R. S. Kaushal	Central Command, Meerut	16-8-78
116.	Mohinder Singh	Other Ranks, North, Meerut	1-8-78
117.	Sohan Singh Nanda	Western Command, Meerut	1-8-78
118.	B. D. Nungia	Other Ranks, North, Meerut	11-9-78
119.	R. Janki Raman	South Command, Poona	1-8-78
120.	M. Rama Krishna	Other Ranks, South, Madras	10-8-78
121.	N. K. Chipal Katti	Southern Command, Poona	1-8-78
122.	T. G. Srinivasan	Factories, Calcutta	6-8-78
123.	R. L. Chhibber	Air Force, Dehra Dun	23-9-78
124.	Avinash Chand Khanna	Northern Command, Jammu	28-9-78
125.	A. Srinivasan	Officers, Poona	2-8-78
126.	M. G. Sathe	Southern Command, Poona	1-8-78
127.	Sukumar Ganguli	Other Ranks, North, Meerut	1-8-78
128.	T. Venkatachalapathi	Factories, Calcutta	1-8-78
129.	A. N. Grover	Training, Meerut	1-9-78
130.	Mohan Lal Angra	Air Force, Dehra Dun	9-10-78
131.	A. Gnana Desikan	Southern Command, Poona	6-9-78
132.	S. N. Shukla	Other Ranks, North, Meerut	
133.	R. P. Nungia	Central Command, Meerut	27-10-78
134.	M. Thandoni	Southern Command, Poona	15-9-78
135.	K. V. Krishnamurthy	Southern Command, Poona	18-9-78
136.	M. Ramamurthy	Other Ranks, South, Madras	11-9-78
137.	S. B. Das	Patna, Patna	1-9-78
138.	Dhaman Lal	Western Command, Meerut	28-10-78 (AN)
139.	K. L. Bhardwaj	Other Ranks, North, Meerut	1-9-78
140.	K. Roy	Air Force, Dehra Dun	1-9-78
141.	G. Ramakurthy	Officers, Poona	28-9-78
142.	Manohar Singh	Other Ranks, North, Meerut	28-10-78 (AN)
143.	Raizada Balkrishnan	Central Command, Meerut	30-10-78
144.	K. Gopalakrishnan	Air Force, Dehra Dun.	3-10-78
145.	V. S. Gupta	Factories, Calcutta	30-11-78
146.	D. C. Mukherjee	Patna, Patna	30-10-78
147.	M. Venkataraman	Patna, Patna	7-10-78
148.	P. N. S. Raghavan	Other Ranks, South, Madras	3-10-78
149.	A. S. Dosh Pande	Southern Command, Poona	3-10-78
150.	Sukhdyal Grover	Central Command, Meerut	9-11-78
151.	P. Venu Govind	Factories, Calcutta	1-10-78
152.	K. P. Verma	Air Force, Dehra Dun	1-12-78
153.	Hardev Singh	Pensions, Allahabad	6-12-78
154.	Mohan Lal Bahl	Jt DCA (Funds), Meerut	4-11-78
155.	Rajendra Lal	Pensions, Allahabad	1-12-78
156.	D. Krishnamurthy	Other Ranks, South, Madras	18-11-78
157.	Ajit Kumar Roy	Factories, Calcutta	1-11-78
158.	M. C. Sarbagga	Factories, Calcutta	1-11-78
159.	K. D. Sahey	Patna, Patna	1-11-78
160.	Shiv Charan Lal Segan	Air Force, Dehra Dun	1-11-78
161.	Paras Ram Latta	Other Ranks, North, Meerut	12-11-78
162.	G. E. Krishnamurthy	Southern Command, Poona	17-11-78
163.	Kallash Chandra Gupta	Patna, Patna	13-11-78
164.	S. N. Sahgal	Other Ranks, North, Meerut	8-11-78(AN)
165.	Sri Ram Kalyal	Factories, Calcutta	2-11-78
166.	Y. W. Tare	Officers, Poona	1-11-78
167.	M. S. Prabhu	Southern Command, Poona	10-11-78
168.	Vidya Sagar	Factories, Calcutta	3-11-78

Sl. No.	Name	Organisation	Date
S/Shri			
169.	Bans Raj Jain	Other Ranks, North, Meerut	12-12-78
170.	Vishnu Kumar Srivastava	Factories, Calcutta	1-11-78
171.	Azmat Ullahkhan	Patna, Patna	7-11-78
172.	M. N. Venkatesan	Navy, Bombay	1-11-78
173.	A. R. Lazarado	Factories, Calcutta	3-11-78
174.	T. K. Rajappan Nair	Officers, Poona	1-12-78
175.	K. Srangaratinam	Other Ranks, South, Madras	13-12-78
176.	Lixmi Narain Singh	Other Ranks, North, Meerut	27-12-78
177.	Sada Sukh Verma	Pensions, Allahabad	1-12-78
178.	T. R. Sampath	Officer, Poona	1-12-78
179.	M. S. Viswanathan	Officer, Poona	1-12-78
180.	Jaswant Rai	Northern Command, Jammu	1-12-78
181.	R. Subramaniam	Officers, Poona	1-12-78
182.	M. P. Gupta	Other Ranks, North, Meerut	1-12-78
183.	A. K. Chakraborty	Patna, Patna	1-12-78
184.	J. K. Sharma	Air Force, Dehra Dun	1-12-78
185.	Roshan Lal Gulati	Air Force Dehra Dun	4-12-78
186.	H. K. Prahlada Rao	Southern Command, Poona	1-12-78
187.	Anand Swarup Parashar	Western Command, Meerut	1-12-78
188.	Sohan Lal Kumar	Patna, Patna	1-1-79
189.	Sat Pal Sethi	Pensions, Allahabad	1-12-78
190.	Ramnath	Factories, Calcutta	8-12-78
191.	R. Natrajin	Other Ranks, South, Madras	2-12-78

S. N. CHATTOPADHYAY  
Dy. Controller General of Defence Accounts  
(Perb)

MINISTRY OF DEFENCE  
D.G.O.F.  
D.G.O.F. HQRS. CIVIL SERVICE  
Calcutta, the 12th January 1979

No. 2/79/A/E-1(NG).—The D.G.O.F. is pleased to promote Shri Sankar Lal Mondal, Permanent Assistant, to the grade of Assistant Staff Officer (Group 'B' Gazetted) in off. capacity without effect on seniority from 27-11-78 until further orders.

D. P. CHAKRAVARTI  
ADGOF/ADMIN. II  
for Director General, Ordnance Factories

in the Weavers Service Centre, Ahmedabad to retire from Government Service with effect from 31st January, 1979 (A.N.) on attaining the age of superannuation.

O. S. KRISHNAMURTHY  
Jt. Development Commissioner for Handlooms

SURVEY OF INDIA

Dehradun, the 8th February 1979

No. C-5467/707.—The undermentioned officers are appointed to officiate as officer Surveyor (Group 'B' post), Survey of India in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000 EB-40-1200 with effect from the date as shown against each, purely on ad-hoc provisional basis:—

Sl. No.	Name & Designation	Unit/Office	with effect from
1.	Shri Gurdev Singh, Survey Assistant, Sel. Gde	No. 2, Drawing Office (NC) Dehradun.	6-1-1979 (F.N.)
2.	Shri Kunwar Singh Rawat, Draftsman Division, I, Sel. Gde.	No. 6 Drawing Office, (NC), Dehradun.	6-1-1979 (FN)
3.	Shri N. N. Sen, Draftsman Division, I, Sel. Gde.	No. 14, Drawing Office (EC) Calcutta.	10-1-1979 (FN)

K. L. KHOSLA  
Major General  
Surveyor General of India  
(Appointing Authority)

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES & COOPERATION  
(DEPARTMENT OF COMMERCE)  
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

New Delhi, the 13th February 1979

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL ESTABLISHMENT

No. 6/1266/78-Admn(G)/1326.—The President is pleased to appoint Shri B. K. Zutshi, I.A.S., Presently Export Commissioner in the office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi, as Additional Chief Controller of Imports and Exports in the same office in addition to his existing charge as Export Commissioner, with effect from the 30th November, 1978, until further orders.

K. V. SESHADRI  
Chief Controller of Imports & Exports

MINISTRY OF INDUSTRY  
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)  
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 31st January 1979

No. A-38012/1/78-Adm. II.—The President is pleased to permit Shri T. J. Rafai, Assistant Director Gr. I (Designs)

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 9th February 1979

No. F. 11-9/79-A-1.—The Director of Archives, Govt. of India, hereby appoints the under mentioned Assistant Archivist (Gr. I) (Genl.) to the post of Archivist (General) on regular temporary basis w.e.f. the 6th February, 1979 until further orders

1. Shri Hardeo Singh.
2. Shri S. K. Dhanedhar.

(Sd.) ILLEGIBLE  
for Director of Archives

**DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO**

New Delhi, the 2nd February 1979

No. 10/18/78-SIII.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Surinder Kumar Chownk as Assistant Engineer at All India Radio, Shillong in a temporary capacity with effect from the 27-12-78 until further orders.

The 8th February 1979

No. 10/123/77-SIII.—The Director General, All India Radio accepts the resignation of Shri S. Venkatasubramanian from the post of Assistant Engineer, All India Radio, Dibrugarh with effect from 15-2-79 (AN).

J. R. LIKHI  
Deputy Director of Administration  
for Director General

**DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES**

New Delhi, the 3rd February 1979

No. A. 19019/42-77 CGHS-I.—On his transfer from the CGHS, Kanpur to the CGHS Patna, Dr. Sudershan Singh relinquished charge of the post of Homoeopathic Physician, CGHS Kanpur on the afternoon of the 18th January, 1979 and assumed charge of the same post at CGHS, Patna on the forenoon of the 20th January, 1979.

N. S. BHATIA  
Dy. Director Admn (CGHS)

**MINISTRY OF AGRICULTURAL & IRRIGATION  
(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)  
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION**

Faridabad, the 6th February 1979

No. A-19023/67/78-A. III.—Consequent on his promotion to the post of Dy. Senior Marketing Officer (Group I) in this Dtc., Shri T. P. Jadhav handed over charge of the post of Marketing Officer at Nagpur in the afternoon of 22-12-78.

B. I. MANIHAR  
Director of Administration  
for Agricultural Marketing & Inspection  
to the Govt. of India

**BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE  
PERSONNEL DIVISION**

Bombay-85, the 17th January 1979

No. PA/79(26)/78-R-IV.—On transfer from Civil Engineering Group, MAPP, Kalpakkam Director, Bhabha Atomic Research Centre, hereby appoints Shri Ganesan Raghunathan as Scientific Officer/Engineer Grade SB in a temporary capacity in BARC (Estate Management Facility, PREFRE, Tarapur) with effect from the forenoon of January 1, 1979 until further orders.

S. RANGANATHAN  
Dy. Establishment Officer (R)

**DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY  
POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION**

Bombay-5, the 2nd February 1979

No. PPED/3(240)/77-Adm./14420.—The undermentioned personnel who are at present serving in the power Projects Engineering Division are appointed in a substantive capacity as assistant Personnel Officer in the same Division in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 with effect from 1-1-1979.

Sl. No.	Name of the individual	Remarks
1.	Shri G. S. Khurana	Permanent SGC in PPED Pool.
2.	Shri P. G. Menon	Permanent SGC in PPED Pool.

M. R. SRINIVASAN,  
Director

**DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES**

Bombay-400 001, the 7th February 1979

No. DPS/21/1(2)/78-Est/4918.—Further to this Directorate Notification No. DPS/41/1/77-Adm dated 21-11-78, the Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Govind Vishnu Vartak, a permanent Upper Division Clerk (Junior Purchase Assistant) and officiating Purchase Assistant in the Directorate of Purchase and Stores to officiate as Assistant Purchase Officer in an ad hoc capacity in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB —35—880—40—1000—EB—40—1200 from December 30, 1978 (AN) to January 8, 1979 (FN) and in a regular capacity with effect from January 8, 1979 (FN) in the same Directorate until further orders.

K. P. JOSEPH  
for Administrative Officer

**(ATOMIC MINERALS DIVISION)**

Hyderabad-500016, the 6th February 1979

No. AMD-1/11/76-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri C. V. Sampath, Section Officer (Accounts) of the Central Railway, Nagpur as officiating Assistant Accounts Officer on deputation in the Atomic Minerals Division with effect from the forenoon of 18th January, 1979 until further orders.

S. Y. GOKHALE  
Sr. Administrative & Accounts Officer

**OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL  
AVIATION**

New Delhi, the 3rd February 1979

No. A. 32013/8/77-E. I.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri S. R. Bhatia, a permanent Accountant in this Department to the post of Accounts Officer, Civil Aviation Department on ad-hoc basis for a further period of three months beyond 26-11-78 (Afternoon) or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier, in continuation of this Department Notification No. A. 32013/8/77-E.I., dated the 5th June, 1978.

H. L. KOHLI  
Director of Administration

New Delhi, the 6th February 1979

No. A. 32013/3/78-EC.—The President is pleased to appoint on transfer Shri H. V. Sudershan, Senior Technical Officer, Controller of Communication, Aeronautical Communication Station, Bombay to the grade of Assistant Director of Communication on ad-hoc basis w.e.f. 29-12-78 (FN) and upto 31-12-78 and to post him in Director General of Civil Aviation (Head-quarters).

No. A. 32013/4/78-EC.—The President is pleased to appoint Shri N. B. Mathur, Communication Officer, Office of the Controller of Communication, Aeronautical Communication Station, Bombay to the grade of Senior Communication Officer on ad-hoc basis for a period of six months with effect from 27-10-78 (FN) and to post him in the office of the Regional Controller of Communication, Calcutta Airport, Calcutta.

No. A. 32014/1/78-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri K. P. Swamy, Communication Assistant, Aeronautical Communication Station, Bombay to the grade of Assistant Communication Officer on ad-hoc basis w.e.f. 11-1-79 (FN) and to post him at the same station vice Shri R. R. Joshi, Assistant Communication Officer granted earned leave for 35 days w.e.f. 7-1-79

No. A. 39012/1/79-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to accept the resignation from Govt. service of Shri Y. V. Rao, Assistant Technical Officer in the office of the Director, Radio Const. & Development Units, New Delhi with effect from 18-1-79 (AN).

S. D. SHARMA  
Deputy Director of Administration



New Delhi, the 7th February 1979

No. A-39013/9/78-EA.—The Director General of Civil Aviation has been pleased to accept the resignation from Government service of Shri U. V. Thangadi, Asstt. Aerodrome Officer, Bombay Airport, Bombay with effect from the 14th January, 1979 AN.

C. K. VATSA  
Asstt. Director of Administration

### COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMES

Patna, the 12th February 1979

No. II(7)2-ET/79/1733.—The following officiating Assistant Collectors of Central Excise and Customs Collectorate, Patna have retired from service on superannuation with effect from the dates indicated against each:

S. No.	Name	Designation	Date of superannuation.
1.	Sri J. K. Day.	Assistant, Collector, Central Excise & Customs.	31-10-78 (A.N.)
2.	Sri S. S. Verma.	DO.	31-10-78 (A.N.)
3.	Sri R. Raman.	DO.	30-11-78 (A.N.)
4.	Sri M. Z. Hussain	DO.	31-12-78 (A.N.)
5.	Sri Manan Prasad	DO.	31-12-78 (A.N.)
		D. K. SARKAR, Collector	

Nagpur, the 13th February 1979

No. 2/79.—Consequent upon his promotion as Superintendent of Central Excise, Group 'B', Shri S. H. Rajandekar, Inspector, Central Excise (SG) of this Collectorate has assumed charge of Superintendent of Central Excise, Group 'B' in Central Excise Hqrs. Office, Nagpur in the forenoon of the 27th January, 1979.

M. R. PAROOLAKER  
Collector

### DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 7th February 1979

No. 2/79.—Shri A. Vijayaraghavan lately posted as Asstt. Collector of Customs, Calcutta Customs House and on transfer to the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise vide Govt. of India, Ministry of Finance (Deptt. of Revenue) order No. 61/78 (F. No. A-22012/13/78-Ad. II) dated 25-4-78 assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs and Central Excise) Group 'A' in the Head-quarters Office of the Directorate of Inspection & Audit, Customs and Central Excise at New Delhi on 6-7-78 (Forenoon).

M. V. N. RAO  
Director of Inspection

### CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 9th February 1979

No. A-19012/723/78-Adm. V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri D. N. Bera to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer on a purely temporary and ad-hoc basis in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—

EB—40—1200 with effect from 20-6-78 (F.N.) till the post is filled up on regular basis.

Shri D. N. Bera is appointed on purely temporary & ad hoc basis and will not confer upon him any right for claiming seniority & promotion to the post on regular basis.

J. K. SAHA  
Under Secy.  
Central Water Commission

### MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

#### OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Charkha Soaps & Chemicals Private Limited  
(In Voluntary Liquidation)*

Bombay-2, the 2nd February 1979

No. 9493/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Charkha Soaps & Chemicals Private Limited (In Voluntary Liquidation) has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Orel Industries Limited (In Liquidation)*

Bombay-2, the 2nd February 1979

No. 4426/560(5)/Liq.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Orel Industries Limited (In Liquidation) has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

L. M. GUPTA  
Asstt. Registrar of Companies  
Maharashtra, Bombay

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Dada Rice, Flour & Oil Mills Private Ltd.*

Bangalore, the 9th February 1979

No. 1447/560/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Dada Rice, Flour & Oil Mills Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. N. GUHA  
Registrar of Companies  
Karnataka, Bangalore

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Vimi Finance and Chit Fund Scheme Private Limited*

Jullundur, the 9th February 1979

No. G/Stat/560/3044/11898.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies

Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Vimi Finance and Chit Fund Scheme Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Kay Kay Cycles Private Limited*

Jullundur, the 9th February 1979

No. G/Stat/560/3251/11896.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act,

1956, that the name of M/s. Kay Kay Cycles Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. P. TAYAL  
Registrar of Companies  
Punjab, H.P. & Chandigarh

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
AMRITSAR

Amritsar, the 29th January 1979

Ref. No. ASR/78-79/111.—Whereas I, G. L. GAROO, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One shop No. 1068 old & 572 situated at Bazar Ghantaghar, Kt. Ahluwalia, Asr, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amritsar City on 19th June, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) Shri Radha Kishan Mehra, s/o Shri Shabzada Nand, Bazar Tokrian, Amritsar.  
(Transferor)
- (2) Smt. Shashi Bala Chadha w/o Subash Kumar, I/s Gate Lohgarh, Gali Badran, Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As At Sl. No. 2 above and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One shop 3½ story No. 1068 old and 572/2., katra Ahluwalia, Bzr. Ghantaghar, Amritsar as mentioned in the Regd. Deed No. 1093 of June, 1978 of Registering Authority, Amritsar City.

G L. GAROO  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 29-1-1979  
Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
BOMBAY

Bombay, the 25th January 1979

Ref. No. AR-II/2682-45/July-78.—Whereas, I, V. S. SHESHADRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 163, S.S. VII CTS E/162 situated at Khar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 14-7-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Vasant Narayan Bhagwat, Smt Kamal Vishnu Bapat.  
(Transferor)
- (2) Kewal Prakash Trilokchand.  
(Transferee)
- (3) Shri S. V. Ullal.  
(Person in occupation of the property).
- (4) Smt. Manoramabai N. Bhagwat.  
(2) Shri Devdutta N. Bhagwat.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

† Share in ALL THAT piece or parcel of land hereditaments and premises together with the structure standing there-on situate lying and being at 15th Road, Khar, Bombay, admeasuring 749 square yards equivalent to 626.23 square metres or thereabouts bearing Plot No. 163 of S. S. No. 7 and bearing CTS No. E/162 in the Registration District and Sub-District of Bombay City and Bombay Suburban and bounded as follows, that is to say; on or towards the NORTH by C.T.S. No. 167; on or toward the SOUTH by C.T.S. No. 161, on or towards the EAST BY 15th Road, and on or towards the WEST by C.T.S. No. 163.

V. S. SHESHADRI  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Bombay

Date : 25-1-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
BOMBAY

Bombay, the 25th January 1979

Ref. No. AR-11/2586-5/July-78.—Whereas I, V. S. SHESHADRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 3 H. No. 2(part) 3, 1 B situated at CTS No. 139 Juhu Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 11-7-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Jayantilal Trivhuvandas Shah, (2) Smt Navalben Jayantilal Shah, (3) Shri Mahesh Kumar Jayantilal Shah, (4) Shri Narendra Jayantilal Shah, (5) Shri Prakash Jayantilal Shah.

(Transferor)

- (2) Vegetarian Apartments Coop : H. S. Ltd.

(Transferee)

1. Mrs. Domaiben T. Shah
2. Mr. Jothalal Meghji
- 3A. Mr. Mahendra T. Shah
- 3B. Smt. N. N. Mente
4. Mrs. Laxmibai Tejshi
5. Mr. Babulal Avarchan Shah
6. Mr. Bhavanji Kanji
7. K. S. Devapuria
8. Mr. Mahesh J. Shah Narendra J. Shah
9. Hemant L. Maru
10. Shailesh L. Maru
11. Mr. B. B. Dave
12. Mr. Maganlal G. Khimasia
13. Mr. Narresh G. Parekh
14. Mrs. S. Shroof
15. Mrs. Anjane P. Shah

15—486GI/78

16. Virendra kumar P. Jain
17. Mr. Suresh Mulji Sampat
18. Kiril Seth
19. Mr. S. M. Kapadia
20. Mrs. Ramaben R. Shah
21. Juhu Jain Seva Sangh

(Person in occupation of the property).

- (4) 1. Sanatkumar Manilal Papadia
2. Narendra Jayantilal Shah.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land on ground together with internal access road situate lying and being at Juhu Road, Juhu Village now in the Registration Sub-District and District of Bombay City and Suburban being plot bearing S. No. 3, Hissa No. 2 Part and No. 3 Hissa No. 1 and C.T.S. No. 139 of Juhu Village, Juhu Road admeasuring 1655 Sq. Yds. or 1383.79 Meters or thereabout and which originally consisted of two plots (1) admeasuring 1583 Sq. Yds. equivalent to 1323.59 Sq. Meters or thereabouts, but show in the record of rights as admeasuring 1558-Sq. Yds. equivalent to 1302.65 Sq. Meters or thereabouts and in the City Survey Records as admeasuring 1292.98 Sq. Yds. or 1081.10 Sq. meters or thereabouts and (2) admeasuring 65 Sq. Yds. or 54.35 Sq. Meters or thereabouts but shown in the City Survey Records as admeasuring 79.52 Sq. Yds. equivalent to 66.50 Sq. Metres or thereabouts, and bounded as follows, that is to say, on or towards the North party by land bearing N.A. Survey No. 3B, S. No. 2A, H. No. 17 and S. No. 3 Hissa No. 1 A and C.T.S. No. 136, 140, 141, 127 and 126 of Juhu village, on or towards the South by land bearing S. No. 3, H. No. 2 part and C.T.S. No. 125 of Juhu Village, on or towards the East by land bearing S. No. 3, H. No. 2 part and C.T.S. 127 of Juhu Village belonging to Vasant Gangadhar Chaudhari and C.T.S. No. 121 belonging to Michael D'Souza and on or towards the West partly by Juhu Road and partly by S. No. 3, H. No. 1 A and S. No. 3 H. No. 1 B and C.T.S. No. 140 and 141 of Juhu Village, assessed to Municipal Taxes under K-ward No. K. 10091 (1E)R/273B, Rural Juhu and to non-agricultural assessment by the Mamlatdar, South Salsette, Andheri under Khata No. BC Juhu, K. No. 160.

V. S. SHESHADRI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Bombay

Date : 25-1-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II  
BOMBAY

Bombay, the 29th December 1978

Ref. No. AR-II/2572-18/Junc-78.—Whereas, I, S. G. BORGHARKAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sub Plot 'A' final Plot No. 80(pt) Plot No. 81 (pt) T.P.S. No. VI situated at Vile-Parle, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bombay on 14-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- (1) Shri Ramdas Champsi Thakkar & Laxman Champsi Thakkar.  
(Transferor)
- (2) Kasturi Bldg Coop : H. Society Ltd.  
(Transferee)
- (3) 1. Shri Bhal Upadhyay  
2. Shri K. J. Doshi  
3. Smt. Kantaben J. Patel.  
4. Shri R. B. Dalal & Shri B. N. Dalal  
5. Shri N. H. Ambani  
6. Shri N. C. Shah  
7. Shri A. J. Adalja  
8. Shri L. V. Shah.  
9. Shri J. D. Gandhi & Smt. J. D. Gandhi.  
10. Shri M. J. Doshi.  
11. Smt. C. J. Doshi.  
12. Smt. P. R. Thakkar  
13. Shri R. D. Shah  
14. Shri M. B. Deliwadia  
15. Shri D. M. Barai.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land or ground together with the buildings and structures standing thereon situate lying and being in the town of Vile Parle in the registration Sub District of Bandra District Bombay Suburban contained by admeasurement 966 Sq. yds i.e. 801.30 Meters or thereabouts being Sub Plot 'A' being Final Plot No. 80 part and part of Plot No. 81 of Vile Parle Town Planning Scheme No. VI and bounded as follows : on or towards East by Sub Plot 'B' of Plot No. 81 of the said T. P. Scheme No. VI being part of Promises described in the first Schedule above, on or towards the West by Plot No. 80 part of the said Scheme originally known as Kasturwadi, on or towards the North by Plot No. 80 part and Plot No. 62 of the said Scheme and on or towards the South by Plot No. 77 of the Scheme and bearing Municipal K-Ward No. 8386(1) Street No. 40 Irla Road.

S. G. BORGHARKAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range II  
Bombay

Date : 29-12-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Prakaswal Tandon &amp; Smt. Susheel Devi Tandon.

(Transferors)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Dakshin Pali Premises Coop : Society Ltd.  
(Transferees)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
BOMBAY

Bombay, the 29th December 1978

Ref. No. AR-II/2674-35/June/78.—Whereas, I, S. G. BORGHARKAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 245 H. No. 10 C.T.S. No. 6/805A situated at Pali Hill.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bandra on 5-6-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

ALL THAT the piece or parcel of land or ground together with the building known as Dakshin Pali, situate lying and being at Pali Hill Bandra in the Registration Sub-District of Bandra in the Bombay Suburban District admeasuring 1714.33 square yards bearing Survey No : 245, Hissa No. 1 and bonded as follows : that is to say on or towards the North by property bearing S. No. 245/2 A C.T.S. No. 805 B AND BEYOND of Kantwadi Road, on or towards the East by property N. A. 382, on or towards the West by the property N. A. No. 375 C.T.S. No. 804 and which premises are assessed under Municipal Ward No. H.

S. G. BORGHARKAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range II  
Bombay

Date : 29-12-1978  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Vikram Tandon, S/Smt Pushpadevi Tandon.  
Geeta Verma, Anuradha Tandon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Swarn Kutir Premises Coop : Soc. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II  
BOMBAY

Bombay, the 29th December 1978

Ref. No. ARII/2668-28/June/78.—Whereas, I. S. G.  
BORGHARKAR,being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearingNo. S. No. 245, H. No. 1 (part) situated at Pali Hill  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Bandra on 5-6-1978,for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reasons to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

ALL THAT Piece or parcel of land or ground together  
with the building thereon known as Eashni lying and being  
at Pali Hill Danda, Bandra in the Registration Sub-District  
of Bandra in the Bombay Suburban District admeasuring  
1593 Square Yards or thereabouts and bearing Survey No.  
245, Hissa No. 1 (part) and bounded as follows : that is to  
say, on or towards the North by the Property bearing S. No.  
245, H. No. 1, belonging to P. I. Tandon and Anr., on or  
towards the South by the Cantawadi Road, on or towards  
West by the property bearing N.A. No. 375 and C.T.S. No.  
804 and on or towards the East by the property bearing N.A.  
No. 382 and which premises are assessed to the Municipal  
taxes under Municipal H. Ward.

S. G. BORGHARKAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range II  
Bombay

Date : 29-12-1978  
Seal :



**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
BOMBAY**

Bombay, the 29th December 1978

Ref. No. AR-II/2578-24/78.—Whereas, I, S. G. BORGHARKAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

C.T.S. No. 998, S. No. 24, H. No. 1

Plot No. 17(pt) TPS No. 2 Entry No. 102 situated at Santacruz (P)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Bombay on 20-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/w Vijaydeep Hotels & Investments Pvt. Ltd.  
(Transferor)
- (2) Beach Croft Premises Coop : Society Ltd.  
(Transferee)
- (3) (Person in occupation of the property).
  1. Maneckji Cooper Education Trust School
  2. C. G. Bhatt
  3. Street Structure Corporation
  4. H. D. Tangri
  5. N. D. Tangri
  6. J. D. Tangri
  7. Keki J. Patrawala.
  8. J. J. Tangri
  9. Dhanjishan S. Bhodanwala.
  10. Homi J. Tangri.

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

ALL THAT Piece or parcel of land containing by admeasuring 1521.72 Square meters or thereabouts (equal to 1820 Sq. Yards) being part of Plot No. 17 of Town Planning Scheme, Santacruz No. II and bearing Survey No. 24 Hissa No. 1/2 and entry No. 102 and C.T.S. No : 998 and together with the multi-storeyed building and structures standing or lying thereon bearing Municipal "K" Ward No. 9436 (1 and 2) Street No. T/175 Juhu Road and which said premises are situated at Juhu Tara Road in Juhu, in the registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban and bounded as follows : that is to say, on or towards the East by Juhu Tara Road, on or towards the West by the Sea on or towards the North by the property of N. M. Dumasia and others and on towards the South by a Road (Known as Pandya Lane) and beyond that by property belonging to Dwarkadas Kalyandas.

**S. G. BORGHARKAR**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range II  
Bombay

Date : 29-12-1978

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Sheela Devi, W/o Shri Ram Babu Khandelwal, Khasgi Bazar, Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

(2) Dr. Padamchand Jain, S/o Shri Lal Jain Didisha.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

BHOPAL M.P.

Bhopal, the 27th January 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1227.—Whereas, I, B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House (part) situated at Madhavganj, Vidisha. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Vidisha on 23rd June, 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House (First Floor) situated at Ward No. 19, House No. 265, Madhavganj, Vidisha.

B. L. RAO  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
Acquisition Range,  
Bhopal

Date : 27-1-1979  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Snehlata, W/o Shri Bhoopal Singh Dhariwal,  
Manoramaganj, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri S. Pradipkumar, S/o Shri Gayaprasad Jain,  
92, Janki Nagar, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 30th January 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1228.—Whereas, I, B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-A (Part) land situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 15th June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Open plot No. 5-A area 40' x 180' situated at 21, Victory Estate Colony, Residency Area, Indore.

B. L. RAO  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,  
Acquisition Range,  
Bhopal

Date : 30-1-1979  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Anant Kashinath Patki, resident of 27, Snehlaganj, Street No. 3, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Preetam Kaur, W/o Shri Amriksingh, resident of 12, Pagnis Paga, Indore.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
BHOPAL M.P.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bhopal, the 30th January 1979

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1230.—Whereas, I, B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 23/2 situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 15th June, 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

House No. 23/2 Pagnis Paga, Indore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. L. RAO  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 30-1-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ram Babu, S/o Seth Raghuvardayal Khandelwal, Khasgi Bazar, Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Padamchand, S/o Shri Shrilal Jain, Vidisha.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 27th January 1979

Ret. No. IAC ACQ/BPL/226/79. Whereas, I. B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House (part) situated at Madhavganj, Vidisha (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Vidisha on 23-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —  
16—486 GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by an other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of house (ground Floor) situated at Madhavganj, Vidisha Ward No. 19, House No. 265.

B. L. RAO  
Competent Authority.  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Bhopal

Date : 27-1-1979  
Seal

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE  
BHOPAL M.P.**

Bhopal, the 30th January 1979

Ref No. IAC ACQ/BPL/1229.—Whereas, I. B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gwalior on 8th June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Dilbagsingh, S/o Sardar Harnamsingh, Through Power of Attorney Shri Mohandersing, S/o Shri Meharsingh, E-2/211, Arera Colony, Bhopal.

(Transferee)

(2) Shri Santoksingh Grewar, S/o Shri Sardarsingh Grewar, R/o Tansen Nagar, Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

No double storeyed house No. 42 situated at Gandhi Nagar Colony, Ward No. 26 Block-J, Gwalior.

B. L. RAO  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 30-1-1979  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Rohini Achuthan Nair,  
"Tulasi", West Hill, Calicut-5.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Mrs. Kamini Sukumaran,  
19/599, Puthiyapalam Road,  
Calicut-2.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE, "ANIIPARAMBIL BLDGS"  
ANAND BAZAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 1st February 1979

Ref. I.C. 286/78-79.—Whereas L. K. NARAYANA MENON being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Calicut Corporation (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Calicut on 14-6-1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

61½ cents of land with building as per schedule to document No. 539/78 of S.R.O., Calicut.

K. NARAYANA MENON

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ennakulam

Date: 1-2-1979

Seal:

FORM ITNS—

(1) Smt. Nivedita Neogy  
3A, Duff Lane, Calcutta-6.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Jayanti Rudra  
3A, Beeton Square, Calcutta.

(Transferee)

(3) Tenants.

(Persons in occupation of the property)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,

54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 3rd January 1979

Ref. No. 436/Acq. R-III/78-79/Cal.—Whereas, I VASKAR SEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5B situated at Fern Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 9-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land admeasuring 1 cottah 9 chittacks together with a three storied building erected thereon at premises No. 5B, Fern Road, Calcutta.

VASKAR SEN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,  
Acquisition Range-III  
54 Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor)  
Calcutta 16

Date: 3-1-1979

Seal: "



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 18th January 1979

Ref. No. Ac-40/R-II/Cal/78-79. Whereas, I S. C. YADAV being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9, situated at Panchanantola Lane, Behala, Calcutta 34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Alipore Sadar on 7-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Panchanan Chatterjee,  
9, Panchanantola Lane, Behala,  
Calcutta-34.

(Transferor)

- (2) S/Sri Bimalendu Ghosh & Anilendu Ghosh,  
1, Panchanantola Lane, Behala,  
Calcutta-34.

(Transferee)

- (3) Vendees

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3rd share of an undivided land measuring 2 cottahs & 13-Chitaks together with a building, being premises No. 9, Panchanantola Lane, Calcutta-34, Behala.

S. C. YADAV,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
54, Rli Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 18-1-1979  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 18th January 1979

Ref. No. Ac-39/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I S. C. YADAV being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9, situated at Panchanantola Lane, Behala, Calcutta-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Alipore Sadar on 7-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) Shri Sanat Kumar Chatterjee  
9, Panchanantola Lane, Behala,  
Calcutta-34.

(Transferor)

(2) S/Sri Bimalendu Ghosh & Amalendu Ghosh,  
1, Panchanantola Lane, Behala,  
Calcutta-34.

(Transferee)

(3) Vendees

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3rd share of an undivided land measuring 2-cottahs & 13-chittaks together with a building, being premises No. 9, Panchanantola Lane, Behala, Calcutta-34.

S. C. YADAV,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
54, Rfi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 18-1-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III,  
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 24th January 1979

Ref. No. 443/Acq. R-III/78-79/Cal.—Whereas, I VASKAR SEN

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. C on the 9th floor situated at 2, Mandeville Gardens, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 29-6-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) M/s. Saloni Ownership Flats Schemes (P.) Ltd.,  
6, Harrington Street, Calcutta.  
(Transferor)
- (2) Smt. Rajani T. Panjabi,  
198, Rash Behari Avenue, Calcutta.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that entire flat No. C on the 9th floor of the building known as "Jay Jayanti" situated at premises No. 2, Mandeville Gardens, Calcutta.

VASKAR SEN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income tax,  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor)  
Calcutta-16

Date : 24-1-1979  
Seal ;

## FORM ITNS—

(1) M/s. Saloni Ownership Flat Schemes (P) Ltd.,  
6 Harrington Street, Calcutta.

(Transferor)

(2) Smt. Tikandas M. Panjabi,  
198, Rashbehari Avenue, Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-III.

54 RAJI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 24th January 1979

Ref. No. 444 Acq. R-III-78-79 Cal.—Whereas, I VASKAR  
SFNbeing the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearingNo. Flat No. A on the 9th floor situated at 2, Mandeville  
Gardens, Calcutta(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Calcutta on 29-6-1978for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of—Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later.(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act shall have the meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under the said  
Act in respect of any income arising from  
the transfer; and/or(b) facilitating the concealment of any income or  
and moneys or other assets which have not been  
or which ought to be disclosed by the transferee  
for the purposes of the Indian Income-tax Act,  
1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-  
tax Act, 1957 (27 of 1957).All that entire flat No. C on the 9th floor of the building  
known as "Jay Jayanti" situated at premises No. 2, Mandeville  
Gardens, Calcutta.VASKAR SFN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
54, Raji Ahmed Kidwai Road (3rd floor)  
Calcutta-16Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :—

Date : 24-1-1979

Seal :

## FORM ITNS.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 12th February 1979

Ref. No. RAC. No. 322/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 316 on 3rd floor situated at Sagarview Building, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—  
17—486GI/78

1. M/s. Swastik Builders Registered firm, at III-Sarojini Devi Road, Secunderabad.

(Transferor)

2. Sri Paluru Gopal, S/o. Sri Bubbarayudu, H. No. 5-1-237/1 at Sunder Bhavan, Jambagh, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No. 316 on IIIrd floor of "Sagar View Building" at 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2115/78 in the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 2-12-1979.  
Seal :

FORM ITNS-----

1. M/s. Swastik Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Kumari G. Sudha Rani (Minor) Represented by father Sri G. K. Rao, (C.A.) 119 at Marredpally, (West) Secunderabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th February 1979

Ref. No. RAC. 323/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 306 Domalguda, Hyderabad situated at Sagarview Building, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office premises No. 306 on 11th floor of Sagar View Building situated at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2116/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 12-2-1979.

Seal :

## FORM ITNS

1. M/s. Swastic Builders. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Sri P. Subbarayulu, H. No. 5-1-237/1 at Sunder Bhavan Jambagh, Hyderabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th February, 1979

Ref. No. RAC No. 324/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 311 in Sagarview Building Domalguda, Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office premises No. 311 on 3rd floor of Sagar View Building M. No. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2117/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 12-2-1979.  
Seal :

## FORM ITNS—

1. M/s. Swastic Builders, at Domalguda, Hyderabad.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th February 1979

Ref. No. RAC. No. 325/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. RC. 8 situated at & FC 19 at Sagarview Building (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

2. Sri Harikishan Soni, Tax Advocate, Gyanbagh Colony Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. RC 8 and FC 19 in Sagar View Building" situated at 1-2-524/2 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2118/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 12-2-1979.  
Seal :



## FORM ITNS—

1. M/s. Swastic Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Kum. Kanumilli Uma, D/O Sri K. S. Rama Rao, R/o Suryaraopet, Vijayawada.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th February 1979

Ref. No. RAC. No. 326/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 5 situated at Sagarview Building, Domalguda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, Hyderabad on June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 5 on ground floor of Sagarview Building situated at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2119/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 12-2-1979.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th February 1979

Ref. No. RAC. No. 327/78-79.—Whereas, I,  
K. S. VENKATARAMAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that  
the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
Office No. 314 situated at Sagarview Building, Domalguda,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Hyderabad on June 1978  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property, and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

1. M/s. Swastic Builders, 1-2-524/3 at Domalguda,  
Hyderabad.  
(Transferor)
2. Smt. P. Vidya Devi. 24/6 at Kakatiya Medical Collg.  
Warangal.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office premises No. 314 on IIIrd floor of Sagarview Build-  
ing No. 1-2-524/3 situated at Domalguda, Hyderabad, regis-  
tered vide Document No. 2120/78 in the office of the Joint  
Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 12-2-1979.  
Seal :

## FORM ITNS—

1. M/s. Swastic Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Smt. Suguna Ompathi Rao, W/o Sri Omapathi Rao, H. No. 5-9-90 at Chpal Road, Hyderabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

## HYDERABAD

Hyderabad, the 12th February 1979

Ref. No. RAC. No. 328/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. RC 14 situated at Sagarview Building Domalguda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. RC 14 in Sagarview Building situated at 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2121/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 12-2-1979.  
Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 12th February 1979

Ref. No. RAC.No. 329/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop. No. 16 & 17 situated at Sagarview Building, Domalguda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (7 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. M/s. Swastic Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

2. Kum. Santosh Devi, 15-1-53 at Osmangunj, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop. No. 16 and 17 in front celler, of Sagarview Building, at 1-2-524/3 Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2154/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 12-2-1979.

Seal :

FORM ITNS—

1. M/s. Swastic Builders. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Smt. B. Suryakumari, Kalyanrao, H. No. 1-10-38/2 at Bejjumpet, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 12th February 1979

Ref. No. RAC.No. 330/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 317 (50%) situated at Sagarview Building, at Domalguda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Office premises No. 317 (50%) in IIIrd floor of Sagarview Building situated at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2155/78 in the Office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
18—486GI/78

Date : 12-2-1979.  
Seal :

FORM ITNS—

1. M's. Swastic Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

2. Smt. D. Narayanamma, H. No. 1-10-38/2 at Begumpet, Hyderabad.  
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE**

Hyderabad, the 12th February 1979

Ref. No. RAC.No. 331/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 317 (50%) situated at Sagarview Building, at Domalguda, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Office No. 317 (50%) in IIIrd floor of Sagarview Building No. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2156/78 in the Joint Sub-Registrar Office Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 12-2-1979,

Scal :

FORM ITNS—

1. M/s. Swastic Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

2. Sri G. L. Mahajan, 40-Ramgopalpet, Secunderabad.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 12th February 1979

Ref. No. RAC No. 332/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 11 situated at Sagarview Building, Domalguda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop. No. 11 on ground floor of Sagarview Building situated at 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2157/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 12-2-1979.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 12th February 1979

Ref. No. RAC. No. 333/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop. No. 12 situated at Sagarview Building, Domalguda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. M/s. Swastic Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.  
(Transferor)
2. Smt. Santosh Mahujan, 40-Ramgopalpet, Secunderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop. No. 12 on ground floor of Sagarview Building No. 1-2-524/3 Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2158/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 12-2-1979.  
Seal :



## FORM ITNS ———

1. M/s. Swastic Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Kum. Kanumilli Uma, D/o Sri K. S. Rama Rao, R/o Suryaraopet, Vijayawada.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 12th February 1979

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. RAC. No. 334/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop. No. 4 situated at Sagarview Building, Domalguda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Shop. No. 4 in ground floor of Sagarview Building, at 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2159/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1979.

Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE**

Hyderabad, the 12th February 1979

Ref. No. RAC. No. 335/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Office No. 315 situated at Sagarview Building, Domalguda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

1. M/s. Swastic Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

2. Smt. P. Vidya Devi, H. No. 24/6 at Kakatiya Medical College, Warangal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Office premises No. 315 on 3rd floor of Sagarview Building M. No. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2160/78 in the Office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 12-2-1979.  
Seal :

## FORM ITNS —————

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 12th February 1979

Ref. No. RAC. No. 336/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Office No. 210 situated at Sagarview Building, Domalguda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. M/s. Swastic Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

2. Sri T. Kiran Prakash, H. No. 6-3-628/1 at Ravindranagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office premises No. 210 on Second floor of Sagarview Building M. No. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2161/78 in the Office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 12-2-1979.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 12th February 1979

Ref. No. RAC No. 337/78-79.—Whereas, I,  
K. S. VENKATARAMAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'),  
have reason to believe that the immovable property,  
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and  
bearing

Office No. 203, situated at Sagarview Building, Domalguda,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
Hyderabad on June 1978

for an apparent consideration  
which is less than the fair market value of the aforesaid  
property, and I have reasons to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer; and /  
or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-  
sons, namely :—

1. M/s. Swastic Builders, 1-2-524/3 at Domalguda,  
Hyderabad.  
(Transferor)
2. Sri K. Ram Prakash, 7-2-206, Goshamaadi, Secun-  
derabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No. 203 on 2nd floor of Sagarview Building, M.  
No. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide  
Document No. 2163/78 in the office of the Joint Sub-Re-  
gistrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN.  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 12-2-1979,  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 12th February 1979

Ref. No. RAC. 338/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 8, situated at Sagarview Building, Domalguda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—  
19—486GI/78

1. M/s. Swastic Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

2. Sri M. Vijayakumar, H. No. 21-2-492 at Charkaman Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 8 on ground floor of Sagarview Building M. No. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2321/78 in the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 12-2-1979.  
Seal :

## FORM ITNS

1. M/s. Swastic Builders, at Domalguda,  
Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Sri E. Vijayakumar, H. No. 15-69/5/1 at Rangam-  
pet, Warangal.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 12th February 1979

Ref. No. RAC. No. 339/78-79.—Whereas, I,  
K. S. VENKATARAMAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that  
the immovable property, having a fair market value exceed-  
ing Rs. 25,000/- and bearing No.  
Office No. 211, situated at Sagarview Building, Domalguda,  
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Hyderabad on June 1978  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may  
be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No. 211 on 2nd floor of Sagarview Building,  
1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Do-  
cument No. 2322/78 in the office of the Joint Sub-Regis-  
trar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 12-2-1979.  
Seal :

## FORM ITNS

1. M/s. Swastic Builders, at Domalguda, Hyderabad.  
Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Sri P. Madhusudhan Rao, 5-1-237/1 at Sunderbagh,  
Jambagh, Hyderabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD

Hyderabad, the 12th February 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

Ref. No. RAC. No. 340/78-79.—Whereas, I,  
K. S. VENKATARAMAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000 and bearing No. Office No. 312, situated at Sagar-  
view Building Domalguda,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Hyderabad on June 1978  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Office No. 312 on 3rd floor of Sagarview Building M. No  
1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Docu-  
ment No. 2323/78 in the Office of the Joint Sub-Registrar  
Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,  
namely :—

Date : 12-2-1979.

Seal :

**FORM ITNS—**

1. M/s. Swastic Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

2. Sri P. Prabhakar, H. No. 5-1-237/1 at Sunder Bhavan Jambagh, Hyderabad.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 12th February 1979

Ref. No. RAC No. 341/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Office No. 310 situated at Sagarview Building Domalguda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Office premises No. 310 on IIIrd floor of Sagarview Building M. No. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 2324/78 in the Joint Sub-Registrar Office Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-2-1979.

Seal :



## FORM ITNS

1. Shri Shivaji Chaudhari S/o Madhava Rao,  
D.I.G., S.R.P.F. Comp., Poona-22.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD

2. Sri Mirza Dilwar Baig, H. No. 10-2-317/18 at Vija-  
yangar Colony, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 12th February 1979

Ref. No. RAC. No. 342/78-79.—Whereas, I,  
K. S. VENKATARAMAN,  
being the Competent Authority under section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25000.- and bearing No.  
10-2-317/18 situated at Vijayanagar Colony, Hyderabad,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
Hyderabad on June 1978  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the 'said  
Act', shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer; and/  
or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Residential House M. No. 10-2-317/18 situated at Vijaya-  
nagar Colony, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1722/78  
in the office of the Sub-Registrar Khairatabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 12-2-1979.  
Seal :

FORM ITNS

1. M/s. Sri Krishna Construction Co. 5-8-612 at Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD

2. Sri Ashok Mohanlal, S/o. Suraj Mohanlala, 23-1-74 at Charminar East, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 12th February 1979

Ref. No. RAC. No. 343/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat Nos. 4-1-938/R-9, 9-10, R-11 at Tilak Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat consisting of part of premises No. 4-1-938/R-9, R-10, and R-11, in the 5th floor at Tilak Road, Hyderabad, registered vide Document No. 2377/78 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-2-1979,  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th February 1979

Ref. No. RAC.No. 344/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flats No. 12, 13, & 11 situated at 4-1-938 part of it Tilak Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

1. M/s. Sri Krishna Construction Co. at 5-8-612 Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

2. Sri Vinod Kumar. S/o. Sri Rangapershad. 213—Ameerpet, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Room No. 12 and 13 on the 5th floor, and room No. 11 on the 6th floor of a portion of premises No. 4-1-938 at Tilak Road, Hyderabad, registered vide Document No. 2378/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 12-2-1979.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th February 1979

Ref. No. RAC. No. 345/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14-4-371, 376, 377 situated at Begum Bazar, Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Smt. Putlee Bee, W/o late Mohd. Ismail,
2. Mohd. Yousuf,
3. Mohd. Jahangir, residing at 14-4-153 Baiderwadi, Begumbazar, Hyderabad.
4. Sri Kishental Yadav, 14-4-220 Sha Inayatguni, Hyderabad.

(Transferor)

2. National Markazee Jamaatul Qureish, Represented by its President Sri. Haji Mohd. Madar, H. No. 21-3-680 Chelapura, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House M. No. 14-4-371, 376, and 377 situated at Begum Bazar Hyderabad, registered vide Document No. 617/78 in the office of the Sub-Registrar Doodbowli.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 12-2-1979,  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 8th February 1979

Ref. No. AP-1867.—Whereas, I. B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Model Town Market, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on June 1978 than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
20—486GI/78

- (1) Shri Kirpal Singh  
S/o Shri Arjan Singh,  
B-9, Model Town, Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Gian Kaur  
W/o Shri Bir Singh &  
Shri Bir Singh S/o Shri Wasawa Singh,  
Vill. Mithapur Teh., Jullundur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.  
[Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 56 situated in Model Town Market, Jullundur as mentioned in the registration Sale Deed No. 1664 of June, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 8-2-1979  
Seal :

## FORM ITNS- ----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 8th February 1979

Ref. No. AP-1868.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Basti Danish Mandan, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on June, 1978

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mangal Sain Kumar  
S/o Shri Lakhmi Dass G.A. of  
Narinder Kaur Wd/o  
Shri Inderjit Singh  
R/o Amritsar  
(Transferor)
- (2) 1. Shri Kundan Lal S/o Shri Atma Ram  
W.O. 157, Basti Danish Mandan, Jullundur.  
2. Smt. Parkash Devi W/o Shri Jagan Nath Midda  
W.O. 157, Basti Danish Mandan, Jullundur.  
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.  
[Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot situated at Nizam Nagar, Jullundur as mentioned in the Registration Sale Deed No. 2004 dated 13-6-78 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 8-2-1979

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 8th February 1979

Ref. No. AP-1869.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at New Railway Rd., Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gobind Singh,  
H. No. N.N. 362, Gopal Nagar, Jullundur.  
(Transferor)
- (2) M/s Malhotra Book Depot, Adda  
Hoshiarpur, Jullundur.  
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.  
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building No. B-VII.549 New Railway Road, Jullundur as mentioned in the Registration Sale deed No. 2682 of June, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 8-2-1979  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 8th February 1979

Ref. No. AP-1870.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Near Raja Hospital, Jullundur (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur on July, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Des Raj Uppal  
S/o Shri Nanak Chand  
S/o Shri Radha Mal,  
Raja Ram Street, Ferozpur.  
(Transferor)
- (2) Shri Balwinder Singh and Jatinder Krishan  
Ss/o Shri Balwant Rai,  
21-Vijay Nagar, Jullundur.  
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.  
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 share of Plot near Raja Hospital, Vijay Nagar Basti Road, Jullundur as mentioned in the Registration Sale Deed No. 2734 of July, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 8-2-1979  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 8th February 1979

Ref. No. AP-1871.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Mota Singh Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on June, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 29C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Mohinder Kaur  
Wd/o Swaran Singh,  
Shri Sarabjit Singh  
S/o Shri Swaran Singh,  
G.T.R. Purewal House, Jullundur. (Transferor)
- (2) Smt. Nihal Kaur  
Wd/o Shri Prem Singh,  
Vill. Parjian Teh. Nakodar. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.  
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, which 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 714 situated at Mota Singh Nagar, Jullundur as mentioned in the Registration Sale Deed No. 2704 of June, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 8-2-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 8th February 1979

Ref. No. AP-1872.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Basti Sheikh Road, Jullundur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on July 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Charan Singh  
S/o Shri Raja Singh  
WS-62, Basti Sheikh Road, Jullundur.  
(Transferor)
- (2) Shri Harbhajan Singh  
S/o Shri Natha Singh  
WS-62, Basti Sheikh Road, Jullundur.  
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.  
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Three Shops situated at Basti Sheikh Road, Jullundur as mentioned in the Registration Sale Deed No. 3220 of July, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 8-2-1979  
Seal :

## FORM ITNS -----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 8th February 1979

Ref. No. AP-1873.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Bye Pass Road, Jullundur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur on July 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sushma Rani Sehgal  
W/o Baldev Rai Sehgal  
53-Shaheed Udham Singh Nagar, Jullundur.  
(Transferor)
- (2) 1. Sh. Raman Kant Sharma  
S/o Shri Karta Krishan Sharma  
2. Smt. Santosh Sharma  
W/o Raman Kant Sharma,  
N-25 Gopal Nagar, Jullundur.  
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.  
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Factory at Bye Pass Road, Jullundur as mentioned in the Registration Sale Deed No. 3132 of July, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 8-2-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 8th February 1979

Ref. No. AP-1874.—Whereas, I. B. S. DEHIYA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Basti Pir Daad, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sandeep Kumar  
S/o Shri Mulkh Raj  
2, Shri Bhagwan Dass  
S/o Shri Hans Raj  
R/o Fazilka Distt. Ferozepur.  
(Transferor)
- (2) Shri Ashok Kumar Mittal  
S/o Shri Ilam Chand Jain  
2, Mukesh Mittal S/o Ilam Chand Jain,  
277-Adarsh Nagar, Jullundur.  
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.  
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot situated at Basti Pir Daad Jullundur as mentioned in the Registration Sale Deed No. 579 of November, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 8-2-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 9th February 1979

Ref. No. AP-1875.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Vill. Dhanal Teh. Juc.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur on June, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : —

21—486GI/78

(1) Shri Harbans Lal  
S/o Ganesh Dass  
Vill. Dhanal Teh. Jullundur.

(Transferor)

(2) S/Shri Karam Singh, Avtar Singh  
Ss/o Shri Ram Singh  
Vill. Dhanal Teh. Jullundur.

(Transferee)

(3) As per St. No. 2 above.  
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property,  
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Sale Deed No. 2147 of June, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 9-2-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 9th February 1979

Ref. No. AP-1876.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Vill. Jamalpur Teh. Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on June, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Karam Singh  
S/o Shri Harnam Singh  
Vill. Jamalpur, Teh. Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Dewan Chand  
S/o Shri Garditta Mal  
S/o Shri Amir Chand,  
Bhogpur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Sale Deed No. 2555 of June, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 9-2-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 9th February 1979

Ref. No. AP-1877,—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to of the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Vill. Itan Badhi, Teh. Juc. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur in June 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) Shir Sardana Singh S/o Lachhman Singh, Vill. Itan Badhi, Teh. Jullundur.

(Transferor)

- (2) 1. Dharam Singh S/o Teja Singh.  
2. Ajit Singh S/o Dharam Singh.  
3. Surat Singh S/o Dharam Singh.  
Vill. Itan Badhi, Teh. Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Sale Deed No. 159/ of June 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 9-2-1979.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 9th February 1979

Ref. No. AP-1878.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Vill. Itan Badhi, Teh. Juc. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on June 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Sardara Singh S/o Tachhman Singh, Vill. Itan Badhi, Teh. Jullundur.

(Transferor)

- (2) 1. Dharam Singh S/o Teja Singh.  
2. Ajit Singh S/o Dharam Singh.  
3. Surat Singh S/o Dharam Singh.  
Vill. Itan Badhi, Teh. Jullundur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Sale Deed No. 1596 of June 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 9-2-1979

Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE.

## JULLUNDUR

Jullundur, the 13th February 1979

Ref. No. 18/79. —Whereas, I. B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Haqiqat Rd. Jullundur Cantt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on June 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Surinder Kaur w/o Charanjit Singh Jullundur Cantt.  
(Transferor)
- (2) Capt. Narinderjit Singh S/o Sohan Singh Kothi No. 38 Haqiqat Rd. Jullundur Cantt.  
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 2475 of June 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 13-2-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 30th January 1979

Acq. File Ref. No. 8/2. Whereas, I B. V. SUBBA RAO being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 27-23-274 situated at Gopalareddy Road, Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Vijayawada on 26-6-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Gollamudi Rama Rao,  
c/o Late Sri T. S. L. Narayana, Advocate,  
2. Kum. Thimmaraju Ramalaxmi,  
3. Kum. T. Kanakadurga M/G T. Ramalaxmi,  
4. Kum. T. Nirmala.  
Arundelpet, Opp. State Bank of India, Narasaraopeta, Guntur Dist.  
(Transferor)
- (2) Shrimati Chittoori Srianganayakamma, w/o Sri Viswanatha Rao, c/o Bhagavan Trading Corporation, Bhavanarayana St., Vijayawada-1.  
(Transferee)
- (3) 1. Lakshmi Tyre and Full Circle Works,  
2. M. Venkateswarlu,  
3. K. Sriramamurthy, Gopalareddy St., Vijayawada.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2930/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F.N. ended on 30-6-1978.

B. V. SUBBA RAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range (i/c) Kakinada

Date : 30-1-1979.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 30th January 1979

Acq. File Ref. No. 873.—Whereas, I B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 27-37-21 situated at Bundar Road, Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on 24-6-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Gollamudi Rama Rao,  
2. Kum. Thimmaraju Ramalaxmi,  
3. Kum. T. Kanakadurga M/G Ramalaxmi,  
4. Kum. T. Nirmala,  
c/o Late Sri T. S. L. Narayana, Advocate,  
Arundelpet, Opp. State Bank of India, Narsaraopeta, Guntur Dist.  
(Transferor)
- (2) Shri Mallavolu Venkata Satya Ranganath c/o Bhagavan Trading Corporation, Bhavanarayana St. Vijayawada-1.  
(Transferee)
- (3) Shri P. V. S. Anjaneyulu,  
2. Sri Vigneswara Rao,  
3. G. V. Krishna Rao,  
4. Md. Umar Khan,  
5. Md. Yakub Khan.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2922/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the F.N. ended on 30-6-1978.

B. V. SUBBA RAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Kakinada

Date : 30-1-1979.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madrass-6, the 19th January 1979

Ref. No. 50/July/78.—Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 26-A situated at Kanakkar Street, Salem-I, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO, I, Salem (Document No. 2411/78) on 15-7-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri K. Ramasubramaniamudaliar, S o Kanagasabapathy Mudaliar, 80, Tower House, Cherry Road, Hasthampatty, Salem-7.

(Transferor)

(2) Minor SP Muthuraman, by Fr. & Gdn. M SP Subramania Chettiar, 'Sri Lakshmi' Bungalow, Thirumayam Tk., Royavaram, Pudukottai District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and buildings at No. 26A, Kanakkar Street, Salem I

O ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 19-1-1979,  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

MADRAS-6, the 19th January 1979

Ref. No. 40/June/78.—Whereas, I. O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot Nos. 43 & 44 situated at Ward No. 6, II Stage Lay out, Thiruvalluvar T.P. Scheme, Spencer's compound Dgl. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Nagalnaickenpatti (Document No. 872/78) on 19th January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under in the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—  
22—486GJ/78

- (1) Smt. N. Vijayalakshmi, W/o Nagarajan, 43, Spencer's Compound, Dindigul Town.

(Transferor)

- (2) Shri S. Balakrishnan, S/o Shri P. Seenappa Nadar, Kce Mu Street, Sivakasi Town, Sattur Tk., Rani-nadhapuram Dt.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building in Plot Nos. 43 and 44, II Lay-out, Thiruvalluvar T.P. Scheme, Spencer's Compound, Dindigul Town.

O ANANDARAM,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 19-1-1979.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 19th January 1979

Ref. No. 106/June/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15 situated at West Masi Street, Madurai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO I, Madurai (Document No. 2065/78) on 7-6-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. C. Pitchai Ammal; Shri C. Rakkappa Konar; and Shri R. Muthukrishnan, 10 and 11, Annakuzli Mandapam, Madurai.

(Transferor)

(2) Shri V. R. Krishnaswamy Chettiar; and Minor Saravanan, by fr. Chettiar; and Kulloor Sandhai Vinudhunagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Lodging house at Door No. 15, West Masi Street, Madurai.

O. ANANDARAM  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 19-1-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri L. V. P. Albuquerque, C/o CARITAS INDIA  
CBCI Centre, Ashok Place, New Delhi-110001.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Mrs. Kamala Manoharan, W/o Shri G. Manoharan  
4, Margabandu Street, Extn., Salem-7.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 19th January 1979

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

Ref. No. 75/June/78.—hereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 18, Flat No. 18, 2-A situated at Cambrae East Apartment, Victoria Crescent Road, Madras-8, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Periamct (Document No. 631/78) on 22nd June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## THE SCHEDULE

Flat in Second Floor No. 2A extending 1150 Sq. ft. at No. 18, Victoria Crescent Road, Egmore, Madras-8.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 19-1-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

## ACQUISITION RANGE-I

Madras-6, the 20th January 1979

Ref. No. 46/Junc/1978.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2, situated at Peria Uthandi Street, Madras-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Sowcarpet (Document No. 251/78) on 20-1-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri A. Narayanaswami;  
2. Shri Chandrasekaran;  
3. Minor Venkatesan; and  
4. Minor Vasantha Babu by Sl. No. 1, Bychpur Village, Devanahalli Town, Bangalore District.  
(Transferor)
- (2) Shri K. Logaiya Naidu, S/o Shri K. Chengaiy Naidu, No. 26, Gandhi Street, Madras-33.  
(Transferee)
- (3) M/s Bangalore Potato Supply Co., 2 Peria Uthandi Street, Madras-1.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Buildings at No. 2, Peria Uthandi Street, Madras-1.

O. ANANDARAM  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 20-1-1979  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 20th January 1979

Ref. No. 49/June/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Kasthuripatti Village, Sankari Tk. (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at SRO, Sankaridrug (Document No. 445/78) on 30-6-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri P. Nallamuthu;  
2. Shri N. Kolandaivel; and  
3. Minor Rajavelu,  
Edayangadu, Kasturipatti Vge, Sankari Tk., Salem District.

(Transferor)

- (2) 1. Shri K. Palaniappan;  
2. Shri K. Ramaswamy; and  
3. K. Lakshmanan,  
Nattuvampalayam, Kasturipatti Vge, Sankari RS, Salem District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

13.25 acres of agricultural lands and farm house situate therein at Kasthuripatti Village in Sankari Tk.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 20-1-1979  
Seal :

**FORM ITNS—**

(1) Shri Joy G Thoppil, 59, New Avadi Road, Madras-10.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**(2) 1. Shri M. Varadappa Naidu;  
2. Smt. V. Andalammal,  
No. 14, IV Cross Street, Shenoy Nagar, Madras-30.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6**

Madras-6, the 20th January 1979

Ref. No. 79/June/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Vacant Plot (No. 6), situated at IV Cross Street, West Shenoy Nagar, Madras-30, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Periamet (Document No. 674/78) on 30th June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

3 grounds and 650 sft. of plot (building site) at IV Cross Street, West Shenoy Nagar, Madras bearing plot No. 6.

O. ANANDARAM  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Madras-6.

Date : 20-1-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri E. P. Royappa, S/o Yagapa Royappa, Athiandhal Village, Thiruvannamalai Tk.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri D. Pattuswami, S/o Devaraja Mudaliar, 70, Anai Katti Street, Thiruvannamalai.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 20th January 1979

Ref. No. 121/June/78.—Whereas, I. O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 42-2 & 42-1 situated at Athiandhal Village, Tiruvannamalai Tk.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

JSR II, Madras (Document No. 657/78) on 22nd June

1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural lands in Survey No. 42/2 (1.63 acres) and 42/1 (7.66 acres) at Athiandhal Village, Thiruvannamalai Tk.

O. ANANDARAM

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 20-1-1979

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri M. Vasudevan,  
183, South Masi Street,  
Madurai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Alagammai Achi,  
W/o Shri P CT Lakshmanan Chettiar,  
Shanmughanathapuram,  
Ramanad District.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-6

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 20st January 1979

Ref. No. 92/Junc/78.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

163, situated at South Masi Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at D.R., Madurai (Document No. 1866/78) on 13th June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the ability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Land & Building at No. 163, South Masi Street, Madurai.

O. ANANDARAM  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 20-1-1979.  
Seal :

FORM NO. IT.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 25th January 1979

Ref. No. 4709.—Whereas J. T. V. G. KRISHNAMURTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S.F. No. 34, situated at Thonguttipalayam, Palladam Tk. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Thiruppur Doc. No. 891/78) on June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

23—486 GI/78

- (1) M. Balasubramaniam,  
34-B, Mangalam Road, Karuvampalavam  
Thiruppur 638 604. (Transferor)
- (2) Shri Chinnaswami Gounder, S/o  
Muthuswamy Gounder,  
Deivathal, Karattupalayam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural lands at SF. No. 34, Thonguttipalayam.  
Village, Palladam Tk. (10.17 Acres)  
(Doc. No. 891/78)

T. V. G. KRISHNAMURTHY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 25-1-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 25th January 1979

Ref. No. 4752.—Whereas I, T. V. G. KRISHNAMURTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

TS. No. 10/1052, 10/1053 Part, situated at S.F. No. 600 Balasundaram Chettiar Road, P. N. Palayam, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 1771/78) on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. D. Anuradha,  
W/o D. Dhandapani,  
Vayampalayam (PO), Coimbatore Tk. (Transferor)
- (2) Shri D. Dhandapani, S/o  
N. Duraiswami Naidu,  
Vayampalayam (PO), Coimbatore Tk. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at TS. No. 10/1052, 10/1053 Part Balasundaram Chettiar Road, P. N. Palayam, Coimbatore. (Doc. No. 1771/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range II, Madras-600 006.

Date : 25-1-1979

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. K. M. Baby Ammal, W/o  
Late KM. KM. Kumarappa Chettiar,  
321, Thadagam Road, Subramaniaapuram (PO)  
Coimbatore-40.

(Transferor)

(2) K. T. Antony,  
Partner M/s. Paper Mart,  
High Road, Trichur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immove-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 380 and 381, Raja St., Coimbatore.  
(Doc. No. 1616/78)

T. V. G. KRISHNAMURTHY  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 25-1-1979

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 25th January 1979

Ref. No. 4754.—Whereas I, T. V. G. KRISHNAMURTHY,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

380, 381 Raja St., situated at Coimbatore  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Coimbatore (Doc. No. 1616/78) on June 1978  
for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid  
property and I have reason to believe that the fair  
market value of the property as aforesaid exceeds  
the apparent consideration therefor by more than fif-  
teen per cent of such apparent consideration and that the con-  
sideration for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the  
said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

MADRAS-6

Madras-6, the 29th January 1979

Ref. No. 54/Junc/78.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24, situated at North Chitrai Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Pudumandapam (Document No. 939/78) on 19-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Valliammai Achi,  
W/o Late V PR V RM Periakaruppan Chettiar, &  
others,  
10, V PR M Street,  
Devakottai. (Transferor)
- (2) Shri L. Ramakrishnan Chettiar,  
S/o SP RM L Lakshmanan Chettiar;  
& others,  
7/26, Ramakrishnan Chettiar St.,  
Nattarasankottai,  
Sivaganga Tk.,  
Ramanadhapuram Dist. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

1/3rd portion of land buildings situate at Door No. 24, North Chitrai Street, Madurai.

O. ANANDARAM  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 29-1-1979  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 29th January 1979

Ref. No. 119/Junc/78.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the competent authority under Section 269B of the **Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)** (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. RS. 20/2 to 4 & 20/18 situated at Arapalayam, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at JSRO Madurai (Document No. 1090/78) on June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri S. M. Ramachandran; &  
Shri R. Baskaran,  
65, Pillaimar Street,  
Arapalayam, Madurai.

(Transferor)

- (2) Smt. K. Sceniammal,  
46-A, Alagaradi 3rd Street,  
Madurai;  
Smt. Lakshmi, W/o Devadass,  
Nagmalai Pudukottai;  
Smt. Dhanam, W/o Pitchaimani,  
16, Ilanthope, Madurai;  
Smt. Pandiammal, W/o Kasi,  
16, Alagaradi 3rd Street,  
Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

36-7 8 cents of vacant site in R.S. Nos. 20/2, 20/3 20/4 & 20/18 situated at Arapalayam, Madurai.

O. ANANDARAM  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-, Madras-6

Date : 29-1-1979  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-6

Madras-6, the 30th January 1979

Ref. No. 64/June/78.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5, situated at Bypass Road, Vellore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at D.R., Vellore (Document No. 2027/78) on 26-6-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Smt. A. M. Bakkiammal;  
Minor M. Narasimhan @ Naresh,  
76, Avalkara Street,  
Kuyapettai,  
Vellore Town.

(Transferor)

- (2) Shri N. Krishnaswamy Mudaliar,  
S/o Thottipalli Narasimha Mudaliar,  
No. 12, East First High Road,  
Katpadi Township (Gandhi Nagar),  
Gudiyatham Tk.,  
North Arcot District.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land & Building at No. 5, Bye Pass Road, Vellore.

O. ANANDARAM  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-, Madras-6

Date : 30-1-1979

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-6**

Madras-6, the 30th January 1979

Ref. No. 42/June/78.—Whereas I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2-1/5, situated at Lakshmi Puram Oorani, Kelkarai Street, Ramanadhapuram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration officer at SRO, Velipattinam on 9th June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri T. Chidambaram Chettiar;  
Minor Sathiyamoorthy; &  
Minor Nagarajan,  
Madurai Chetty Street,  
Velipattinam,  
Ramanadhapuram District.

(Transferor)

- (2) Shri K. Balasubramanian Chettiar;  
Shri K. Venkatachalam Chettiar; &  
Shri K. Krishnan Chettiar,  
Mela Chetty Street,  
Velipattinam,  
Ramanadhapuram District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land and buildings at Door No. 2-1/5, Lakshmi Puram Oorani, Kelkarai Street, Ramanadhapuram.

O. ANANDARAM  
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 30-1-1979

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th January 1979

Ref. No. 6315.—Whereas I, T. V. G. KRISHNAMURTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3, Jambulinga Naicken St., situated at Madras-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South (Doc. No. 505/78) on June 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) M. V. Sundaram, M. V. Vijnayaraghavan,  
M. V. Sri Prakash,  
No. 16, Karpagam Garden, Madras-20.

(Transferor)

(2) TP. S. L. Gntemani & T. P. S. L. Manoharan  
No. 6, New Tank St.,  
Madras-34.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building 3, Jambulinga Naicken St., Madras-34  
(Doc. No. 505/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 30-1-1979

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th January 1979

Ref. No. 8292.—Whereas J. T. V. G. KRISHNAMURTHY, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 28, situated at Mariyamman Koil St., Karaikkal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karaikkal (Doc. No. 443/78) on August 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely :—  
24—486GI/78

(1) Anthuvanethu Josephin Anthuvan  
W/o Anthuvan Arumainathan, Periyannayakaswamy  
Anthuvandummam  
37, Duipakes St., Karaikkal.

(Transferor)

(2) Hathija Nachiyal, W/o M. Mohammed  
Thelapik Maraikayar  
28, Thiagaraja St.,  
Karaikkal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House and Ground No. 28, Mariamman Koil St., Karaikkal.  
(Doc. No. 443/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 30-1-1979  
Seal :

FORM ITNS— -- --

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th January 1979

Ref. No. 6371.—Whereas I, T. V. G. KRISHNAMURTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5 (Old No. 14), situated at Pycrofts Garden Road, Madras-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 612/78) on June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

(1) Mrs. K. Palat Kalyani Ammal W/o  
late M. Govindan Nair,  
14, New No. 5, Pycrofts Garden Road,  
Madras-6.

(Transferor)

(2) G. Vishnu Dev & G. Sriram, S/o  
G. Vijaya Reddy,  
2F, Moores Garden, Madras-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House and Ground No. 5 (Old No. 14), Pycrofts Garden Road, Madras-6.  
(Doc. No. 612/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 30-1-1979

Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th January 1979

Ref. No. 6335.—Whereas I, T. V. G. KRISHNAMURTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

52, situated at Tholasinga Perumal Koil St., Madras-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Triplicane, Madras (Doc. No. 383/78) on June 1978 consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri R. Narasimhan, S/o Shri P. S. Ramaswami Iyengar,  
R. Jagannathan S/o P. S. Ramaswami Iyengar  
52, T. P. Koil St., Madras-5.

(Transferor)

(2) Shri K. N. Muthaiah, S/o Kannappa Chettiar,  
576, Pycrofts Road, Madras-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House, ground and premises bearing Door No. 52, Tholasingam Perumal Koil St., Madras-5 (Doc. No. 383/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 30-1-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th January 1979

Ref. No. 6488.—Whereas I, T. V. G. KRISHNAMURTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

10, Millers Road, situated at (New No. 18) Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Purasawalkam, Madras (Doc. No. 659/78) on June 1978 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

- (1) Rajeswari Ammal,  
52, Dr. Alagappa Chettiar Road,  
Madras-7.

(Transferor)

- (2) Vaniga Vysya Improvement Society,  
94, Purasawalkam High Road,  
Madras-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House are ground No. 18 (Old No. 10) Millers Road, Madras-10.

(Doc. No. 659/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 30-1-1979  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th January 1979

Ref. No. 8240.—Whereas I. T. V. G. KRISHNAMURTHY, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1 (TS. No. 168), situated at Racquet Court Lane, Tiruchirapalli 620 001 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Trichy Doc. No. 2553/78) on June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) N. M. A. Mohammed Hanifa rep. by R. Karupannan S/o Ramaswamy Gounder (Power Agent) 9-P4, Ramakrishnapuram, Karur Town.

(Transferor)

(2) M. Chellamuthu S/o Mariya Pillai Soundaram Muthaiah W/o M. Muthaiah Thiripurasundari Rajagopalan, W/o Rajagopalan C-30 and C-31, 5th Cross Thillainagar, Trichy.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at TS. No. 168/p. No. 1, Racquet Court Lane, (Known as Hotel Anand), Tiruchirapalli-620 001. (Doc. No. 2553/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY  
Competent Authority.

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 30-1-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) Abdul Rahman S/o Sheik Masthan Sahib  
Thirukkalacherry, Mayavaram Tk.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) R. Sambandan, S/o Rathina Naicker,  
22, Sri Kumbeswarar Thirumanjana St.,  
Kumbakonam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Madras-600 006, the 31st January 1979

Ref. No. 8225.—Whereas I, T. V. G. KRISHNAMURTHY, being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 21, situated at Pettai Nanayakara Chetti St., Kumbakonam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kumbakonam (Doc. No. 855/78) on June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used here, in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

## THE SCHEDULE

Land and building at 21, Pettai Nanayakara Chetti St., Kumbakonam.  
(Doc. No. 855/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-1-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 31st January 1979

Ref. No. 8264.—Whereas I, T. V. G. KRISHNAMURTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. Nos. 254/2, 254/5 & 254/7, situated at Adambakkam Village, Alandur Municipality (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Alandur (Doc. No. 631/78) on June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) A. B. Ramakrishna Reddy,  
14, Pudupet, St., Alandur,  
Madras.

(Transferor)

- (2) Royapuram Divisional Railway Staff,  
Co-operative Building Society Ltd.  
Madras-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Nanja Land; in S. No. 254/2, 254/5 and 254/7  
Adambakkam Village, Alandur, Madras.  
(Doc. No. 631/78)

T. V. G. KRISHNAMURTHY  
Competent Authority.  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 31-1-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th January 1979

Ref. No. 4777.—Whereas I, T. V. G. KRISHNAMURTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. F. No. 498, situated at Velankurichi Village, (Site Nos. 3, 5, 8, 12, 15, 38 & 42), Coimbatore Tk.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram, Coimbatore (Doc. No. 1363/78) on July 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. J. Vanajakshi W/o Dr. N. Jagannathan  
Dr. J. Sanathkumar & J. Balagopal  
Sons of Dr. N. Jagannathan Layout, Avanashi Road,  
7, V. Palaniswamy Naidu,  
Coimbatore-18.

(Transferor)

(2) P. Ramaswamy S/o Palaniappa Mudaliar  
K. S. V. Subramaniam S/o  
K. P. Subramanian, C/o  
M/s. The Coimbatore Real Estate Co.  
Dr. Jagannathan Nagar, Peelamedu (PO)  
Coimbatore-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Velankurichi Village in S.F. No. 498 being Site Nos. 3, 5, 8, 12, 15, 38 and 42 in Coimbatore Tk.

(Doc. No. 1363/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 27-1-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st January 1979

Ref. No. 6547.—Whereas I, T. V. G. KRISHNAMURTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3, White Betal St., situated at Trichy-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 677/78) on June 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the parties has not been such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

25—486GI/78

(1) E. A. Swamy, E. A. Kannan and  
Mrs. R. Sivagami  
4, Maharaja Surya Rao Road,  
Madras-18.

(Transferor)

(2) J. Badrinarayanan and J. Ramnarain  
427, Big Bazar, Trichy-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 3, White Betal St., Trichy-8.  
(Doc. No. 677/78).

T. V. G. KRISHNAMURTHY  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 31-1-1979

Seal:

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, 27-B, MOUNT ROAD,  
SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 31st January 1979

Ref. No. IAC/ACQ/88/78-79.—Whereas, I, M. V. R. PRA-  
SAD, being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have  
reason to believe that the immovable property, having a fair  
market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
Gat Nos., 77 and 82, Agricultural land 31.06 Acre, Mouza  
Khandala Khurd, P.C. No. 41, Tah. Ramtek, Dist. Nagpur  
situated at Khandala Khurd,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Nagpur on 15-6-1978

for an apparent consideration which  
is less than the fair market value of the aforesaid pro-  
perty, and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the appa-  
rent consideration therefor by more than fifteen per  
cent of such apparent consideration and that that con-  
sideration for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

- (1) Shri Natwar Nandkishore Nabira,  
R/o Sitabudi, Nagpur. (Transferor)
- (2) S Chinnaya S o Nikallya,  
R/o Khandala Khurd,  
Tah. Ramtek,  
Dist. Nagpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which  
even period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural Land bearing Gat Nos. 77 and 82, admeasuring  
31.06 Acre land, at Mouza Khandala Khurd, P.C. No. 41,  
Tah. Ramtek, Dist., Nagpur.

M. V. R. PRASAD  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range, Nagpur

Date : 31st January, 1979  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, 27-B, MOUNT ROAD,  
SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 31st January 1979

Ref. No. IAC/ACQ/87/78-79.—Whereas, J. M. V. R. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Gat. Nos. 50-A, 50-B, 50-C & 50-D, Agricultural Land admeasuring 26.84 Acres, Mouza Khandala, P.C. No. 41-T, Tah. Ramtek, Dist. Nagpur, situated at Khandala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nagpur on 15th June, 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Ku. Kasantibai D/o Chinnya Sabbineni,  
R/o Khandala Khurd, Tah. Ramtek,  
Dist. Nagpur. (Transferor)
- (2) Shri Natwar Nandkishore Nabira,  
R/o Sitabuldi, Nagpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural Land bearing Gat Nos. 50-A, 50-B, 50-C and 50-D, admeasuring 26.84 Acres, at Mouza Khandala Khurd, P.C. No. 41, Tah. Ramtek, Dist. Nagpur.

M. V. R. PRASAD  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Nagpur

Date : 31st January, 1979  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BIHAR, PATNA

Patna, the 22nd January 1979

Ref. No. III-302/Acq/78-79.—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing deed No. 3432, Holding No. 60/59 Circle No. 15 Ward No. 16 of Patna Municipal Corporation situated at Subzibagh PS Pirbahore Patna

(and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna on 4-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) or section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Bibi (Smt.) Rabiya Khatoon  
w/o Late Mr. Gulam Waris,  
Resident of Exhibition Road, Patna.  
(near Vijay Bank Ltd.).  
(Transferor)
- (2) Bibi Shabnam Ara  
w/o Shri Buland Akhtar of Dariapur Patna.  
(Transferee)
- (3) The house is in the Occupation of Hamdard  
Dawakhana for the resident of the Staffs.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Double Storeyed Building Covering area 3½ Kathas of land bearing Holding No. 60/59, Ward No. 15, Ward No. 16 of Patna Municipal Corporation situated at Mohalla Subzibagh Ps. Pirbahore Patha-4 described in deed No. 3432 dated 4-6-78 registered with the District sub Registrar Patna.

J. NATH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 22-1-79  
Seal :



## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, BIHAR,  
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 29th January 1979

Ref. No. III-303/Acq/78-79.—Whereas, I, J. Nath, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Municipal holding No. 114, Khasra No. 18157 and 18160 and Ward No. 18 (old) and 16 (new) at Mohalla Makhdumganj, Kilaghat, Dist. Darbhanga situated at Darbhanga (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Darbhanga on 3-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sita Devi W/o Shri Baidyanath Prasad Agarwal of Masraf Bazar, Makhdumganj, Kilaghat, Dist. Darbhanga.

(Transferor)

- (2) S/Shri Shyam Sunder Pansari, Proshottam Prasad Pansari, sons of Dhansilal Pansari and Raj Kumar Pansari S/o Onkarmal Pansari and Smt. Gayatri Devi W/o Shri Mohanlal Pansari all of village Ghogar Dih, Dist. Madhubani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land area 5 Katha 16 dhur along with a single storeyed pucca building etc. situated at Mohalla Makhdumganj, Kilaghat, Dist. Darbhanga bearing holding No. 114, Khasra No. 18157 and 18160 in Ward No. 18 (old) 16 (new) described morefully in deed No. 10753 dated 3-6-78 registered with D.S.R. Darbhanga.

J. NATH

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 29-1-1979  
Seal :

## FORM ITNS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 29th January 1979

Ref. No. III-302/Acq/78-79.—Whereas, I, J. Nath, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Mouza Chas No. 30, Khata No. 177, 88, 69., Plot No. 7241, 7242, 7243, 7244, 7238, 7239, 7240, 7236, 7246 situated at Chas, Dhanbad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhanbad on 8-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) (i) Shri Badri Prasad Agrawalla S/o Shri Mahadeo Prashad Agrawalla.  
(ii) Shri Bishwanath Agrawalla s/o Banarsi Lal Agrawalla At Chas Dist. Dhanbad.  
(Transfector)

(2) Shri Binod Kumar Agrawalla (Minor)  
S/o Ramlal Agrawalla, Representative guardian, his mother Smt. Sarla Devi of Jhari Dist. Dhanbad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land area 54½ decimals bearing Khata No. 177, 88 69, Plot No. 7241, 7242, 7243, 7244, 7238, 7239, 7240, 7236, 7246 situated at Chas No. 30 Dist. Dhanbad described in decd No. 4078 dated 8-6-78 registered with the District Sub Registrar Dhanbad.

J. NATH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 29-1-1979

Seal :

## FORM ITNS-----

(1) (i) Shri Badri Prasad Agrawalla S/o Mahadeo Prasad Agrawalla.

(ii) Shri Bishwanath Agrawalla s/o Banarashi Agrawalla At Chas Dist. Dhanbad.  
(Transferor)(2) Shri Rajesh Kumar Agrawalla (Minor)  
S/o Ranch Agrawalla Representative guardian,  
mother Raj Kumari Devi of Jharia, Dist Dhanbad.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 29th January 1979

Ref. No. III-301/Acq/78-79.—Whereas, I, J. Nath, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Mouza Chas No. 30, Khata No. 177, 88, 69, Plot No. 7241, 7242, 4273, 7244, 7238, 7239, 7240, 7236, 7246 situated at Chas Dhanbad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Dhanbad on 8-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, 1961 43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceeding for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the said Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land area 544 decimals bearing Khata No. 177, 88, 69, Plot No. 7241, 7242, 4273, 7244, 7238, 7239, 7240, 7236, 7246 situated at Chas No. 30 Dist. Dhanbad described in deed No. 4077 dated 8-6-78 registered with the District Sub Registrar Dhanbad.

J. NATH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 29-1-1979

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR  
BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 1st February 1979

Ref. No. III-304/Acq/78-79.—Whereas, I, J. Nath, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

being the competent authority under section 269 of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing plot No. 173 situated at Brinda Banpur, Dist. Dhanbad (and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhanbad on 20-6-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Bihar Coke Ovens, Mugma  
Represented by its partner  
Pradip Kumar Tiwary of  
Kumari dubi P.S. Chirkunda Dist. Dhanbad.  
(Transferor)

(2) (i) Shri Jagdish Prasad Agrawalla  
S/o Banwari Agrawalla  
(ii) Shri Gobind Kumar  
(iii) Shri S. C. Agrawalla  
(iv) Lalita Devi and  
(v) Subbesh Chandra Agrawalla of Chirkunda  
Dist. Dhanbad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Factory with 4 chimneys crusher Haulage etc. on a plot No. 173 of Mouza Brinda Banpur Dist. Dhanbad described in deed No. 4475 dated 20-6-78 registered with the District Sub Registrar, Dhanbad.

J. NATH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 1-2-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 20th January 1979

Ref. No. KTL/2/78-79.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 80 Kanal 6 Marla situated at Patti Gaddar, Kaithal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kaithal in June 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Vijay Kumar s/o Shri Hari Kishan, Biswedat Patti Gaddar, Kaithal.  
(Transferor)
- (2) 1. Shri Hukam Chand s/o Shri Jawala Dass C/o M/s Hukam Chand Deepak Kumar, Nai Mandi, Kaithal.  
2. Shri Surinder Singh S/o Rao Narsingh Dass land lord, Kaithal.  
3. Malik Roshan Lal S/o Shri Ganesh Dass Agriculturist, Old Sabzi Mandi, Kaithal.  
4. Shri Om Parkash Tiwari, Advocate, Kaithal.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 80 Kanal 6 Marla Khewat No. 162/310 situated at Patti Gaddar, Kaithal.

(Property as mentioned in the sale deed registered at No. 875 of June 1978 with the sub-registrar, Kaithal).  
Date : 20-1-1979

RAVINDER KUMAR PATHANIA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 20-1-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 20th January 1979

Ref. No. KTI /1/78-79.—Whereas, I RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land measuring 80 kanal 6 Marla, situated at Patti Gadder, Kaithal,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kaithal in June 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Vijay Kumar S/o Shri Hari Kishan, Biswedat Patti Gadder, Kaithal.

(Transferor)

(2) 1. Shri Hukam Chand s/o Shri Jawala Dass C/o M/s Hukam Chand Deepak Kumar, Nai Mundi, Kaithal.

2. Shri Surinder Singh S/o Rao Narsingh Dass land lord, Kaithal.

3. Malik Roshan Lal S/o Shri Ganesh Dass Agriculturist, Old Sabzi Mandi, Kaithal.

4. Shri Om Parkash Tiwari, Advocate, Kaithal.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 80 Kanal 6 Marla, Khewat No. 161/304 situated at Patti Gadder, Kaithal.

(Property as mentioned in the sale deed registered at serial No. 874 of June 1978 with the sub-registrar Kaithal).

RAVINDER KUMAR PATHANIA,

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 20-1-1979

Seal :